11 अगस्त 2024 रविवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

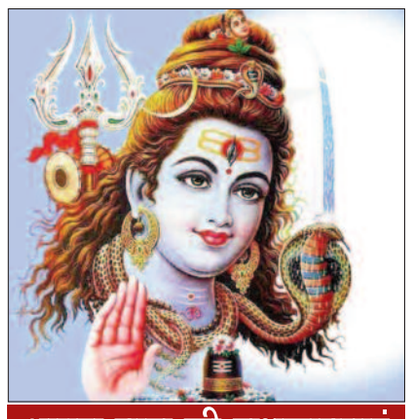

श्रावण मास की शुभकामनाएं

अतिक्रमण मुक्त कराने गये मजिस्ट्रेट को आक्रोशितों ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

फर्जी सीबीआई कर्मी बनकर उज्जैन में रिटायर्ड बैंक अधिकारी से 50 लाख की ठगी

- ठगों ने पीड़ित पर करोड़ों रुपये की मनी लांड्रिंग एवं अवैध लेन-देन का लगाया आरोप
- रिटायर बैंक कर्मी को डराने के लिए वाटसअप पर भेजा फर्जी अरेस्ट वारंट

केटी न्यूज/उज्जैन

ठगों ने एक गिरोह के कुछ लोगों ने अपने आपको सीबीआई अधिकारी बताकर एक दंपती को इतना डराया धमकाया। उन्होंने इन लोगों की बात पर भरोसा करते हुए उनके खाते में 50 लाख 71,000 की राशि ट्रांसफर कर दी। यह राशि लेने के लिए फोन करने वाले लोगों

ने सभी तरह के हथकंड़े आजमाए। बता दें कि उन्होंने रिटायर्ड अधिकारी के मोबाइल पर अरेस्ट लेटर भेजा और यहां तक कह दिया कि अगर हमारी बात नहीं मानोगे तो तुम्हें अरेस्ट कर जेल भेज दिया जाएगा। इन लोगों की बातों से घबराकर दंपती ने फोन करने वाले लोगों के बताए गए खाते में अपनी जमा पूंजी ट्रांसफर तो कर दी। अपने को बचाने के लिए वह चुपचाप बैठे हुए थे। लेकिन जब उन्हें बाद में अपने सारे रुपये गंवाने की जानकारी लगी तो तुरंत वह थाने पहुंचे। जहां उन्होंने पुलिस को इस मामले में शिकायत दर्ज कराई है। वहीं दूसरी ओर पुलिस जांच कर रही है।

पीड़ित है रिटायर्ड एसबीआई अधिकारी

एसबीआई के मैनेजर पद से रिटायर्ड हुए राकेश कुमार जैन उम्र 65 साल के साथ ठगी की वारदात हुई। जिन्होंने पुलिस को बताया कि ठग ने फोन किया और कहा कि मैं साइबर क्राइम विभाग मुंबई से बोल रहा हूं। आपके आधार कार्ड नंबर से एचडीएफसी मुंबई में एक खाता खोला गया है। उस खाते से करोड़ों रुपये की मनी लॉड्रिंग एवं अवैध लेन-देन हुआ है। हमें आपकी सर्चिंग करने का कहा गया है, इसलिए अब आप इस कार्रवाई में हमारा सहयोग करें। अन्यथा तत्काल आपको गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। सारी जवाबदेही आपकी होगी।

सीबीआई बनकर धमकाया और मोबाइल पर भेजा अरेस्ट लेटर

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि ठगी करने वाले लोगों ने राकेश कुमार जैन को सभी तरह से डरा-धमका कर यह यकीन दिला दिया था कि वह असली सीबीआई अफसर हैं और जो भी कार्रवाई कर रहे हैं, वह एक गोपनीय कार्रवाई है। अगर इससे संबंधित जानकारी किसी को दी जाती है और यह ऑपरेशन लिंक होता है तो राकेश कुमार जैन को तीन साल की सजा भी हो सकती है। यही कारण था कि राकेश किसी को इस बारे में बता नहीं पाए। साथ ही ठगों ने उन्हें इतना व्यस्त रखा कि उन्होंने इस बात की जानकारी अपने बच्चों तक को नहीं दी। कभी वह उससे फोन पर बात करते तो कभी वीडियो कॉल के माध्यम से उससे जुड़े रहते थे। वह इसके माध्यम से यह जानने का प्रयास करते थे कि राजेश इस बारे में कभी किसी को न बता दे। ठगों ने सीनियर सीबीईसी अधिकारी मोहित हांड से बात करवाई। उन्होंने राकेश को डिजिटल अरेस्ट का लेटर वॉट्सअप पर भेजा और बताया कि सुप्रीम कोर्ट और आरबीआई के नियमों के तहत ये जानकारी अन्य किसी को साझा नहीं करनी है। यदि को किसी को बताया तो लोकल पुलिस के माध्यम से गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस दौरान विभाग के कई अधिकारियों का हवाला देकर कॉल को दूसरे-दूसरे नंबर पर ट्रांसफर किया जाता था। बात करने का तरीका पूरी तरह से पुलिस के अंदाज में था।

एफडी तोड़ी और जमा करवा दिए 50 लाख

डिजिटल अरेस्ट रहने के बाद बुजुर्ग बदमाशों की बातों में आ गए। उन्होंने अपने बैंक की 50 लाख की एफडी तोड़कर महाकाल नामक फर्म के खाते में रुपये जमा करा दिए। ये खाता गाजियाबाद के राजेंद्र नगर बंधन बैंक का निकला। पुलिस ने इस घटना के बाद स्टेट साइबर सेल के साथ काम कर रही है। पुलिस के अनुसार, घटना की जानकारी मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जा रही है। जल्द ही कार्रवाई कर आरोपी को पकड़ा जाएगा। इसके लिए एक विशेष टीम का गठन किया जा रहा है। ताकि उन्हें अपराधियों को पकड़ने में सहूलयित मिले।

बांग्लादेश के चीफ जस्टिस हसन को देना पड़ा इस्तीफा

अमित शाह का कड़ा एक्शन

एजेंसी/ढाका

शेख हसीना के थे करीबी बांग्लादेश में तख्ता पलट के बाद उपद्रव थमने का नाम नहीं ले रहा है। कार्यवाहक सरकार गठन होने बावजूद प्रदर्शनकारी हिंसा की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश के चीफ जस्टिस को इस्तीफा देने के लिए शनिवार दोपहर तक का अल्टीमेटम दिया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बांग्लादेश के चीफ जस्टिस ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। पूर्व पीएम शेख हसीना के करीबी होने की कीमत चीफ जस्टिस को चुकानी पड़ी है। प्रदर्शनकारियों ने ढाका में बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट को घेर लिया था। जिसके बाद चीफ जस्टिस ओबैदुल हसन के साथ साथ सभी जजों को दोपहर एक बजे तक इस्तीफा देने को कहा गया था। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी थी कि अगर वह अपना इस्तीफा नहीं सौंपते हैं तो वह उनके आवास पर धावा बोल देंगे। सुप्रीम कोर्ट और देश भर के हाई कोर्ट के साथ साथ निचली अदालतों के जजों की सुरक्षा को ध्यान मे रखते हुए इस्तीफा देने का फैसला लिया है। सुप्रीम कोर्ट के अन्य जज भी इस्तीफा देंगे।

बांग्लादेश से सटी देश की सभी सीमा पर एसएसबी और बीएसएफ को अलर्ट मोड में रखा गया है। सीमा पर नजर रखने के लिए सरकार ने एक कमेटी का गठन किया है। जो हालात पर नजर बनाए रखेगी और सरकार को पल-पल की अपडेट देगी। कमेटी बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के हालात का जायजा लेगी। सीमा सुरक्षा बल के पूर्वी कमान के एडीजी को इस कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बांग्लादेश सरकार के साथ बातचीत कर वहां के अल्पसंख्यकों को सुरक्षा और उनकी संपत्ति के संरक्षण को सुनिश्चित कराएंगे।

पीएम ने वायनाड पहुंचकर पीड़ितों से की मुलाकात, लिया जायजा

बोले पीएम... आपदा से प्रभावित लोगों की मदद पहली प्राथमिकता

- केंद्र केरल सरकार के साथ खड़ी है। कोई भी काम बजट की कमी से रूकेगा नहीं
- पीएम ने कहा-बहुत करीब से देख चुका हूं आपदा

एजेंसी/वायनाड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केरल के वायनाड के दौरे पर हैं। प्रधानमंत्री भूस्खलन प्रभावित वायनाड में हालात का जायजा लिया। प्रधानमंत्री ने भूस्खलन प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वे भी किया। वायनाड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैंने एक आपदा को बहुत करीब से देखा और अनुभव किया है। लगभग 45-47 साल पहले गुजरात के मोरबी में भारी बारिश से एक बांध पूरी तरह नष्ट हो गया था। पानी मोरबी शहर में घुस गया। पूरे शहर में 10-12 फीट पानी था। 2,500 से ज्यादा लोग मारे गए। मैं वहां एक स्वयंसेवक के रूप में करीब छह महीने तक रहा। मैं इन परिस्थितियों को भली-भांति समझता हूं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि देश और भारत सरकार आपदा से प्रभावित लोगों की मदद में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।प्रधानमंत्री ने कहा कि जब घटना हुई तो सुबह मैंने सीएम पिनाराई विजयन से बात की और उन्हें आश्वासन दिया कि हम सहायता प्रदान करेंगे। जितनी जल्दी हो सके

घटनास्थल पर पहुंचने का प्रयास करेंगे। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, पुलिस , डॉक्टर और सभी ने पीड़ितों की जल्द से जल्द मदद करने की कोशिश की। मैं मृतकों के परिवारों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि वे अकेले नहीं हैं। हम सभी उनके साथ खड़े हैं। केंद्र सरकार केरल सरकार के साथ खड़ी है। हम सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी काम बजट की कमी के कारण रुके नहीं। वायनाड दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अफसरों के साथ बैठक की। बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि जब से मुझे घटना के बारे में जानकारी मिली है, तब से मैं भूस्खलन के बारे में लगातार अपडेट ले रहा हूं। केंद्र सरकार ने सभी एजेंसियों को आपदा में मदद करने के लिए

काश पहले आ जाते पीएम : थरूर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वायनाड दौरे को लेकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि काश प्रधानमंत्री पहले आ जाते और जमीनी हालात देखते। अब मुझे उम्मीद है कि सरकार वास्तव में कोई पहल करेगी। वायनाड भूस्खलन को राष्ट्रीय आपदा घोषित करेगी। ताकि उचित सहायता मिल सके। साथ ही प्रधानमंत्री पहले आ जाते और जमीनी हालात देखते। अब मुझे उम्मीद है कि सरकार वास्तव में कोई पहल करेगी। वायनाड भूस्खलन को राष्ट्रीय आपदा घोषित करेगी। ताकि उचित सहायता मिल सके।

लगाया। यह बहुत बड़ी आपदा है। यह सामान्य घटना नहीं है। भूस्खलन में हजारों परिवारों के सपने टूट गए। उन्होंने कहा कि मैंने राहत शिविरों में पीड़ितों से मुलाकात की और अस्पताल में घायल मरीजों से भी मुलाकात की।केरल के वायनाड दौरे पर पीएम मोदी ने भूस्खलन पीड़ितों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री शरणार्थी कैंपों में पहुंचे और पीड़ितों से मुलाकात की और उनकी व्यथा सुनी। प्रधानमंत्री ने पीड़ितों को ढांढस बंधाया और उन्हें कहा कि सरकार उनके साथ है। पीएम ने भूस्खलन से प्रभावित हुए इलाकों पुंचीरीमत्तम, मुंडक्कई और चूरलमाला के हालात का भी जायजा लिया।

अनंतनाग में सुरक्षा बल का आतंकियों से हुई मुठभेड़, दो जवान शहीद

- अनंतनाग में सुरक्षाबलों ने तीन आतंकवादी मददगारों को किया गिरफ्तार
- मुठभेड़ तब शुरू हुई जब आतंकवादियों ने खोजी टीम पर की फायरिंग

एजेंसी/जम्मू

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ जारी है। इस मुठभेड़ के दौरान अब तक दो जवान बलिदान हो गए हैं जबकि तीन घायल हैं। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। अनंतनाग के अहलान गगरमंडू इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई थी। मिली जानकारी के मुताबिक, अहलान इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ तब शुरू हुई जब आतंकवादियों की ओर से खोजी टीम पर फायरिंग की गई। इसके जवाब में जवानों ने भी फायरिंग की।इससे पहले बीती छह अगस्त को बसंतगढ़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच शाम चार बजे के करीब मुठभेड़ शुरू हुई थी। दोनों ओर से दो घंटे तक गोलीबारी हुई। मौसम खराब होने और धुंध के बीच सुरक्षाबलों ने देर शाम तक तलाशी अभियान चलाया। इससे एक दिन पहले ही अनंतनाग में सुरक्षाबलों ने तीन आतंकवादी मददगारों को गिरफ्तार किया था। इनसे हथियार और गोला-बारूद की बरामदगी हुई है। पकड़े गए आतंकी मददगारों की पहचान दाऊद अहमद डार, इम्तियाज अहमद रेशी और शाहिद अहमद डार के तौर पर हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हसनपोरा तुलखान रोड पर संयुक्त नाके पर जांच के दौरान आतंकी मददगारों को हिरासत में लिया गया। उनके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया।

अगर न्यायपालिका ने घुटने नहीं टेके होते तो नहीं आती आपातकाल की स्थिति : उपराष्ट्रपति

एजेंसी/जोधपुर

जोधपुर में राजस्थान हाईकोर्ट के प्लेटिनम जयंती समारोह को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आपातकाल का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अगर उच्चतम स्तर पर न्यायपालिका ने घुटने नहीं टेके होते, असंवैधानिक तंत्रों के आगे नहीं झुकी होती, इंदिरा गांधी की उस तानाशाही के आगे कमजोर नहीं पड़ी होती। तो आपातकाल की स्थिति नहीं आती। हमारा राष्ट्र बहुत पहले ही अधिक विकास प्राप्त कर चुका होता। हमें दशकों तक इंतजार नहीं करना पड़ता। उस काले दौर को भूलना बिल्कुल भी उचित नहीं होगा। उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि- हम न्यायपालिका की एक बहुत ही उच्च संस्था का हिस्सा हैं, लेकिन उस समय, नागरिकों के मूल अधिकारों के दुर्जेय गढ़ और शीर्ष पर आसीन न्यायपालिका, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा

गांधी के मनमाने तानाशाही शासन के आगे झुक गई। और इसका क्या परिणाम हुआ लाखों लोगों को सलाखों के पीछे डाल दिया गया, उन्हें अपमान सहना पड़ा। उनमें से कई इस देश के प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मंत्री बने और कई क्षेत्रों में योगदान दिया और योगदान देना जारी रखा। इस देश के किसी भी नागरिक के लिए उस काले दौर को भूलना बिल्कुल भी उचित नहीं होगा।

विदर्भ को राज्य बनाने की मांग को लेकर निकाला मार्च, हिरासत में लिए गये 350

एजेंसी/विदर्भ

महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र को राज्य बनाने की मांग को लेकर शनिवार को लोग सड़क पर उतरे। लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए मार्च निकाला। इस दौरान पुलिस ने 350 लोगों को हिरासत में लिया। जिन्हें शाम को रिहा कर दिया गया। पूर्व विधायक वामनराव चटप के नेतृत्व में विदर्भ राज्य आंदोलन समिति (वीआरएएस) के कार्यकर्ता यशवंत स्टेडियम में एकत्र हुए और विधान भवन की ओर बढ़े। कार्यकताओं ने जीरो माइल चौराहे पर जाम लगा दिया। साथ ही चौराहे पर नारेबाजी करने लगे। इसके बाद पुलिस ने

350 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। प्रदर्शन को लेकर सीताबुलडी, जीरो माइल और विधान भवन के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई।वीआरएएस लंबे समय से आर्थिक और प्रशासनिक उपेक्षा का हवाला देते हुए विदर्भ को राज्य का दर्जा देने की वकालत कर रहा है। प्रदर्शन के दौरान बिजली दरों और किसान ऋण राहत पर तत्काल कार्रवाई करने की मांग की गई।

नोएडा में आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो को लेकर इन्वेस्ट यूपी ने शुरू की तैयारी

मोटो जीपी के इंटरनेशनल वेन्यू पर भी प्रमोट होगा ब्रांड यूपी

केटी न्यूज/लखनऊ

उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रयासरत योगी सरकार प्रदेश में निवेश आकर्षित करने के लिए अब नई पहल करने जा रही है। प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने के लिए प्रयासरत योगी सरकार अब मोटो जीपी के माध्यम से भी निवेश आकर्षित करने की योजना पर कार्य कर रही है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिनों पहले ही योगी सरकार और मोटो जीपी के मध्य वर्ष 2025, 2026 और 2027 में ग्रेटर नोएडा के गौतम बुद्ध सर्किट में ग्रैंड प्रिक्स वर्ल्ड चैंपियनशिप रेस के आयोजन को लेकर करार हुआ है। सीएम योगी के विजन

अनुसार वैश्विक स्तर पर ख्याति प्राप्त इस मोटरसाइकिल रेस को प्रदेश में निवेश का भी माध्यम बनाने और देश-प्रदेश में ब्रांड यूपी को प्रमोट करने के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। इस कार्य योजना पर काम करते हुए प्रदेश में निवेश आकर्षित करने के लिए बनी नोडल एजेंसी इन्वेस्ट यूपी विस्तृत रूपरेखा तैयार कर रही है। साथ ही, 25 से 29 सितंबर के बीच नोएडा में आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो लेकर भी इन्वेस्ट यूपी ने तैयारी शुरू कर दी है एआई सेंटर, डाटा सेंटर व नोएडा फिल्म सिटी समेत कई सेक्टर्स को शोकेस किया जाएगा।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के भव्य आयोजन की तैयारियां शुरू

ग्रेटर नोएडा में 25-29 सितंबर के बीच इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का दूसरा संस्करण आयोजित होने जा रहा है। यह ट्रेड शो वैश्विक स्तर पर व्यापक ध्यान आकर्षित कर रहा है और इसमें 50,000 से अधिक व्यापार प्रतिनिधियों, उद्योग प्रमुखों, नीति निमार्ताओं और अन्य संबंधित स्टेकहोल्डर्स के भाग लेने की उम्मीद है। पिछले वर्ष 21-25 सितंबर के दौरान आयोजित यूपीआईटीएस का पहला संस्करण वैश्विक व्यापार में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर था। सीएम योगी की उपस्थिति में इस कार्यक्रम में 60 देशों के 1,914 प्रदर्शक, 70,000 बी2बी आगंतुक, 1,00,000 से अधिक व्यापारिक प्रमुख और 500 विदेशी खरीदार शामिल हुए थे। ऐसे में, इस बार भी ट्रेड शो को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

आज होने वाली सिपाही भर्ती परीक्षा के तहत होटल में पुलिस ने की छापामारी

केटी न्यूज/वैशाली

वैशाली जिले में शांतिपूर्ण सिपाही संवर्ग परीक्षा को संपन्न कराने को लेकर प्रशिक्षित डीएसपी के नेतृत्व में कई थानों की पुलिस ने शहर के कई स्टेशन रोड स्थित आवासीय होटल में छापामारी की। वहीं, रविवार होने वाली बिहार पुलिस परीक्षा को लेकर हाजीपुर शहर के हाजीपुर रेलवे स्टेशन के पास नगर थाना महिला पुलिस ट्रेनिंग डीएसपी के नेतृत्व में कई आवासीय होटल में पुलिस ने एक साथ छापामारी की। इस दौरान पुलिस ने दस से अधिक महिला-पुरुष को आपत्तिजनक स्थिति में गिरफ्तार किया है। वहीं, पुलिस की इस छापामारी से आवासीय होटल संचालकों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक, वैशाली पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर रविवार होने वाली बिहार पुलिस परीक्षा को लेकर पुलिस ने हाजीपुर रेलवे स्टेशन के पास कई आवासीय होटल में छापामारी की। होटल लॉज में रूके सभी के पहचान पत्र को देखा जा रहा है। जिस पर संदेह हो रहा है कि पुलिस उसे अपने हिरासत में ले रही है। यह प्रयास किया जा रहा है कि मुन्ना भाई या प्रश्न पत्र लिक करने वाले सभी को गिरफ्तार कर लिया जाए। छापामारी के दौरान पुलिस आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े गए दस से अधिक महिला-पुरुष को हिरासत में लेकर नगर थाने ले गई है। पुलिस सभी आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक, सिपाही

भर्ती परीक्षा को लेकर 25 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इस सिपाही भर्ती परीक्षा को लेकर पुलिस मुख्यालय एकदम सतर्क है। इसी के तहत वैशाली एसपी के निर्देश पर होटल में छापामारी की गई है। पुलिस ने शांतिपूर्ण माहौल में परीक्षा संपन्न कराने को लेकर यह छापामारी की थी। लेकिन जब पुलिस होटल में पहुंची तो अचंभित रह गई। वहां कई महिला पुरुष आपत्तिजनक अवस्था में मिले। जहां से सभी संदिग्धों को हिरासत में ले लिया गया। इस छापामारी कार्रवाई में वैशाली जिले के महिला थाने की पुलिस, पुलिस लाइन के कई पुलिस पदाधिकारी और डीआईयू की टीम शामिल थी। इससे पहले पेपर लीक मामले को लेकर लगातार पुलिस सक्रिय है। तमाम सोशल मीडिया सहित तमाम होटलों पर पुलिस द्वारा नजर रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि परीक्षा शुरू होने से पहले सभी सेंटरों पर तथा जिस इलाके में होटल लॉज आदि है वहां जैमर लगा दिया जाएगा। ताकि कोई भी प्रश्न पत्र लिक करने में सफल नहीं हो सके। इसके साथ ही अन्य एहतीयात लिया जा रहा है। ताकि परीक्षा में बाधा नहीं आये।

बेगूसराय में एक ही परिवार के 4 का गला काटा, तीन की मौत

केटी न्यूज/ बेगूसराय

बेगूसराय में सोए अवस्था में अपराधियों ने एक ही परिवार के चार लोगों का धारदार हथियार से गर्दन काट दिया। इसमें पति-पत्नी और बेटी की मौत हो गई है जबकि पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया है। इतना ही नहीं अपराधियों ने चारों के शरीर पर एसिड भी डाल दिया। घायल अवस्था में उसे इलाज के लिए पीएससी में भर्ती कराया है जहां स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। घटना बछवारा थाना क्षेत्र के रसीदपुर स्थित चिरंजीवीपुर गांव की है। घटना के बाद इलाके में सनसनी मच गई। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। अपराधियों ने घर में घुसकर धारदार हथियार से पति-पत्नी और पुत्र और पुत्री को गर्दन काट दिया। जिसमें पति-पत्नी और पुत्री की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई है। वही पुत्र गंभीर रूप से घायल है। मरने वालों की पहचान संजीवन महतो, संजीता देवी और सपना कुमारी के रूप में हुई है। बेटे अंकुश कुमार की हालत गंभीर है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सरकार का फोकस : बिहार में अब जात-पात नहीं विकास की राजनीति चलेगी

बोले नित्यानंद राय... पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी की राजनीतिक यात्रा समाप्त हो गई

- तेजस्वी ने अपने उपमुख्यमंत्री के कार्यकाल में छह विभाग रखकर लूटने का काम किया है, इसलिए उनके यात्रा करने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा
- वक्फ बोर्ड की संपत्ति का मुस्लिमों के जरूरतमंद महिलाओं व बच्चों के विकास पर होगा खर्च

केटी न्यूज/पटना

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय पटना पहुंचे। इस दौरान उन्होंने राजद नेता तेजस्वी यादव की बिहार यात्रा पर करारा तंज कसा। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव की राजनीतिक यात्रा समाप्त हो गई है। अपने उपमुख्यमंत्री के कार्यकाल में 6 विभाग रखकर उन्होंने लूटने का काम किया है, इसलिए उनके यात्रा करने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। नित्यानंद राय ने कहा कि नरेंद्र मोदी के विकास की गंगा देश के साथ-साथ बिहार में बह रही है और एनडीए का नेतृत्व जो मुख्यमंत्री कर रहे हैं बिहार में

मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के विकास योजना से सभी लाभांवित हो रहे हैं। लोगों को अपने बच्चों का भविष्य सुरक्षित चाहिए, बिहार में अब जात-पात नहीं विकास की राजनीति चलेगी। उन्होंने आगे कहा कि वक्फ बोर्ड को लेकर सरकार की जो भी सोच है और उसमें संशोधन का जो प्रावधान लाने की बात है, विपक्ष को उसके तथ्यों पर जाना चाहिए कि किस प्रकार से वक्फ बोर्ड की संपत्तियों का उपयोग इस अल्पसंख्यक समाज के महिलाओं, बच्चों और गरीबों के लिए हो। इस सोच के साथ मामला जेपीसी में चला गया है उस पर चर्चा होगी, विचार होगा।

तुष्टिकरण की राजनीति करती है कांग्रेस

ओबीसी एंड एसटी-एससी आरक्षण में क्रीमी लेयर के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर नित्यानंद ने कहा कि मोदी सरकार ने स्पष्ट किया है कि बाबा साहब के संविधान में एससी एसटी के आरक्षण का जो प्रावधान है उसमें क्रीमी लेयर नहीं है। बांग्लादेश में गठित नई सरकार को लेकर नित्यानंद राय ने कहा कांग्रेस की अलग सोच है वह तुष्टिकरण की राजनीति करती है उनकी हर बात और हर सोच के तहत अपनी सत्ता की सोच ज्यादा होती है। प्रधानमंत्री और उनके नेतृत्व वाली केंद्र की सरकार बांग्लादेश की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और वहां हिंदू सुरक्षित रहे जो भी भारतीय वाहन रहें सुरक्षित रहे, इसको लेकर बड़े अधिकारी संपर्क में है और गृह मंत्री ने भी उच्च स्तरीय कमेटी बना दी है गृह मंत्री पूरी तरह नजर बनाए हुए हैं। बांग्लादेश में हिंदू सुरक्षित रहे इसको लेकर सरकार चिंतित भी है और उचित कदम उठा रही है और लगातार बांग्लादेश से संपर्क में है प्रधानमंत्री बेहद संवेदनशीलता के साथ इसको देख रहे हैं। बिहार की चार सीटों पर होने वाले उपचुनाव पर केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि एनडीए चारों सीटें जीतेगी। सीएम नीतीश कुमार और पीएम मोदी की विकास योजनाओं से लोगों को फायदा मिल रहा है। अब बिहार में जाति की राजनीति नहीं बल्कि विकास की राजनीति होगी। लोकसभा में बहस के बाद बिल को संयुक्त संसदीय कमेटी को भेज दिया गया है। इस पर नित्यानंद राय ने कहा कि विपक्ष को वक्फ बोर्ड से जुड़े तथ्यों पर गौर करना चाहिए। वक्फ बोर्ड की संपत्तियों का इस्तेमाल अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं, बच्चों और गरीबों के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए।

नीतीश सरकार ने किया 20 सूत्री समिति का गठन सम्राट को पटना एवं विजय को आरा की कमान

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार ने जिलास्तरीय 20 सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति का गठन कर दिया है। मंत्रिमंडल सचिवालय की ओर इसकी अधिसूचना भी जारी की गई है। इतना ही नहीं भाजपा के सभी जिला अध्यक्षों को इस समिति का उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं अन्य नेताओं को समिति का सदस्य बनाया गया है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को पटना और उपमुख्यमंत्री विजय सन्हा को भोजपुर जिले की समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं हर जिले के प्रभारी मंत्री को अध्यक्ष की कुर्सी सौंपी गई है। इस पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुहर लगा दी है। 25 सदस्यीय सूत्री कमेटी बनी है इधर, सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ने भी भाजपा के तर्ज पर काम किया है। हर जिले में प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में 25 सदस्यीय सूत्री कमेटी बनी है। इस तरह अगर देखें तो जदयू और भाजपा 800 से अधिक नेताओं और कार्यकताओं को लाभी पहुंचा है। इस समिति में जिले के सांसद, विधायक, महापौर आदि पदेन सदस्य होंगे। वहीं अशोक चंद्रवंशी, आसिफ कमाल, रमेश ठाकुर, देवेंद्र प्रसाद, देवंति देवी, लालती देवी, पवन कुमार, अनिल रविदास, रामईश्वर मांझी, मो. शहीद, धर्मेंद्र कुमार, सीताराम पांडेय, अरुण कुमार, मयंक जायसवाल, रूपेश सिंह, श्याम सुदंर रजक को सदस्य बनाया गया है।

उचित मूल्य 9800197310 उत्तम व्यवहार
गीता प्रेस
पुस्तक की दुकान
सभी प्रकार की धार्मिक पुस्तकों के एकमात्र विक्रेता
सहयोगी प्रतिष्ठान
डॉ. रामप्रवेश राय (मुन्ना राय)
: 6299941536
लक्ष्मी पैलेस मेन रोड, बक्सर (नहर के पास)

पूर्णिया में अतिक्रमण मुक्त कराने गये मजिस्ट्रेट को आक्रोशितों ने दौड़ाकर पीटा

केटी न्यूज/पूर्णिया

पूर्णिया के हाउसिंग कॉलोनी में अवैध अतिक्रमण को खाली कराने पहुंचे मजिस्ट्रेट को महिलाओं ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। मीडिया से बात करने के दौरान अतिक्रमणकारियों ने मजिस्ट्रेट पर हमला कर दिया। बाद में पुलिस बल ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर बितर किया। इस दौरान पुलिस और अतिक्रमणकारियों के बीच तीखी झड़प हुई है।

दरअसल, पूर्णिया के के हाट थाना क्षेत्र अंतर्गत रंगभूमि मैदान के समीप हाउसिंग कॉलोनी में वर्षों से अतिक्रमण कर रह रहे लोगों के घर सरकारी आदेश के बाद के जिला प्रशासन द्वारा मजिस्ट्रेट बहाल कर अतिक्रमण मुक्त कराई जा रही थी। जिसके लिए ज़िला प्रशासन द्वारा मजिस्ट्रेट के तौर पर बहाल हुए अनिल कुमार पर स्थानीय लोगों ने ऑन कैमरा हमला बोल दिया। देखते ही देखते मजिस्ट्रेट अनिल कुमार के सिर पर लाठियां बरसनी शुरू हो गई। महिलाओं ने लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर बरसाना शुरू कर दिया। मजिस्ट्रेट जैसे तैसे अपना जान बचाकर भागे। पुलिस बल को भी महिलाओं व लोगों खदेड़ दिया। ये

मामला चर्चित महादेव टी स्टॉल की है। जिसे अवैध बताते हुए खाली कराने के टीम आई थी। स्थानीय लोगों का गुस्सा उस वक्त फूट पड़ा जब अतिक्रमण मुक्त कराने आए मजिस्ट्रेट से बहस जमकर हुई। मजिस्ट्रेट ने घरवालों की एक न सुनी और जेसीबी से तोड़ने का आदेश दे दिया। जेसीबी के सामने महिलाएं खड़ी हो गई और खूब हंगामा किया। महिला पुलिस बल खींच कर हटाती रहीं। दोनों तरफ से तनातनी चलती रही।लोगों का आरोप है कि वो लोग 30 साल से यहां रह रहे हैं। एक्जीक्यूटिव साहब घूस मांग रहे थे और नहीं दिया तो बोले थे कि घर तोड़वा देंगे। 9 अगस्त की रात में मोबाइल पर नोटिस आया कि 10 अगस्त को घर खाली कर दें, तोड़ा जाएगा। आज जब मैजिस्ट्रेट की अगुवाई में टीम आई तो उनसे मोहलत मांगे कि सामान और घर शिफ्ट करना है लेकिन नहीं माने। इस दरमियान मजिस्ट्रेट के साथ महिलाओं की बहस चलती रही। मजिस्ट्रेट के साथ जब मीडिया कर्मी बयान लेकर इस मामले की जानकारी ले रहे थे, तभी एक महिला पीछे से आकर बांस से हमला कर दिया। इससे पहले की कुछ समझ आता सब मजिस्ट्रेट पर टूट पड़े। हाथ में लाठी, फट्टा, ईंट यहां तक की गोबर से हमला बोल दिया। किसी तरह मजिस्ट्रेट जान बचाकर निकले। इस दौरान पुलिस बल को भी स्थानीय लोगों ने खदेड़ दिया। बाद में किसी तरह से मामले को शांत कराया गया। हमले के बाद मजिस्ट्रेट अनिल कुमार ने कहा कि हम कागज से इनका जवाब देंगे।

खगड़िया में नदी के किनारे मिला कारोबारी का शव

खगड़िया। खगड़िया जिले के मोरकाही थानाक्षेत्र में सुगरकोल नदी घाट के पास शनिवार को एक युवक शव मिला। उसकी बाइक भी मौके से बरामद हुई है। मृतक की पहचान मोरकाही थानाक्षेत्र के मारर दक्षिणी निवासी मंटून पोद्दार के बेटे सोनू कुमार (32) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवक आठ अगस्त को अपनी बाइक से दोस्त को पहुंचाने घर से निकला था, जिसके बाद वह लापता हो गया।इधर, सुगरकोल घाट पर शव मिलने की सूचना पाकर परिजनों ने युवक की पहचान कर ली। वहीं, घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को खगड़िया सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेजा। फिर मृतक के शव को परिजनों को सौंप दिया गया।जानकारी के मुताबिक, सोनू कुमार कबाड़ खरीदने का काम करता था। मृतक की पत्नी नगीना देवी ने बताया कि बीते आठ अगस्त को उसका पति अपने किसी दोस्त को घर पहुंचाने की बात कहकर बाइक लेकर निकला था। उसके बाद वह लापता हो गया। पत्नी ने बताया कि उसके पति की दुश्मनी किसी से नहीं थी। वहीं पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

S2 Mall
SCPL
RERA REG NO. - BRERAP00017-4/200/R-111/2018

ESCALATOR FOOD COURT SHOPPING

FINE DINE RESTAURANT KIDS ZONE MULTIPLEX

SHANTI CREATION PVT. LTD.
For Booking Contact : 9431019808, 9693777038
Reg H.O. : G-1, Vidya Vatika Apartment, East Boring Canal Road, Gorakh Nath Lane, Patna - 800001
E-Mail : shanticreationpvtltd@gmail.com | Web : www.scplpatna.in

दिल्ली में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में काजल बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगी

मिस यूनिवर्स इंडिया प्रतियोगिता के लिए चयनित बिहार की बेटी काजल रानी से सीएम नीतीश ने की मुलाकात

केटी न्यूज/पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में मिस यूनिवर्स इंडिया प्रतियोगिता के लिये चयनित बिहार की बेटी काजल रानी ने शिष्टाचार मुलाकात की। पटना में आयोजित मिस यूनिवर्स बिहार प्रतियोगिता में काजल रानी मिस यूनिवर्स बिहार चुनी गयी। दिल्ली में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में काजल रानी बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगी। मुख्यमंत्री ने काजल रानी को अपनी

शुभकामनायें देते हुये उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि एक वह दौर था जब बिहार की बेटियां अपने घरों से बाहर निकलने से डरती थी। शाम पांच बजे के बाद कोई भी माता-पिता अपने बेटी को घर से बाहर जाने की इजाजत नहीं देता था। सभी को किसी ने किसी अनहोनी का डर व भय बना रहता था। लेकिन, आज समय बदल गया है। बिहार की बेटियां हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही है। शिक्षा क्षेत्र में देखा जाए। तो हर स्कूल में शिक्षिकाएं है। वह पढ़ने और पढ़ाने का काम रही है। पुलिस में अपनी सेवा रही है। अच्छे मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ने के लिए जा रही है। आने वाले समय में और भी बदलाव देखने को मिलेगा। इस अवसर पर मिस यूनिवर्स बिहार संस्था की निदेशक नीतू कुमारी एवं पारिवारिक सदस्य उपस्थित थे।

सभी के सहयोग से बक्सर को राज्य में सबसे पहले बनाया जा सकेगा फाइलेरिया मुक्त : डीएम

♦ डीएम ने फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन कर की एमडीए-2024 की शुरूआत

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत शनिवार को जिला समाहरणालय सभागार में सर्वजन दवा सेवन (एमडीए)-2024 कार्यक्रम का उद्घाटन सह एक दिवसीय मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन कर एमडीए राउंड का उद्घाटन किया। इस दौरान जिला पदाधिकारी ने मीडिया कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि फाइलेरिया एक भयावह बीमारी है, जिसके लक्षण कई साल के बाद दिखाई देता है। जिसका कोई इलाज नहीं है। इस बीमारी का बचाव ही एक उपाय है, फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन करें। यदि इस अभियान में मीडिया अपनी सकारात्मक पहल से समाज में जागरूकता फैलाए तो निश्चित तौर पर ही बक्सर से फाइलेरिया का उन्मूलन पूरी तरह से संभव है। क्योंकि समाज के लोग जब जागरूक होंगे, तब यह बिलकुल संभव है कि 2027 तक बक्सर जिले को पूरे राज्य में सबसे पहले फाइलेरिया मुक्त किया जा सकेगा। जिला पदाधिकारी ने दवाओं का सेवन कर कहा कि फाइलेरिया रोधी दवाएं अल्बेंडाजोल और डीईसी पूरी तरह से सुरक्षित है। उन्होंने जिले के सभी लोगों से इन दवाओं का सेवन करने की अपील।

जिले के 1155 गांवों व वार्डो में चलाया जाएगा एमडीए राउंड : कार्यशाला का संचालन करते हुए अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार ने पत्रकारों को बताया कि इस बार जिले के सभी प्रखंडों में एमडीए राउंड का संचालन किया जा रहा है। जिसके तहत जिले के 1998853 की जनसंख्या में 1966053 लोगों को उम्र के आधार पर लक्षित किया गया है। जिले के 1155 गांवों व वार्डों में फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन कराने के लिए 836 टीम का गठन किया गया है। जिसमें 1480 आशा, 119 आंगनबाड़ी सेविकाएं, 97 वोलेंटियर और 83 सुपरवाइजर प्रतिनियुक्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान दो से पांच वर्ष तक के बच्चों को डीईसी की एक गोली एवं अल्बेंडाजोल की एक गोली, 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों को डीईसी की दो गोली एवं अल्बेंडाजोल की एक गोली एवं 15 वर्ष से अधिक लोगों को डीईसी की तीन गोली एवं अल्बेंडाजोल की एक गोली दी जाएगी।

कार्यशाला में जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यालय के वीबीडीसीओ पंकज कुमार, एफएलए रजनीकांत राय, सदर प्रखंड के स्वास्थ्य प्रबंधक प्रिंस कुमार सिंह, जीविका के डीपीएम चंदन कुमार शर्मा, पिरामल स्वास्थ्य की सिनियर टीम कोर मेंबर मोनिका, पिरामल के प्रोग्राम डायरेक्टर राम शंकर सिंह, पिरामल के डिस्ट्रिक्ट लीड अविकल्प मिश्रा, प्रोग्राम लीड अश्विनी चौबे, पीसी राहुल कुमार, पीसीआई इंडिया के डीएमसी रामजन्म सिंह, सीएफएआर के एडीसी अमित सिंह समेत आशा कार्यकताएं व मीडिया कर्मी शामिल रहे।

खाली पेट कभी न करें फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन: डॉ. शैलेंद्र

डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि एमडीए राउंड 2024 में अभियान के दौरान दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर बीमारी से जूझ रहे लोगों को फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन नहीं कराया जाएगा। इनके अलावा सभी उम्र के लाभुकों को उम्र और लंबाई के हिसाब से दवाओं का सेवन कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन सभी लोगों के लिए लाभप्रद है। आम लोग खाली पेट दवा का सेवन नहीं करें। कभी-कभी खाली पेट दवा खाने से भी कुछ समस्याएं होती हैं। आम लोगों में फाइलेरिया की दवा सेवन के साइड इफेक्ट के बारे में कुछ भ्रांतियां हैं, जिसे दूर करने की सख्त जरूरत है। फाइलेरिया की दवा सेवन से जी मतलाना, हल्का सिर दर्द एवं हल्का बुखार हो सकता है जो शरीर में मौजूद फाइलेरिया के परजीवी के मरने के ही कारण होता है. इसलिए दवा सेवन से किसी भी प्रकार का साइड इफेक्ट मरीज के हित में ही है। हालांकि, इसके लिए जिले के सभी प्रखंडों में क्यूआरटी का गठन किया गया है।

खबरें फटाफट

पीडीएस दुकानदारों के साथ बीडीओ ने की बैठक

केसठ। प्रखंड कार्यालय सभागार में शनिवार को बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा ने प्रखंड के सभी पीडीएस दुकानदारों के साथ आयुष्मान कार्ड बनवाने को ले बैठक किया। इस दौरान पीडीएस दुकानदारों ने अपने अपने जन वितरण प्रणाली दुकानों पर आयुष्मान शिविर लगाने को ले बीडीओ से अपील किया। बीडीओ ने बन रहा है आयुष्मान कार्ड के समीक्षा की। बीडीओ ने बैठक में बताया कि आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य अभी तक काफी कम हुआ है। उन्होंने पीडीएस दुकानदारों से आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने को लेकर अपील की। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड बनाना आवश्यक है ताकि जरूरतमंद परिवार स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठा सकें। वहीं, पीडीएस दुकानदारों ने भी आशा कार्यकताओं और जीविका समूहों से सहयोग करने को अपील की, ताकि आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया को अधिक सुचारू बनाया जा सके। मौके पर चंद्रमणि दुबे, इंद्रमणि सिंह, श्रवण कुमार गुप्ता, बिंदेश्वरी सिंह, अजय कुमार समेत अन्य लोग मौजूद थे।

बक्सर में दो दिन तक प्रवास करेंगे प्रो. अखिलेश दूबे

बक्सर। दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रोफेसर व भाजपा नेता प्रो. अखिलेश दूबे रविवार को बक्सर पहंच रहे है। वे दो दिनों तक बक्सर में रह जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में घुमकर लोगों की समस्या सुनेंगे तथा उनका समाधान का प्रयास करेंगे। उन्होंने बताया कि उनका प्रयास बक्सर के युवाओं को सही मार्गदर्शन दे उनकी बेरोजगारी दूर करना तथा जिले में शिक्षा का अलख जगाना है। वे इसी प्रयास के तहत हर महीने दिल्ली से बक्सर आते है। बता दें कि प्रो. दूबे जिले के सिमरी अंचल के दुबौली गांव के रहने वाले है। हाल ही में वे भारत सरकार के हाई कमीशनर के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए साइप्रस विश्वविद्यालय भी गए थे।

गंगा में नाव के परिचालन पर रहेगी रोक, बच्चों को नदी किनारे जाने देने से करें परहेज

बाढ़ की विभीषिका से निपटने के लिए तैयार है जिला प्रशासन: जिलाधिकारी

♦ डीएम ने बाढ़ नियंत्रण विभाग के कार्यपालक अभियंता को घाटों के किनारे सैंड बैग रखने तथा तटबंध की निगरानी का दिया निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार के द्वारा बक्सर अनुमंडल के बाढ़ से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों तथा रामरेखा घाट, जहाज घाट का निरीक्षण किया एवं अर्जुनपुर पहुंच तटबंध का जायजा लिया। इस दौरान डीएम ने कहा कि बाढ़ का खतरा अभी कम नहीं हुआ है। हालांकि, गंगा का जल स्तर कम जरूर होने लगा है। डीएम ने मातहतों को बाढ़ की विभीषिका से निपटने तथा तटबंध की सुरक्षा मुश्तैदी से करने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को निर्देश दिया कि कटाव स्थल पर बाढ़ निरोधात्मक कार्य करेंगे तथा बांध का अपने स्तर से सतत निगरानी रखेंगे। इस दौरान उन्होंने बताया कि गंगा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी के मद्देनजर बक्सर के घाटों पर सतत निगरानी एवं चौकसी बरती जा रही है। जिलाधिकारी द्वारा बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल बक्सर कार्यपालक अभियंता को घाटों के किनारे सैंड बैग रखवाना का निर्देश दिया। ताकी कटाव होने पर उसे तत्काल रोका जा सके।

गंगा में नाव परिचालन पर डीएम ने लगाई रोक : निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गंगा नदी में बढ़ते जल स्तर को देखते हुए नाव परिचालन पर पूर्णतः रोक लगाने का निर्देश दिया एवं अनुमंडल पदाधिकारी को इसकी निगरानी करने का निर्देश दिया। इसके अलावे भी उन्होंने एसडीओ को सुरक्षा व बाढ़ से बचाव के लिए कई आवश्यक निर्देश दिए।

बाढ़ से निपटने के लिए तैयार है जिला प्रशासन : डीएम ने बताया कि जिला प्रशासन के द्वारा बाढ़ पूर्व तैयारियों के अंतर्गत सभी कार्रवाई यथा आश्रय स्थल, सम्पूर्ति पोर्टल का अद्यतीकरण, सामुदायिक किचेन, पेयजल, पशुओं के लिए चारा आदि एवं मानव एवं पशु के लिए सभी आवश्यक दवाओं की व्यवस्था की गई है।

जिलाधिकारी ने जिलावासियों से अनुरोध किया कि बाढ़ के प्रति सर्तक रहेंगे तथा अपने बच्चों को नदी के किनारे जाने देने से परहेज करेंगे। निरीक्षण के क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर, कार्यपालक अभियंता बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल बक्सर, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी बक्सर, अंचलाधिकारी बक्सर एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

राहत: घटने लगा गंगा का जल स्तर

बक्सर। शनिवार से गंगा का जल स्तर धीरे-धीरे कम होने लगा है। हालांकि अभी भी गंगा चेतावनी बिंदू से उपर बह रही है। केन्द्रीय जल आयोग के जेई प्रशांत कुमार चौरसिया द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार सुबह आठ बजे जल स्तर 59.47 मीटर पर था, इस समय तक मात्र दो सेमी पानी कम हुआ था। वही, शाम चार बजे जल स्तर घटकर 59.39 मीटर पर पहुंच गया था और जल स्तर प्रति घंटा एक सेमी की रफ्तार से कम हो रहा है। जल स्तर घटने से लोगों ने राहत की सांस ली है। बता दें कि दो दिन पहले तक गंगा का जल स्तर काफी तेजी से बढ़ा था। जिस कारण लोगों को बाढ़ की चिंता सताने लगी थी। लेकिन, पानी कम होने से लोगों ने चैन की सांस ली है। वही, जिला प्रशासन अभी भी एहतियात बरत रहा है। जिला प्रशासन द्वारा नौका परिचालन पर रोक लगाए जाने के साथ ही लोगों को गंगा में स्नान नहीं करने की नसीहत दी गई है।

दियारा इलाके का टूट गया है बलिया से संपर्क : इधर सिमरी प्रखंड के गंगौली से जनेश्वर मिश्र सेतु तक जाने वाले संपर्क पथ पर बाढ़ का पानी चढ़ जाने से इस पथ पर परिचालन ठप हो गया है। जिस कारण दियारा वासियों का बलिया से संपर्क टूट गया है। शनिवार को पानी कम होने के बावजूद इस पथ से आवाजाही शुरू नहीं हो सकी। जिस कारण दियारा इलाके के लोगों को बलिया जाने के लिए बक्सर की तरफ से जाना पड़ रहा है। जनेश्वर मिश्र सेतु का संपर्क भंग होने से हजारों की आबादी को परेशानी झेलनी पड़ रही है।

एक नजर

11 बजे के बाद परीक्षा केंद्र में किसी भी परीक्षार्थी को नहीं मिलेगी प्रवेश की अनुमति : डीएम

बक्सर। बिहार पुलिस में सिपाही पद पर चयन हेतु 11 अगस्त को आयोजित लिखित परीक्षा के सफल संचालन हेतु जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल एवं एसपी मनीष कुमार ने संयुक्त रूप से सभी दंडाधिकारियों व पुलिस पदाधिकारी की ब्रीफिंग समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में की। सिपाही पद हेतु लिखित परीक्षा आयोजन रविवार को एक पाली में दोपहर 12:00 बजे से दो बजे तक किया जाएगा। परीक्षार्थियों को सुबह 09:30 बजे से परीक्षा केंद्र में प्रवेश प्रारंभ होगा। पूर्वाह्न 11:00 बजे के बाद परीक्षा केंद्र का द्वार बंद कर दिया जाएगा एवं किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। दिनांक 07.08.2024 को आयोजित लिखित परीक्षा के उपरांत केंद्रीय चयन परिषद से प्राप्त अनुश्रवण एवं सुधारात्मक कार्यवाही के बारे में जिलाधिकारी ने सभी दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी को अवगत कराया। सभी केंद्राधीक्षक, स्टैटिक दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि परीक्षा केन्द्र के मुख्य द्वार पर समुचित तलाशी के उपरान्त ही परीक्षार्थियों को प्रवेश करने दें। जोनल दण्डाधिकारी-सह-समन्वय प्रेक्षक गश्ती दल दंडाधिकारी नियमित अंतराल परपरीक्षा केन्द्रों पर विजिट करते रहेंगे। सभी केंद्राधीक्षक एवं स्टैटिक दंडाधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि परीक्षा के दौरान सभी वीक्षक अपने कक्ष में भ्रमणशील है, जैमर को स्विच ऑफ नहीं रखा जाए एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था की जाए। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर एक सुप्रशिक्षित व्यक्ति यथा वायरलेस ऑपरेटर की प्रतिनियुक्ति की गई है। सभी केंद्राधीक्षक आपसी समन्वय स्थापित करेंगे ताकि संवाद प्रेषण में कोई समस्या न हो। एसपी ने दोनों अनुमंडल क्षेत्र के थानेदारों को निर्देशित किया कि परीक्षा की तिथि को परीक्षा केन्द्रों पर सतत निगरानी के साथ परीक्षा के पूर्व परीक्षार्थियों के ठहरने के स्थानों यथा होटल/लॉज आदि पर भी निगरानी रखा जाय तथा किसी भी संदेहास्पद स्थिति में पूर्ण छानबीन कर आवश्यक कार्रवाई की जाये।

13 अगस्त को तिरंगा यात्रा निकालेगी भाजपा

बक्सर। भारतीय जनता पार्टी के सभी मंडल अध्यक्षों व जिला स्तरीय पदाधिकारियों की एक बैठक शनिवार को पार्टी कार्यालय अहिरौली में संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह ने किया। बैठक की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैल्य चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। बैठक में पूर्व से प्रस्तावित 13 अगस्त को तिरंगा यात्रा, 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका दिवस, 15 अगस्त को झंडतोलन, एक पेड़ मां के नाम तथा सभी मंडलों में विस्तृत कार्य समिति करने के निमित्त कार्यक्रम के रूपरेखा पर चर्चा किया गया। सभी मंडल अध्यक्षों को 9 अगस्त, 10 अगस्त एवं 11 अगस्त के बीच विस्तृत कार्य समिति करने का सुझाव एवं आग्रह किया गया। तिरंगा यात्रा के लिए युवा मोर्चा, किसान मोर्चा तथा महिला मोर्चा के जिला अध्यक्षों को संयुक्त रूप से जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम में बक्सर जिला प्रभारी संतोष पटेल ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी उपस्थित कार्यकताओं को अलग-अलग जिम्मेदारी दी। बैठक में जिले के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहें।

कोरानसराय बाजार में पलक झपकते ही मोबाइल गायब कर देते है उचक्के

केटी न्यूज/डुमरांव

कोरान सराय बाजार इन दिनों नशेड़ियों व उचक्कों का अड्डा बन गया है। मादक पदार्थों तथा शराब के आदी हो चुके युवा अपने नशे की लत को पूरा करने के लिए आए दिन इस बाजार में छोटी मोटी चोरियां करते है। सबसे अधिक मोबाइल फोन की चोरी हो रही है। कोरानसराय बाजार में सक्रिय उचक्कों के शिकार शुक्रवार की शाम एक हिन्दी दैनिक के पत्रकार भी बन गए।

पीड़ित पत्रकार ने बताया कि शाम में संवाद संकलन के बाद वे अपने गांव जा रहे थे। इसी दौरान कोरान सराय बाजार में सब्जी खरीदने गए। अभी वे सब्जी खरीद ही रहे थे कि उचक्कों ने पलक झपकते ही उनके पॉकेट से मोबाइल गायब कर दिया। पत्रकार ने बताया कि उन्हें इसकी जरा सी भी भनक तक नहीं लगी। बाद में जब वे सब्जी खरीद आगे बढ़े तो अहसास हुआ कि मोबाइल चोरी हो गई है। स्थानीय निवासियों की मानें तो इस बाजार में आए दिन ऐसी घटनाएं होती है। जानकार बताते है कि कोरानसराय इलाके में मादक पदार्थों के सेवन करने वाले युवाओं की संख्या काफी बढ़ गई है। जो अपनी नशे की लत की पूर्ति के लिए मोबाइल, साइकिल तथा रात के अंधेरे में गुमटीनुमा दुकानों में चोरी करते है।

जानकार के अनुसार स्थानीय बाजार में कुछ ऐसे दुकानदार भी है जो बहुत कम पैसे में चोरी की मोबाइल का लॉक भी तोड़ देते है। दूसरी ओर पीड़ित पत्रकार ने इस संबंध में कोरानसराय थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। कोरानसराय थानाध्यक्ष संजय कुमार ने इसे काफी गंभीरता से लिया है। उन्होंने बताया कि शीघ्र चोरी गई मोबाइल रिकवर कराई जाएगी।

साजिश के तहत आजाद पर हमले में घसीटा जा रहा मेरे परिवार का नाम: रामजी तिवारी

♦ बेलहरी पंचायत के पूर्व मुखिया ने मांगी सुरक्षा, बोले मुझे कानून पर भरोसा

केटी न्यूज/बक्सर

तीन दिन पूर्व कुख्यात नक्सली सरगना आजाद पासवान पर आथर गांव से पश्चिम नहर मार्ग पर जानेलवा हमला के बाद आरोपित किए गए बेलहरी पंचायत के पूर्व मुखिया रामजी तिवारी के परिजनों के बाद अब पूर्व मुखिया ने मीडिया के माध्यम से अपने तथा परिवार के जान माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। उन्होंने केशव टाइम्स से बातचीत के दौरान कहा कि 12 जून 2006 को जिला परिषद चुनाव जीत वापस गांव आने के दौरान उनके भाई लक्ष्मण तिवारी नृशंस हत्या हुई थी। इस घटना में मैं बाल बाल बचा था। घटना के 18 साल बीत गए, इस दौरान कई बार आजाद पासवान से सामना हुआ। लेकिन हमलोगों के मन में किसी तरह की प्रतिशोध की भावना नहीं थीं।

पूर्व मुखिया ने कहा कि उन्हें कानून पर भरोसा है तथा आजाद पर जानलेवा हमले की जांच में यह साफ हो जाएगा कि इस हमले में हमारे परिवार का हाथ नहीं है। उन्होंने कहा कि घटना के बाद से ही आजाद के समर्थक कई तरह की बातें कर रहे है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को ही उसके गांव पहुंचे एक विशेष दल के लोगों ने इस घटना का बदला लेने की बात कही है। जिसके बाद भय और बढ़ गया है। पूर्व मुखिया ने मीडिया के माध्यम से इस घटना की निष्पक्ष जांच कराने तथा उनके परिवार को सुरक्षा देने की मांग बक्सर डीएम और एसपी से की है। गौरतलब हो कि सात अगस्त को घर से डुमरांव आने के दौरान कुख्यात नक्सली रहे आजाद पासवान को आथर गांव के पास अपराधियों ने गोली मार लहूलुहान कर दिया था। इस मामले में उसकी पत्नी कलावती देवी ने पूर्व मुखिया रामजी तिवारी के दो भतीजों समेत कुल छह लोगों पर नामजद एफआईआर दर्ज कराई है।

डिजिटल क्रॉप सर्वे से कृषक एवं उनकी जमीन की जानकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एक साथ होगी उपलब्ध

जिले के सभी खेती योग्य प्लॉट पर होगा सर्वे: डीएओ

केटी न्यूज/बक्सर

संयुक्त कृषि भवन, बक्सर के सभागार में शनिवार को डिजिटल क्रॉप सर्वे को लेकर कृषि विभाग के सभी क्षेत्र कर्मी की बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला कृषि पदाधिकारी अविनाश शंकर ने बताया कि डिजिटल क्रॉप सर्वे के माध्यम से कृषक एवं कृषक के जमीन की सभी जानकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एक साथ उपलब्ध होगी। आगे उन्होने बताया कि राज्य सरकार द्वारा डिजिटल क्रॉप सर्वे ऐप के माध्यम से बक्सर जिले में फसल आधारित सर्वे कराया जा रहा है, जिससे विभाग के पास विभिन्न प्रकार के फसल एवं फसल से होने वाले उत्पादन का सटीक ऑकड़ा एकत्रित होगा।

क्या है डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्यक्रम : जिला कृषि पदाधिकारी अविनाश शंकर ने बताया कि खरीफ वर्ष 2024 में बक्सर जिले में डिजिटल क्रॉप सर्वे कराया जाना है। सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के कार्यान्वयन के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई है। इस समय-सीमा अंतर्गत 16 अगस्त से जिले के सभी खेती योग्य भूमि पर डिजिटल क्रॉप सर्वे प्रारंभ किया जाना है। इस सर्वे में किसान सलाहकार सभी किसान के प्लॉट पर जाकर खेती का रकबा, खेत में लगाये गये फसल की वेरायटी, सिंचाई का साधन इत्यादि को ऐप में संधारित करेंगे।

सर्वे से होगी किसानों को सुविधा : सहायक निदेशक, कृषि अभियंत्रण आशीष कुमार ने बताया कि भविष्य की आवश्यकता और आपात स्थिति की पूर्व तैयारी के लिए यह ऑकड़ मील का पत्थर साबित होगा। जिले में एप्प के माध्यम से वास्तविक रुप से उगाई जा रही फसल का विवरण और खेत का क्षेत्रफल का डाटा तैयार किया जायेगा। इस सर्वे से फसल के आच्छादन और उत्पादन का सटीक आंकड़ा भी मिल पायेगा। यह एक ऐसा डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिस पर किसानों का सभी का प्रकार का डेटाबेस मौजूद होगा। डेटाबेस में काश्तकार का नाम, खेत का रकबा, चौहद्दी और उगाई जा रही फसल का विस्तृत विवरण होगा।

सर्वे से लाभ : सफलतापूर्वक सर्वे हो जाने के बाद जरुरतमंद किसानों को सरकारी योजनाओं का समुचित लाभ आसानी से मिल सकेगा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड की स्वीकृति, उत्पादों की खरीफ-बिक्री, फसल क्षति का मुआवजा समय से मिल सकेगा। सर्वे होने के बाद किसानों को किसी भी योजना का लाभ पाने के लिए अधिक भाग दौड़ नहीं करनी पड़ेगी। विभाग के पास किसान तथा उसकी जमीन से संबंधित सभी जानकारियां पहले से मौजूद होगी।

चौक चौराहों से हटाएं अतिक्रमण, दोषियों पर दर्ज कराएं प्राथमिकी: डीएम

♦ डीएम एसपी ने संयुक्त रूप से की समीक्षा बैठक, दिए निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से जिला सड़क सुरक्षा समिति, भूमि विवाद, विधि व्यवस्था, मद्य निषेध, खनन, लोक शिकायत एवं लोक सेवा केंद्र की समीक्षा बैठक समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में की गई। बैठक के दौरान डीएम एसपी ने भू समाधान पोर्टल पर भूमि विवाद से संबंधित आवेदन की प्रविष्टि एवं निष्पादन की स्थिति का थानावार विस्तार से समीक्षा किया। सभी अंचलाधिकारी एवं थानाध्यक्ष को निर्देश दिया गया कि आपसी समन्वय स्थापित करते हुए प्रत्येक शनिवार को भूमि अतिक्रमण से संबंधित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन करना सुनिश्चित करेंगे।

जिले के प्रमुख चौक चौराहों से अतिक्रमण हटाने का निर्देश: बैठक में डीएम ने जिला परिवहन पदाधिकारी संजय कुमार को निर्देश दिया कि अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर एवं डुमरांव से समन्वय स्थापित करते हुए प्रमुख चौक चौराहों से अतिक्रमण हटाना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही अंचल अधिकारी एवं थानाध्यक्ष को निर्देश दिया गया कि हटाए गए अतिक्रमण वाले स्थान पर पुनः अतिक्रमण करने वाले पर प्राथमिक दर्ज कर उनपर उचित कानूनी कार्रवाई करेंगे।

उत्पाद अधीक्षक तथा बक्सर व डुमरांव के खान निरीक्षक से शो कॉज : मद्य निषेध की समीक्षा के दौरान अवैध शराब की जप्ती में अपेक्षित प्रगति नहीं होने मद्य निषेध एवं उत्पाद विभाग के अधीक्षक से स्पष्टीकरण पूछा गया। जबकि प्रकार खनन विभाग के द्वारा ओवरलोडिंग वाहनों की जप्ती में अपेक्षित प्रगति प्राप्त नहीं होने के कारण खान निरीक्षक बक्सर एवं डुमरांव से स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया गया। साथ ही अवैध शराब के परिवहन एवं ओवरलोडिंग पर सतत निगरानी रखने के लिए वीर कुंवर सिंह सेतु पुल चेक पोस्ट एवं टोल प्लाजा पर दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया गया। जबकि वीर कुंवर सिंह सेतु पुल पर अब तक चेक पोस्ट का निर्माण नहीं होने पर कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल बक्सर से स्पष्टीकरण देने को कहा गया।

निर्धारित समय के अंद हो आवेदनों का निष्पादन : लोक सेवा केंद्र की समीक्षा के दौरान संबंधित पदाधिकारी को ससमय आवेदन निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। साथ ही सभी अंचल अधिकारियों को ऑफलाइन के माध्यम से भी आवेदन लेने का निर्देश दिया गया। अपर समाहर्ता, बक्सर को निर्देशित किया गया की साप्ताहिक एवं पाक्षिक रूप से नीलाम पत्र के सभी लिपिक के कार्यों की समीक्षा करना सुनिश्चित करेंगे।

आईटीआई की टूटी चाहरदीवारी पर डीएम नाराज

जेल पईन रोड निर्माण के दौरान आईटीआई की चहारदीवारी टूट गया था। बार-बार निर्देश देने के बावजूद भी अभी तक मरम्मती कार्य नहीं कराया गया है। जिस पर डीएम ने नाराजगी जताई और कहा कि इस लापरवाही से आईटीआई की संपत्ति चोरी होने की संभावना बनी रहती है। इस संबंध में पूर्व में भी कई बार निर्देश देने के बावजूद अभी तक चारदीवारी का निर्माण नहीं कराया गया है। इस संबंध में कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल बक्सर से स्पष्टीकरण करने का निर्देश डीएम ने दिया।

खबरें फटाफट

मारपीट मामले में युवक गिरफ्तार

रामगढ़। शुक्रवार की देरशाम को रामगढ़ पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक युवक चंदौली जिला का रहने वाला मोहाजी गांव का बलिस्टर बिंद बताया जा रहा है। मामले के संबंध में बताया गया कि 19 जुलाई को ईसरी गांव के पानी के ट्यूबवेल को लेकर हुए मारपीट में रामगढ़ थाने में पीड़ित के द्वारा छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया गया था। जिनमें से एक बलिस्टर बिंद का नाम भी शामिलथा। छापेमारी के दौरान उसे मोहाजी गांव से गिरफ्तार किया गया और पूछताछ के लिए रामगढ़ पुलिस थाने लाया गया। जिसके बाद आरोपी को रामगढ़ पुलिस द्वारा न्यायिक हिरासत में लेकर भभुआ भेज दिया गया।

शराबी गिरफ्तार

नसरीगंज। कछवां थाना क्षेत्र में एक शराबी मिंटू साव ग्राम कछवां को स्थानीय ग्रामीणों की शिकायत पर शराब सेवन के आरोप में गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने बताया कि कुछ लोगों ने दूरभाष पर सूचना दिया कि एक शराबी नशे की हालत में बाजार पर हो-हल्ला कर रहा है। इसकी सूचना पाते ही थाना के पुलिस पदाधिकारी अपने दलबल के साथ पहुंच उक्त स्थल से शराबी को गिरफ्तार कर लिया। तत्पश्चात मामला दर्ज कर जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया।

एमडीए अभियान शुरू

काराकाट। सीएससी गोड़ारी में एमडीए अभियान का उद्घाटन चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राजीव कुमार व यूनिसेफ बीएमसी प्रमित कुमार सिंह के द्वारा सामूहिक रूप से फीता काटकर किया गया। यह प्रोग्राम 10 अगस्त से 24 अगस्त तक चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आशा द्वारा घर-घर जाकर फाइलेरिया की दवा दो वर्ष से अधिक उम्र वाले को फाइलेरिया की दवा खिलाई जाएगी। मौके पर बीएचएम कौशलेंद्र शर्मा, बीसीएम पूनम मेहता व अन्य मौजूद रहे।

जानलेवा हुआ सफर: विष्णु मंदिर से लेकर मां डुमरेजिनी मंदिर मोड़ तक सड़क पर बने गड्ढे

स्टेशन रोड गड्ढों में तब्दील, प्रशासन बेफिक्र

♦ ईदगाह से राज हाई स्कूल के फिल्ड तक सबसे खराब है स्थिति
♦ बारिश के बाद सड़क पर पैदल चलना हो जाता है मुश्किल, राहगीर परेशान

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर से गुजर रही एनएच-120 की सड़क पूरी तरह से गड्ढों में तब्दिल हो चुकी है। इस रोड वाहन क्या पैदल चलना मुश्किल हो गया। उभर आए गड्ढों में पानी भर जाने से रोड दिखाई ही नहीं पड़ रहा है। ऐसे में प्रतिदिन वाहन आकर उसमें फंस जा रहे हैं। कईबार पलट गए हैं, जिससे यात्री घायल होकर अस्पताल में भर्ती करना पड़ गया है। सबसे परेशानी स्कूल जाने वाले बच्चों को हो रही है। छात्राएं साइकिल से स्कूल तो जाती हैं, लेकिन यहां आकर उन्हें साइकिल को लेकर पानी से गुजरना पड़ जाता है। इतना ही नहीं कईबार साइकिल के साथ बड्ढे में गिर गई हैं। ऐसे में उनको जूता-मोजा खोल कर आना-जाना पड़ता है। इस रोड से यात्री बसों के गुजरने के समय भय बना रहता है कि कहीं गड्ढे में पलट नहीं जाए। डुमरांव रेलवे स्टेशन से लेकर मां डुमरेजिन मोड़ तक सड़क जर्जर बनी हुई है।

इसी रोड से प्रशासन से लेकर जनप्रतिनिधियों के वाहन तक गुजरते हैं, लेकिन इस रोड को बनाने की पहल किसी के द्वारा नहीं की जा रही है। रोड के जर्जरता और इस तरफ किसी का ध्यान नहीं जाने को लेकर लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। नगरवासी इसको लेकर सड़कों पर उतरने का मूड बना रहे हैं। इस संबंध में समाजसेवी श्रद्धानंद तिवारी, मनोज कुमार, शनी कुमार, राहुल कुमार, तुलसी तिवारी, छोटे तिवारी सहित अन्य का कहना है कि इस रोड से झारखंड, बंगाल से लेकर राज्य के कई जिले के वाहनों का आना-जाना रहता है, बावजूद इस पर प्रशासन और नहीं जन प्रतिनिधियों ध्यान आकृष्ट हो रहा है। इसको लेकर धरना-प्रदर्शन करने लिए नगरवासियों को बाध्य होना पड़ेगा। इस संबंध में चेयरमैन सुनीता गुप्ता ने बताया की यह रोड एनएच का है, जिस पर नप काम नहीं लगा सकता है। अब लोग यह सवाल उठते हैं कि बना नहीं सकता गड्ढे को भरवा तो सकता है।

कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा : स्टेशन रोड में जिस तरह से गड्ढें उभर आए है तथा उनमें बरसात का पानी भर गया है। उससे किसी दिन बड़ी दुर्घटना हो सकती है। शनिवार को तो राज हाई स्कूल के फिल्ड के पास वाले गड्ढें में एक यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त होते होते बची। घटना के वक्त आस पास में मौजूद लोगों ने बताया कि चालक ने सूझ बुझ से बस को पलटी खाने से बचा लिया। उक्त बस में दर्जनों यात्री सवार थे।

"स्टेशन रोड में उभर आए गड्ढों के मरम्मत के लिए एनएचएआई को निर्देश दिया गया है। जल्दी ही गड्ढों में ईंट का टुकड़ा तथा अन्य जरूरी सामान डाल भरवाया जाएगा। 15 अगस्त के पहले मुख्य पथ पर ईंट के टुकड़े आदि डाल समतल करने का निर्देश दिया गया है।

– राकेश कुमार, एसडीओ, डुमरांव

दो स्थानों पर गायब हो गई है सड़क

स्टेशन रोड में सबसे खराब स्थिति ईदगाह से लेकर राज हाई स्कूल के फिल्ड के पास तक है। करीब 100 मीटर के दायरे में दो जगहों पर सड़क ही गायब हो गई है। चारों तरफ जलजमाव से वाहन चालकों का इस बात का पता ही नहीं चल रहा है कि कहा गड्ढा अधिक है। जिस कारण वे दुर्घटना के शिकार हो रहे है। शनिवार को पूरे दिन दोनों जगहों पर वाहन चालकों के फिसलकर गिरने तथा दुर्घटनाग्रस्त होने का सिलसिला जारी रहा। स्थानीय निवासी संजय शर्मा ने बताया कि पूरे दिन में करीब आधा दर्जन ई रिक्शा भी गड्ढें में अनियंत्रित हो पलटी खाए हैं संयोग है कि किसी को गंभीर चोटें नहीं आई। डुमरांव के सामाजिक कार्यकर्ता दीपक यादव, शक्ति राय, अजय राय आदि ने अनुमंडल प्रशासन से इस पथ के तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है।

एक नजर

आज होगी मां काली मंदिर की वार्षिक पूजा

डुमरांव। नगर देवी मां काली की वार्षिक पूजा हर साल सावन शुक्ल पक्ष की सप्तमी को होती है। इस दिन का इंतजार नगरवासी से लेकर जिले सहित अन्य जिले और प्रदेश के विभिन्न रहने वाले लोग करते हैं। इस अवसर पर भव्य मेले का आयोजन होता है। मां के भक्त उनकी पूजा-अर्चना कर मेले का जमकर लूफ्त उठाते हैं। इधर नप के द्वारा मां काली मंदिर तक पहुंचने के लिए पीसीसी रोड बन जाने से मां के दर्शन करने जाने और मेले घुमने वालों को कोई परेशानी नहीं होगी। मालूम हो कि नगर देवी मां काली का मंदिर शहर के पूर्व दिश में बहती काव नदी के किनारे अवस्थित है। पहले एक चबूतरा हुआ करता था, लेकिन अब भव्य मंदिर बन गया है। साथ ही श्रद्धालुओं के लिए बैठने का चबूतरा बन गया है। पूरा परिसर विभिन्न प्रकार के फूल और पेड़ों से छाया हुआ है। जहां श्रद्धालु बैठ आराम करते हैं। मेले में विभिन्न खेलों का कैम्प पंद्रह दिन पहले से ही लगना शुरू हो जाता है। मां का दर्शन कर मेले में घुमने वाले इसका भी जमकर आनंद उठाते हैं। इस बार भानु सप्तमी के कारण श्रद्धालुओं का उत्साह और बढ़ गया है।

भोरेयां में अपशिष्ट प्रबंधन इकाई का हुआ उद्घाटन

रामपुर। प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत खरेंदा के भोरेयां में अपशिष्ट प्रबंधन इकाई का उद्घाटन किया गया। समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि बीडीओ दृष्टि पाठक एवं जिला समन्वयक नरेंद्र कुमार नेफीता काटकर किया गया। बीडीओ दृष्टि पाठक ने कहा कि प्रखंड क्षेत्र के प्रत्येक पंचायत में अपशिष्ट प्रबंधन इकाई का निर्माण किया गया है। साथ ही हर पंचायत में एक पंचायत सुपर वाइजर और प्रत्येक वार्ड में दो-दो सफाई कर्मी की नियुक्ति की गई है। जो प्रत्येक दिन हर घर से कचरा का उठाव कर अवशिष्ट प्रबंधन इकाई पर लाकर जमा करेंगे। जहां कचरे को प्रोसेसिंग करके जैविक खाद तैयार कर पंचायत में हीं सब्जी की खेती में वृक्षारोपण आदि में प्रयोग में लाया जाएगा। वहीं जिला समन्वयक नरेंद्र कुमार ने कहा कि स्वच्छता सबकी जिम्मेवारी है। 100 में 80 बीमारियां गंदगी से हीं होती है। स्वच्छता दिल का मामला है। सबसे पहले दिल को स्वच्छ करें, दिमाग से सोचें उसके बाद स्वच्छता एवं साफ सफाई पर ध्यान देते हुए स्वच्छ गांव सुंदर गांव एवं विकसित गांव बनाने में आप तमाम ग्रामीणों का सहयोग की आवश्यकता है। मुखिया दीपक कुमार ने कहा कि गांव को गंदा करते हैं आप तो फिर कौन करेगा साफ? मौके पर उप मुखिया सोनू सिंह, मुखिया प्रतिनिधि सबार विनय शंकर दुबे, पंचायत सचिव मो साजिद आलम, पंचायत रोजगार सेवक रमेश कुमार,स्वच्छता सुपरवाइजर विनोद कुमार सिंह, सहित वार्ड सदस्य, वार्ड पंच, सफाई कर्मी व ग्रामीण जनता उपस्थित रहे।

औचक निरीक्षण में डॉक्टर नदारद डीएम ने कार्रवाई का दिया निर्देश

केटी न्यूज/काराकाट

काराकाट प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कई स्वास्थ केंद्रों का निरीक्षण किया । जहां कई कर्मी व डॉक्टर अनुपस्थित पाए गए । बीडीओ राहुल कुमार सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी नवीन कुमार के निर्देश पर काराकाट के प्रखंड गोड़ारी के भ्रमणशील चिकित्सा पदाधिकारी कार्यालय और काराकाट गोडारी सीएचसी का निरीक्षण किया । जिसमे दोनो केंद्रों की उपस्थिति पंजी की जांच की।

उन्होंने बताया कि जांच के दौरान भ्रमणशील चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राकेश कुमार अपने कार्यालय में अनुपस्थित पाए गए। जिसके बाद बीडीओ द्वारा दूरभाष पर उनसे बात कर पूछे जाने पर डॉ. राकेश ने बताया कि वे जयश्री पंचायत के शहरी गांव से सटे पदुमनपुर टोला में भैंस के पोस्टमार्टम के लिए गए हुए थे। उन्होंने बताया की भ्रमणशील चिकित्सा पदाधिकारी की कार्यालय निरीक्षण के दौरान केवल डाटा एंट्री ऑपरेटर विजय कुमार वर्मा उपस्थित थे। जिसकी जानकारी जिलाधिकारी को बीडीओ द्वारा दे दिया गया । जिलाधिकारी ने डॉ. राकेश की उपस्थिति की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। वही काराकाट गोडारी सीएचसी निरीक्षण करने पर यहां भी कई कर्मी नदारद मिले । बीडीओ ने बताया की सीएचसी में जांच के दौरान डॉ. सरिता अनुपस्थित पाई गई । जिसके बाद बीडीओ ने प्रभारी चिकिस्ता पदाधिकारी डॉ. राजीव से डॉ. सरिता की अनुपस्थित की कारण की जानकारी ली तो पता चला कि डॉ. सरिता सीएल पर है।

बेराजगार युवक व युवतियों को आत्मा द्वारा दिया जाएगा रोजगोरान्मुखी प्रशिक्षण

जिले के 30 युवाओं को दिया जाएगा 60 घंटों का प्रशिक्षण, खेतीबाड़ी में होंगे दक्ष

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के किसान अथवा ग्रामीण युवक एवं युवतियां जो कृषि एवं कृषि से सम्बद्ध क्षेत्रों में आवश्यक कौशल ज्ञान रखते हैं फिर भी मूल्यांकन एवं प्रमाणन के अभाव में उन्हें अकुशल माना जाता है। वैसे युवक व युवतियों के लिए अच्छी खबर है। आत्मा, बक्सर द्वारा वैसे युवाओं के लिए सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है। आत्मा के परियोजना निदेशक सह जिला कृषि पदाधिकारी अविनाश शंकर ने बताया कि बेराजगार युवक व युवतियों एवं कृषकों के लिए आर.पी.एल. का प्रशिक्षण देकर उन्हें कुशलता का प्रमाण-पत्र प्रदान किया जायेगा, ताकि सम्बंधित व्यक्ति अपने क्षेत्र में कुशलतापूर्वक कार्य कर सके।

क्या है आरपीएल प्रशिक्षण : आरपीएल का पूरा नाम रिकोगनेशन ऑफ प्रियर लर्निंग है, जिसको हिन्दी में पहले की सीख की मान्यता कहा जाता है। इस प्रशिक्षण की अवधि 60 घंटे निर्धारित की गई है। इस अवधि में एक सप्ताह का प्रशिक्षण आयोजित कर कृषक एवं बेरोजगार युवक व युवतियों को कुशलता का प्रमाण-पत्र दिया जाता है। आत्मा द्वारा कौशल विकास योजना अंतर्गत आर.पी.एल. प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें एक बैच में अधिकतम 30 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण देने की योजना है।

प्रशिक्षण के लिए निर्धारित योग्यता : इस प्रशिक्षण के लिए आवेदक की उम्र न्यूनतम 18 वर्ष होना चाहिए। आवेदक की शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम मैट्रिक पास हो तथा उसके पास आधार कार्ड व पैन कार्ड हो।

आत्मा के उप परियोजना निदेशक बेबी कुमारी ने बताया कि इच्छुक आवेदक आत्मा कार्यालय, बक्सर अथवा सम्बंधित प्रखंड के प्रखंड तकनीकी प्रबंधक अथवा सहायक तकनीकी प्रबंधक के कार्यालय में आवेदन जमा कर सकते है। पहले आओ पहले पाओ के तर्ज पर 30 प्रशिक्षणार्थियों की संख्या पूर्ण होने पर आर.पी.एल. प्रशिक्षण प्रारम्भ किया जायेगा, जो एक सप्ताह तक ई किसान भवन, बक्सर में संचालित होगा। प्रशिक्षण में सफल प्रशिक्षणार्थियों को कुशलता का प्रमाण-पत्र दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि यह प्रमाण पत्र उनके जीवन में बहुत काम आएगा। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा इसका व्यापक प्रचार प्रसार करवाया जा रहा है। ताकी अधिक से अधिक बेरोजगार युवक तथा ग्रामीण किसान इस योजना का फायदा उठा प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें।

खबरें फटाफट

भूमि विवाद को लेकर हुई झड़प चली गोली

जहानाबाद। टेहटा थाना क्षेत्र के हृदा बिगहा गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। वही मारपीट के साथ एक पक्ष के द्वारा गोलीबारी भी करने की बात सामने आ रही है। वही मौके पर पहुंची पुलिस ने एक देसी कट्टा एवं एक खोखा बरामद किया है। इस बाबत प्रक्षिक्षु डीएसपी निशांत कुमार ने बताया की हृदा बिगहा गांव में जमीनी विवाद में गोलीबारी की घटना हुई है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एक देसी कट्टा एवं एक खोखा बरामद किया है। उन्होंने बताया इस मामले में रविंद्र यादव थाने में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराए है। उन्होंने बताया कि घटना के बाद अभियुक्तियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार पुलिस छापेमारी कर रही है। जल्द अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बताते चले कि हृदा बिगहा गांव में रविंद्र यादव एवं राम लखन यादव के बीच जमीनी विवाद चल रहा है। जिसमें राम लखन यादव ने गोलीबारी कर घटना का अंजाम दिया है।

मारपीट में 4 घायल सभी इलाजरत

छपरा। मशरक के बंसोही गांव में शराब पीकर गाली गलौज करने का विरोध करने पर मारपीट में 4 घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मशरक में भर्ती कराया गया, जहां से दो घायल की स्थिति नाजुक देख बेहतर इलाज हेतु छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घायलों में मशरक के बनसोही गांव के देवेन्द्र सिंह व उनकी पत्नी धर्मशीला देवी, पुत्री निकिता कुमारी, सुचिता कुमारी शामिल हैं। घायल देवेन्द्र सिंह की पत्नी ने कहा कि उनके गांव का ही एक शख्स शराब पीकर गाली गलौज कर रहा था उसी का विरोध करने पर पति देवेन्द्र सिंह से मारपीट की जा रही थी कि बचाने के दौरान वे और उनकी दो बेटी भी घायल हो गयी। पुलिस को आवेदन दिया गया है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिलाधिकारी ने फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन कर किया एमडीए-2024 का शुभारंभ

भोजपुर को फाइलेरिया मुक्त बनाने के लिए सभी करें दवाओं का सेवन : डीएम

- एसबी कॉलेज में कार्यक्रम का हुआ आयोजन, शामिल हुई बीएमजीएफ की टीम

केटी न्यूज/आरा

फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले में सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम का आगाज हो गया है। जिला मुख्यालय स्थित सहजानंद ब्रह्मर्षि (एसबी) कॉलेज, आरा में जिला पदाधिकारी राज कुमार ने फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस क्रम में एसबी कॉलेज में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें स्थानीय प्रशासनिक और स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) की टीम ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला पदाधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी के साथ बीएमजीएफ के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान जिला पदाधिकारी ने फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन कर छात्र-छात्राओं व एनसीसी के कैडेट्स को संबोधित करते हुए बताया कि फाइलेरिया एक लाइलाज बीमारी है, जिससे बचने का एकमात्र उपाय फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन ही है। ये दवाएं पूरी तरह से सुरक्षित हैं। जिसका कोई भी साइड इफेक्ट नहीं हैं। इसलिए हम सभी को यदि भोजपुर को फाइलेरिया मुक्त बनाना है तो इन दवाओं का सेवन करना अनिवार्य है। उन्होंने जिले के सभी लोगों से इस अभियान को सफल बनाने की अपील की।

1455 गांवों व वार्डो में चलेगा अभियानः इस दौरान अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. केएन सिन्हा ने बताया कि फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले में शुरू हुए एमडीए राउंड के तहत इस बार 2760073 लोगों को लक्षित किया गया है। इसके लिए 1455 गांवों व वार्डों में आशा कार्यकताओं के अलावा ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की टीम घर घर जाकर लोगों को फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन कराएंगी। उन्होंने बताया कि प्रतापराव जाधव, आयुष मंत्रालय एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने कहा है कि "मच्छरों के काटने से बचने और फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन करने जैसे निवारक उपाय लिम्फैटिक फाइलेरियासिस के संचरण को रोकने के लिए महत्वपूर्ण हैं, जो भारत में 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की आबादी को प्रभावित करता है। यह बीमारी न केवल स्वास्थ्य और कल्याण को प्रभावित करती है, बल्कि लिम्फेडेमा के कारण आजीवन विकलांगता का कारण भी बनती है, जो परिवारों को गहराई से प्रभावित करती है। आगामी सर्वजन दवा सेवन दौर में सफलता सुनिश्चित करने के लिए यह आवश्यक है कि आवश्यक है कि 90 प्रतिशत योग्य आबादी इन दवाओं का सेवन करें।

कार्यक्रम में बीएमजीएफ की डॉ. जयंती, डॉ. अमोल पाटील, जिला पंचायती राज पदाधिकारी रवि रंजन, डीपीएम रवि रंजन कुमार, वीबीडीएसओ अजीत कुमार पटेल, पीसीआई के राष्ट्रीय निदेशक रणपाल सिंह, एसपीएम डॉ. पंखुड़ी मिश्रा, एएसपीएम अम्रेश कुमार, जीएचएस डॉ. अरुण घोष, विश्व स्वास्थ्य संगठन के राज्य समन्वयक डॉ. राजेश पांडेय, जोनल कोऑर्डिनेटर डॉ. अरुण कुमार, पिरामल स्वास्थ्य के डीएमसी सोमनाथ ओझा व अंशु कुमार, एसबी कॉलेज के प्राचार्या पुनम कुमारी व कॉलेज के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

बच्चों का उत्साह देख हो रही है खुशी

बीएमजीएफ की डॉ. लेस्सी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि फाइलेरिया को लेकर कॉलेज के छात्र-छात्राओं और एनसीसी कैडेट्स के बच्चों में उत्साह देख वो काफी खुश हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से युवा इस अभियान में शामिल हो रहे हैं, उसे देखकर यह निश्चित तौर पर अंदाजा लगाया जा सकता है कि 2027 तक फाइलेरिया को जड़ से मिटाया जा सकता है। इसके लिए शहरों के साथ साथ ग्रामीण इलाकों में लोगों को जागरूक करने पर अधिक फोकस करना होगा। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष बिहार में एमडीए राउंड के सफल संचालन में फ्रंटलाइन वर्कर की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है।

छिनतई का विरोध करने पर डाटा ऑपरेटर को मारी गोली, इलाजरत

केटी न्यूज/आरा

जिले के पीरो थाना क्षेत्र के जितौरा एवं हसवाडीह गांव के बीच स्थित धोबी घटवा के समीप हथियारबंद अपराधियों ने छिनतई का विरोध करने पर मनरेगा कार्यालय के डाटा ऑपरेटर को गोली लगते ही। जख्मी डाटा ऑपरेटर को गोली चेहरे पर मारी गई है। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। इसके बाद परिजन ने उसे गंभीर हालत में इलाज के लिए पीरो रेफरल अस्पताल से आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज कराया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार जख्मी युवक चरपोखरी थाना क्षेत्र के कोयल गांव निवासी रामाकांत महतो का बेटा शशिकांत कुमार उर्फ बिट्टू है। वह जगदीशपुर प्रखंड मनरेगा कार्यालय में प्राइवेट डाटा ऑपरेटर के पद पर कार्यरत है। वहीं, सूचना मिलते ही स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गई है। इधर रामाकांत महतो ने बताया कि उनका बेटा शुक्रवार की देर शाम अपने कार्यालय से घर लौट रहा था। लौटने के क्रम में जैसे ही वह जितौरा एवं हसवाडीह गांव के बीच दो हथियारबंद अपराधी आ धमके और उसके पास रहे बैग, मोबाइल एवं बाइक छिनने लगे। विरोध करने पर उनहोंने उसे गोली मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद जख्मी उसने फोन पर सूचना दी। जिसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल से आरा शहर के बाबू बाजार में अस्पताल भर्ती कराया गया।

मेरिटलिस्ट में छूटे छात्र विषय बदलकर ले सकते हैं जेपी यूनिवर्सिटी में नामांकन

केटी न्यूज/छपरा

जय प्रकाश विश्वविद्यालय में रिक्त पड़े सीटों पर नामांकन को लेकर विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा कवायद तेज कर दी गई है। इस क्रम में सूची से छूटे छात्रों को विषय बदलकर नामांकन लेने का मौका दिया जा रहा है।जय प्रकाश विश्वविद्यालय स्नातक सत्र 2024-28 में नामांकन को लेकर 37 हजार सीटों में मात्र 31 हजार आवेदन आ पाए हैं। इसमें 27 हजार छात्रों का फर्स्ट, सेकेंड और थर्ड मेरिट लिस्ट में नाम आ सका है। बचे अन्य आवेदन देने वाले छात्रों को भी अपने पसंद के कॉलेज में विषय बदलकर नामांकन लेने का मौका दिया जा रहा है। जय-प्रकाश विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग द्वारा 12 अगस्त तक तृतीय मेधा सूची में नामांकन का अंतिम तारीख है।

पीआरओ राजेश पांडेय ने बताया कि पहली, दूसरी और तीसरी सूची जारी होने के बाद भी जिन छात्र-छात्राओं का नाम लिस्ट में नहीं आ सका है। उन्हें निराश

होने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। विभिन्न कॉलेजों में कई ऐसे विषय हैं, जिनमें सीट भर चुकी हैं। लेकिन, अभी भी कई विषयों में नामांकन के लिए कम आवेदन आने के कारण उन विषयों में सीट पर्याप्त मात्रा में बची हुई है। ऐसे में जिन छात्र-छात्राओं ने कला, विज्ञान और वाणिज्य में नामांकन के लिए आवेदन किया था और मेधा सूची में उनका नाम जारी नहीं हो सका, वे अब बची सीट पर नामांकन के लिए विषय बदल कर आवेदन दे सकते हैं। इसके आधार पर उन्हें नामांकन की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए वेबसाइट पर आवेदन लिया जा रहा है।

एक नजर

19-23 अगस्त के बीच होगा जिलास्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

छपरा। वार्षिक खेल कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय अंतर विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 19-23 अगस्त की अवधि में किया जायेगा। इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर आज जिलाधिकारी श्री अमन समीर की अध्यक्षता में बैठक आहुत की गई। सबसे पहले इस प्रतियोगिता के आयोजन हेतु तिथि का निर्धारण किया गया। निर्णय लिया गया कि प्रतियोगिता का आयोजन 19-23 अगस्त की अवधि में कराया जायेगा।ि वगत वर्ष 15 प्रकार के खेलों में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस वर्ष 7 अन्य खेलों को शामिल करते हुये कुल 22 प्रकार के खेलों की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा।अलग अलग खेलों के लिये अलग अलग संयोजक बनाये गये हैं। सहयोग हेतु विभिन्न खेलों से जुड़े तकनीकी ऑफिसियल को भी लगाया जायेगा। विभिन्न खेलों की प्रतियोगिता अलग अलग उपयुक्त जगहों पर आयोजित की जायेगी, जिसका निर्धारण कर लिया गया है। बैठक में पुलिस अधीक्षक, अपर समाहर्त्ता, जिला खेल पदाधिकारी सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी तथा विभिन्न खेल संघों के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम के लिए लोगों को करें प्रेरित

छपरा। शनिवार को भाजपार्टी संयुक्त मंडल कार्यसमिति बनियापुर मंडल की बैठक की अध्यक्षता दक्षिणी मंडल के अध्यक्ष शैलेन्द्र शर्मा ने तथा मंच का संचालन बनियापुर उत्तरी मंडल के अध्यक्ष मणिभूषण दुबे ने किया।कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए महाराजगंज सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से भाजपा देश व तिरंगे के प्रति जन-जन में सम्मान का भाव जगाने का काम कर रही है। सभी कार्यकर्ता तिरंगा यात्रा और हर घर तिरंगा अभियान के तहत अपने घरों के साथ आसपास रहने वाले लोगों को अभियान में शामिल होने के लिए प्रेरित करें। जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह ने कहा कि पार्टी का उद्देश्य राष्ट्रीयता के भाव को हर घर तक पहुंचाना है। इस अभियान के तहत मंडल के हर बूथ पर और घर-घर जाकर राष्ट्रीय ध्वज लगाया जाएगा। उन्होंने सभी कार्यकताओं से इस घर-घर तिरंगा अभियान में पूरा सहयोग देने का आग्रह किया। मौके पर वरिष्ठ नेता बृजमोहन सिंह, अजीत सिंह, शशिभूषण सिंह, धीरज सिंह, योगेंद्र ठाकुर, मोनू कुमार, अमन सिंह, कान्तु ठाकुर आदि उपस्थित थे।

कार्रवाई: 97 मवेशी बरामद 12 तस्कर गिरफ्तार

छपरा। सारण पुलिस को अभियान के दौरान एक बड़ी सफलता हाथ लगी है, जहां गुप्त सूचना के आधार पर तस्करी के लिए ले जाए जा रहे 97 मवेशियों को बरामद कर 12 पशु तस्करों को गिरफ्तार किया।सभी मवेशियों को दो ट्रकों में क्रूरतापूर्वक रखा गया था,इस बात की जानकारी देते हुए सारण डीएम अमन समीर एवं एसपी डॉक्टर कुमार आशीष ने बताया कि दिघवारा अंचलाधिकारी द्वारा अवतारनगर थाना को सूचित किया गया कि छपरा से 02 ट्रकों से भारी संख्या में मवेशियों को अवैध रूप से तस्करी किया जा रहा है।उक्त सूचना पर आवश्यक विधि-सम्मत कार्रवाई करते हुए अवतारनगर थाना पुलिस टीम द्वारा एनएच-19 स्थित बोधा छपरा टोल प्लाजा पर सघन वाहन चेकिंग करते हुए मवेशियों से लदा 02 ट्रकों को घेराबंदी कर पकड़ा गया। वाहन की तलाशी एवं जांच के क्रम में दोनों ट्रकों में कुल 62 गाय तथा 35 बछड़ों को बरामद किया गया,साथ ही इस तस्करी में संलिप्त कुल 12 तस्करों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा स्वीकार किया गया कि वे इन चोरी किये गये मवेशियों को छपरा से कटिहार ले जा रहे थे। छापेमारी टीम में पुअनि शशिरंजन, थानाध्यक्ष अवतारनगर थाना, मीठु प्रसाद अंचलाधिकारी, दिघवारा अंचल एवं अवतारनगर थाना के अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे।

एशिया के सबसे बड़े गांव गहमर की दलित बस्ती में जलभराव से संक्रामक रोगों का खतरा बढ़ा

केटी न्यूज / गाजीपुर

- सैनिकों के इस गांव में गंदे पानी की निकासी न होने से बजबजा रही नालियां, प्रशासन मौन

एशिया के सबसे बड़े गहमर गांव की दलित बस्ती समस्याओं के दर्द से सुबक रही है। यहां गंदे पानी का जलजमाव, बजबजाती नालियां, बदबू व सड़ांध से संक्रामक रोगों का खतरा लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। यह कहने के लिए देश में सैनिकों का सबसे बड़ा गांव भी है। लेकिन गलियों में खुलेआम बहता गंदा पानीट लोगों का जीना दूभर कर दिया है। बीते कई वर्षों से गांव के पूरब टोला की दलित बस्ती विकास से कोसों दूर व उपेक्षित है। इस बस्ती की की सुधि लेने वाला कोई नहीं है। यहां के जनप्रतिनिधि उदासीन तथा प्रशासनिक अधिकारी मौन है। जबकि उस मोहल्ले में रहने वाले कई घरों के लोग देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं। साथ में कई लोग देश कोने-कोने में बड़े पदों पर सरकारी नौकरी कर रहे हैं। इस बस्ती के रहने वाले रेलवे के क्लास वन आफिसर मनोज कुमार छुट्टियों में अपने गांव आए और यहां की दशा देखकर दंग रह गए। उन्होंने इस संबंध में जिलाधिकारी सहित कुछ उच्चाधिकारियों को पत्र लिखने को कहा। उस मोहल्ले की गलियों का आज तक निर्माण नहीं हो सका और न ही नाली का निर्माण हुआ। जबकि इसकी सूचना मोहल्लेवासियों ने लीखित रूप से कई बार ग्राम प्रधान, खंड विकास अधिकारी एवं क्षेत्रीय विधायक को दी है। लेकिन इसको देखने तक की किसी ने जहमत नहीं उठाई। बरसात के दिनों में यह गलियां पूरी तरह गंदे नालों के पानी से भर जाती हैं।लोग घुटने भर पानी में घुसकर अपने घरों तक जाते हैं। नाली का निर्माण न होने से पानी निकास की कोई व्यवस्था नहीं है। बरसात के दिनों में लोगों के घरों में नाली का गंदा पानी उफन कर घर के अंदर तक चला जाता है। इससे संक्रामक रोग का खतरा हमेशा बना रहता है। इस दशा को देखकर जब भी कोई आर्मी का जवान या नौकरी करने वाला बाहर से अपने घर को लौटता है, तो यह सोचने पर मजबूर हो जाता है कि देश की सेवा करने के बाद हमें वापस गांव जाकर यह नरक की जिंदगी देखने को मिलती है। गांव के रहने वाले मुन्ना लाल रवि जो आर्मी का रिटायर्ड है। उन्होंने कहा कि कई ग्राम प्रधान के कार्यकाल आए और चले गए लेकिन इस मोहल्ले की ना तो गली का निर्माण हो पाया और न ही नाली का निर्माण। बस्ती के लोगों का कहना है कि हम और हमारे बच्चे इस गंदे वातावरण में रहने के लिए मजबूर हैं। मोहल्ले में रहने वाले स्थानीय कारोबारी ओमप्रकाश का कहना है कि बारिश के दिनों में हम लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि गलियां पूरी तरह कीचड़ और पानी से भर जाती हैं और ऐसे में हम लोग अपने घरों से पानी को साफ करने में ही लगे रहते हैं।

एक नजर

भाजपा के रग-रग में राष्ट्रीयता : भानु प्रताप सिंह

गाजीपुर। जिले के जखनियां तहसील में हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शनिवार को भाजपा जखनियां मंडल प्रथम की कार्यशाला संपन्न हुई। कार्यशाला को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने कहा भाजपा के रग - रग में राष्ट्रीयता है। पार्टी कार्यकताओं के खून में देशभक्ति है। आजादी के अमृत महोत्सव से शुरू हुआ हर घर तिरंगा यात्रा देश की आवाज बन गया है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत विश्व का सबसे ताकतवर देश बनने की तरफ अग्रसर है। भारत के प्रति निष्ठा और समर्पण नरेंद्र मोदी ने जागृत करके हर भारतवासियों के दिल में देश के प्रति राष्ट्रीयता का भाव भरा है, उसका परिणाम है कि आज हर भारतवासी अपने को गौरवशाली महसूस करता है। जिस प्रकार से भारत के अगल-बगल में लोकतंत्र का हनन हुआ है और कट्टरपंथीयों, देश विरोधी ताकते लोकतंत्र का हनन किया है। वैसा प्रयास भारत में भी शाहीन बाग आंदोलन, किसान आंदोलन, पहलवान आंदोलन के माध्यम से करने का प्रयास किया गया। विदेश से फंडिंग हुई, देश विरोधी ताकते भारत को खंडित करने का प्रयास किया। लेकिन यह देशभक्ति का जज्बा ही था की भारत सशक्त है, और यहां के लोगों के दिल में लोकतंत्र जिंदा है। उन्होंने कहा जखनियां में 500 बाइकों के साथ तिरंगा यात्रा कल निकाली जाएगी, जो दिव्य और भव्य होगी। कार्यशाला को भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश राजभर, व्यापार प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष प्रमोद वर्मा ने भी संबोधित किया। कार्यशाला में प्रमुख रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता दयाशंकर सिंह, उमाशंकर राजभर, पूर्व मंडल अध्यक्ष उमाशंकर यादव, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष प्रशांत सिंह, युवा मोर्चा जिला मंत्री दिनेश यादव, शैलू सिंह, अशोक प्रधान, शिवाकांत सिंह, अजय प्रताप, शम्भू त्रिपाठी, सुभाष यादव, नंदलाल प्रजापति, गप्पू सिंह, प्रदीप कुमार, अनुराग सहित सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री पीयूष सिंह एवं अध्यक्षता धर्मवीर राजभर ने किया।

हादसा: बाढ़ के पानी से भरे ताल में महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी

गाजीपुर। रेवतीपुर थाना क्षेत्र के टौंगा गांव के पूरब तरफ बाढ़ के पानी से भरे ताल में 45 वर्षीय अज्ञात महिला का औंधे मुंह शव मिलने से चारों तरफ सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी इलाके व गांव के लोगों को होते ही वहां लोगों की भीड़ इकठ्ठी हो गई। ग्रामीणों ने महिला का शव मिलने की सूचना ज्योहिं पुलिस को दी, उनमें हड़कंप मच गया। इसके बाद प्रभारी निरीक्षक शैलेश कुमार मिश्रा पुलिस बल के साथ उक्त गांव के घटना स्थल पर पहुंच गए। काफी मशक्कत के बाद महिला के शव को पानी से बाहर निकाला जा सका। इसके बाद पुलिस शव को थाने लेकर चली आई। इस बीच शव मिलने की सूचना पर नौली ससुराल ले लोग थाने पर पहुंचे, जहां पति जयप्रकाश गुप्ता ने उसकी पहचान अपनी पत्नी अरूना गुप्ता के रूप में किया। पति ने बताया कि उसकी पत्नी आठ अगस्त की भोर में शौच करने निकली थी। तभी से वह गायब थी। शव की शिनाख्त होने पर पुलिस ने उसे कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।इधर ग्रामीणों ने बताया कि महिला काफी कलर का पेटीकोट और आसमा?नी कलर का ब्लाउज और हाथ में उसके चूड़ी पहने हुई थी। बताया कि इसके अलावा उसके शरीर पर कोई कपड़ा नहीं था। ग्रामीणों ने आशंका जाहिर किया कि हो सकता है कि महिला की हत्या कर उसे ठिकाने लगाने के लिए पानी में फेंक दिया गया हो। पुलिस का कहना है कि महिला का शव यहां कब और किन परिस्थितियों में पहुंचा इसकी छानबीन की जा रही है। बहरहाल पूरा मामला पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा।घटना को लेकर पुलिस हर एंगल पर जांच में जुटी हुई है। प्रभारी निरीक्षक शैलेश कुमार मिश्रा ने बताया कि महिला की पहचान हो गई है। उसके शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेंज दिया गया है।

खबरें फटाफट

प्रेमी युगल ने खाया जहर, प्रेमी की मौत

बलिया। सातजन्मों तक जीने मरने की कसमें खाने वाले बैरिया थाना क्षेत्र के शोभा छपरा गांव निवासी प्रेमी युगल ने शनिवार की सुबह विषाक्त पदार्थ (जहर) खाकर अपनी ईहलीला समाप्त करने की कोशिश किया। इसकी जानकारी होने पर आसपास के लोगों ने दोनों को सीएचसी सोनबरसा पहुंचाया, जहां से हालत नाजुक देख चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां प्रेमी की इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि प्रेमिका का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार बढ़िया थाना क्षेत्र के शोभा छपरा गांव निवासी चंदन कुमार यादव 25 वर्ष पुत्र वीरन यादव एवं इसी गांव की सोनी कुमारी 20 वर्ष पुत्री मोती यादव के बीच प्रेम प्रसंग काफी दिनों से चल रहा था जो सातजन्मों तक जीने मरने में तब्दील हो गया। इसकी जानकारी होने पर परिजनों द्वारा विरोध हुआ तो दोनों ने विषाक्त पदार्थ खाकर अपनी ईहलीला समाप्त करने की कोशिश किया। घटना की जानकारी होने पर आसपास के लोगों ने दोनों को सीएचसी सोनबरसा पहुंचाया, जहां हालत नाजुक देख चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान चंदन की मौत हो गई। जबकि उसकी प्रेमिका का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

धर्म परिवर्तन कराने वाला युवक गिरफ्तार

मऊ । रतनपुरा आउटपोस्ट पुलिस चौकी के प्रभारी सरफराज खान ने कांस्टेबल गोविंद पाल के साथ धर्म परिवर्तन करने वाले गिरोह के सरगना को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी राम अवतार राजभर उर्फ जानसन साकीम अठिलापुरा रसड़ा ,बलिया गरीब और भोले भाले लोगों को प्रलोभन देकर के ईसाई धर्म में सम्मिलित करा रहा था। जिसे रतनपुरा आउटपोस्ट पुलिस चौकी के प्रभारी सरफराज खान ने उसे हलधरपुर में धर दबोचा। उसे मु० अ० सं० 184/24 धारा 5(2) 30विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन अधिनियम 2021 के तहत जेल भेज दिया।

दुस्साहस: बैरिया पुलिस चौकी से 60 मीटर दूरी पर चोरों ने घटना को दिया अंजाम

बलिया में चोरों ने दो दुकानों से उड़ाये 60 लाख के गहने

- ताला काट व गेट उखाड़कर दुकान में घुसे चोर
- घटना के बाद सीसीटीवी का डीबीआर भी साथ ले गए साथ

केटी न्यूज / बलिया

बैरिया पुलिस चौकी से करीब 60 मीटर दूर भोजापुर डाक बंगला रोड स्थित सोने-चांदी के दो दुकानों में शुक्रवार की रात चोरों ने ताला काट तथा गेट उखाड़कर करीब 60 लाख रुपए के आभूषण पर हाथ साफ कर दिया। जिसकी सूचना पुलिस को शनिवार की सुबह किसी बच्चे ने दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों दुकानदारों को फोन कर दुकान पर बुलाया। मौके पर पहुंचे दोनों दुकानदार अपनी दुकानों से गहने गायब देख चीखने चिल्लाने लगे। आपको बता दें कि डाक बंगला रोड पर कोटवा निवासी प्रमोद कुमार की सोनी ज्वेलर्स के नाम से आभूषण की दुकान है। जिसके दुकान का ताला काटने के बाद लोहे के राड से गेट उखाड़कर चोर अंदर घुसर और कटर से तिजोरी काटने के बाद करीब आठ किलो चांदी व 250 ग्राम सोने चांदी के गहने चुरा लिया। इसके बाद सामने स्थित अंबे ज्वेलर्स के नाम से रानीगंज निवासी पप्पू सोनी के आभूषण की दुकान का भी गेट उखाड़ने व तिजोरी काटने के बाद चोरों ने करीब आठ किलो चांदी व 300 ग्राम सोने चांदी के आभूषण पर हाथ साफ कर दिया। ततपश्चात चोर दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरे का डीबीआर भी अपने साथ लेकर चले गए। पीड़ित दोनों दुकानदारों की माने तो वे लोगों का गहना बंधक रखकर ब्याज पर पैसा देते थे। इसलिए आभूषणों की मात्रा अधिक हो गई थी। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी बैरिया उस्मान, एसएचओ रामायण सिंह, चौकी इंचार्ज बैरिया अरुण सिंह दलबल के साथ पहुंच गए और घटनास्थल का निरीक्षण किया। क्षेत्राधिकारी ने मौके पर फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया।

बंद मकान में घुसकर उड़ाया लाखों का सामान

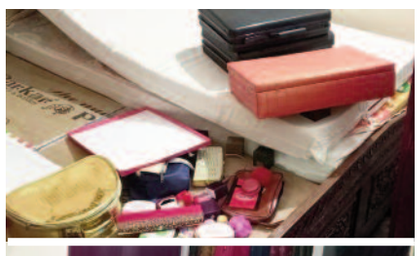

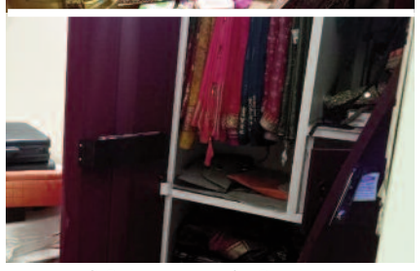

रसड़ा। रसड़ा कोतवाली क्षेत्र के मनियार तिवारी गांव में शुक्रवार की रात चोरों ने अमित कुमार तिवारी की बंद दुकान का ताला तोड़कर घर के अंदर प्रवेश कर गए घर के आलमारी को तोड़कर रखे लाखों के गहने, ईन्वर्टर, बैट्री, टीवी सहित लाखों के अन्य कीमती सामान चुरा कर लेकर रफ्फू चक्कर हो गए। सुबह इसकी जानकारी होने पर पुलिस को 112 पर डायल सूचना दी जिसे 112 नम्बर की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना का निरीक्षण किया। पीड़ित अमित कुमार तिवारी ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि मेरा पुरा परिवार गुरुग्राम हरियाणा गया हुआ था कि चोरों ने दरवाजे का ताला तोड़कर घर के अंदर प्रवेश किए और गोदरेज का ताला तोड़कर लाखों के सोना-चांदी के जेवरात, ईन्वर्टर, बैट्री, बड़ी टीवी, फूल के वर्तन सहित लाखों का सामान चुरा लिया। सुबह इसकी जानकारी मेरी बड़ी मम्मी व पिता ने दी। पुलिस ने तहरीर मिलने के बाद जांच पड़ताल की कार्रवाई में जूट गई है।

मेहंदी प्रतियोगिता में 10 छात्राओं ने किया टॉप, रिया आई प्रथम

- मेहंदी प्रतियोगिता से छात्राओं को एक अनुभव मिलता है, बृजेश कुशवाहा प्रबंध निदेशक

केटी न्यूज / गाजीपुर

मां शारदा महिला महाविद्यालय जलालाबाद गाजीपुर में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित किया गया। जिसमें प्रबंध निदेशक बृजेश कुशवाहा मां सरस्वती के चित्र पर दीप जलाकर कार्यक्रम का आरंभ किया। छात्राओं ने महेंदी प्रतियोगिता पर पर्यावरण को बचाने का भी मुहिम चलाया। मेंहदी प्रतियोगिता में 60 छात्राओं ने भाग लिया। इसमें रिया यादव प्रथम आई, रिया ने पर्यावरण के संबंध में बेहतरीन कल का प्रदर्शन करने के साथ ही पर्यावरण के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रबंध निदेशक बृजेश कुशवाहा डेढ़ घंटे के समय में छात्राओं द्वारा हाथों पर मेहंदी रचने का मूल्यांकन किया और 10 छात्राओं को सम्मानित किया गया। महिला महाविद्यालय के प्रवक्ता वर्षा जायसवाल ने कहा कि मेहंदी का प्रचलन लगभग 12 शताब्दी पूर्व से चली आ रही है यह मेहंदी खास करके तीज त्योहार और शादी विवाह अन्य उत्सव में मेहंदी लगाया जाता है। खास करके महिलाए इसका ज्यादा उपयोग करते हैं। साथ में सीबीएसई प्रिंसिपल राम प्रताप मौर्य, प्रधानाचार्य राम नगीना यादव, विद्यालय के प्रभारी जितेंद्र कुशवाहा, कमलेश यादव,अंबिका यादव, शैलेंद्र भारद्वाज,अरविंद चतुवेर्दी, योगेश यादव, प्रमोद यादव, सुजीत मौर्य, विनय शर्मा, वर्षा जायसवाल, संगीता, मंजू चौहान, दिनेश यादव, चंद्र प्रकाश चौहान आदि प्रवक्ता रहे। मेहंदी प्रतियोगिता में समस्त छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया प्रतियोगिता में 10 छात्राओं का चयन किया गया। जिनको विद्यालय के संरक्षक बृजेश कुशवाहा द्वारा सम्मानित किया गया। जिसमें रिया यादव,नेहा मद्धेशिया, सुनिधि चौहान, खुशबू चौहान, नीलू राजभर, अंजली यादव, जिक्र अंसारी, रिमझिम वर्मा, रागिनी चौहान, आस्था यादव को सम्मानित किया गया।

दिल्ली कमाने जा रहा युवक लापता

गाजीपुर। जनपद के दुल्लहपुर थाना क्षेत्र के सोनहड़ा गांव निवासी संतोष यादव उर्फ रिंकू बीते आठ अगस्त की सुबह दुल्लहपुर से ट्रेन पकड़कर मडुवाडीह बनारस पहुंचे, जहां से उन्हें दिल्ली जाना था। बनारस से फोन पर अपनी पत्नी से बात किया था। लोगों ने समझा की दिल्ली पहुंच गया होगा। उसने जब नौ अगस्त को फोन किया मोबाइल स्विच ऑफ है। दूसरे दिन भी दिल्ली नहीं पहुंचा तो लोग हैरान परेशान होकर खोजबीन शुरू किया, लेकिन आज तक संतोष यादव का कहीं पता नहीं चल सका। संतोष यादव के भाई अशोक यादव ने दुल्लहपुर थाने में गुमशुदगी की तहरीर दी है। अशोक यादव ने बताया कि संतोष दिल्ली के एक कंपनी में काम करके अपनी जीविका चलता था लेकिन अचानक कैसे लापता हो गया जिसकी जानकारी नहीं लग पा रही है। कहा कि काफी खोजबीन करने की बात पुलिस से गुहार लगाई है। थानाध्यक्ष केपी सिंह में बताएं घटना स्थल बनारस का है फिलहाल यहां पर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

फाइलेरिया मुक्त समाज से ही हमारा भविष्य सुरक्षित होगा : प्रो. शास्त्री

केटी न्यूज / बलिया

जमानियां स्टेशन बाजार स्थित हिंदू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में फाइलेरिया की रोकथाम को लेकर जागरूकता कार्यक्रम के तहत एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य श्रीनिवास सिंह ने की। इस जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के कर्मी भी शामिल हुए। कार्यक्रम का विषय प्रवर्तन कर रहे हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. अखिलेश कुमार शर्मा शास्त्री ने छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए फाइलेरिया मुक्त भारत बनाने का संकल्प लिया। फाइलेरिया गंभीर बीमारी है। समाज के उत्थान और उन्नति के लिए फाइलेरिया मुक्त होना बहुत जरूरी है। फाइलेरिया मुक्त समाज से ही हमारा भविष्य सुरक्षित होगा। भविष्य के समृद्ध युवा पौध को तैयार करने के लिए मौजूदा बच्चों की पीढ़ी को फाइलेरिया के संक्रमण से बचाना होगा। यह समाज के शारीरिक और आर्थिक उत्थान के लिए भी बेहद जरूरी है। मालूम हो कि देश में अपंगता का दूसरा सबसे बड़ा कारण फाइलेरिया है। यह जितनी जटिल बीमारी है, उतना ही सरल इसका निदान भी है। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए डॉ अमित कुमार ने फाइलेरिया से मुक्ति पाने के लिए साल में एक बार दवा का सेवन करने का अनुरोध किया, जो सरकार की ओर से मुफ्त वितरण किया जाएगा।

वारदातों के बाद भी मलाईदार पोस्टिंग का मजा ले रहे इंचार्ज

इंचार्जों को है अधिकारियों का शह, थानों पर बढ़ने लगी वारदातें

- नहीं हो रही विभागीय कार्रवाई से बेखौफ हैं जिम्मेदार

तिलक कुमार/ बलिया

अपराध से अब तक शांत रहने वाला बलिया इन दिनों अपराधियों के क्रूर वार से कराह रहा है। अपराधिक घटनाएं चाहे किसी तरह की हो, थमने का नाम नहीं ले रही है। यही नहीं बलिया में जो अब तक नहीं हुआ वह भी देखने को मिल रहा है। यानी कि पुलिस चौकी और थानों के गेट तक अपराधिक वारदातें दिनदहाड़े अंजाम दी जा रही है, ऐसी वारदातों को लेकर जिम्मेदार पुलिस अफसरों पर कार्रवाई भी नहीं हो रही है। जिसकी वजह से अपराधियों का पुलिस से भय खत्म होता दिख रहा है। कानून और व्यवस्था को लेकर जिम्मेदार इंचार्ज भी तसल्ली से अपनी मलाईदार तैनाती काट रहे हैं। ऐसा नहीं है कि यह बातें स्वगणित है। अन्य तरह के अपराधों को नजरअंदाज भी कर दें तो बलिया के थानों और पुलिस चौकी पर सरेआम दिल को दहला देने वाली अपराधिक घटनाओं को इन दिनों अंजाम दिया जा रहा है। जिसको लेकर आम जनमानस में चर्चा हो रही है कि जब थाने के गेट पर आम आदमी सुरक्षित नहीं है तो जनपद के किस कोने में सुरक्षित रहेगा। मसलन थानों और चौकियों पर हो रही वारदातों को लेकर बलिया में प्रदेश सरकार के कानून व्यवस्था और इकबाल को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं।

कोतवाली से खींचकर कानूनगो को पीटा

बीते सात अगस्त दिन बुधवार को शहर कोतवाली के अंदर जाकर बदमाशों ने पहले गालीगलौज किया फिर कोतवाली गेट के सामने कानूनगो कोतवाली से खींचकर लाकर जमकर मारा पीटा। इस दौरान शहर कोतवाली पुलिस तमाशबीन बनी रही। बाद में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज जरूर किया, लेकिन अभी तक एक भी आरोपी को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर पाई। यदि गालीगलौज के दरम्यान पुलिस सख्ती दिखाती तो कानूनगो की बेरहमी से पिटाई नहीं होती। लेकिन कोतवाली के अंदर बदमाशों के तांडव ने साबित कर दिया कि यहां बदमाश पुलिस से नहीं बल्कि बदमाशों से पुलिस खौफ खाने लगी है।

कोतवाली के सामने युवक की हत्या

बीते 20 जुलाई को बांसडीह कोतवाली गेट के सामने रोहित पांडेय की धारदार हथियार से निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई। जबकि घटना के वक्त कोतवाल संजय सिंह खुद बांसडीह कोतवाली में मौजूद थे। इतना ही नहीं प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो जब बदमाशों द्वारा रोहित पांडेय को धारदार हथियार से हमला किया जा रहा था, पुलिस कर्मियों ने हिम्मत दिखाने के बजाय भाग खड़े हुए थे। यदि उस दिन पुलिस तत्परता दिखाई होती तो आज रोहित पांडेय जिंदा होते।

चौकी के अंदर घुसकर मारी थी गोली

इसी साल 11 मई को हनुमानगंज चौकी के सामने छात्र नेता शिप्रांत सिंह गौतम पर बदमाशों ने गोलियों की बौछार कर दी थी। इतना ही नहीं शिप्रांत सिंह गौतम जब जान बचाने के लिए चौकी अंदर भागे थे तो बदमाशों ने चौकी के अंदर घुसकर शिप्रांत सिंह गौतम को गोली मारी थी। इस मामले के बाद यहां के चौकी इंचार्ज अभी भी अपने पद पर बने हुए हैं।

सावन के सोमवार को वाराणसी जाने वाला रूट रहेगा डायवर्ट

♦ शनिवार की शाम आठ से 13 अगस्त की सुबह छह बजे तक रहेगा रूट डायवर्ट

केटी न्यूज / चंदौली

कांवड यात्रा के मद्देनजर पुलिस प्रशासन की ओर से यातायात को सुगम बनाने के लिए शनिवार की शाम आठ से 13 अगस्त की सुबह छह बजे तक रूट डायवर्जन किया है। इसके तहत पुलिस की ओर से नो इंट्री प्वाइंट बनाए गए हैं। चंधासी कोयला मंडी(मुगलसराय) से दुलहीपुर होकर पड़ाव चौराहे की ओर से आने-जाने वाले समस्त प्रकार के भारी वाहन शनिवार रात्रि 12 बजे से सोमवार रात्रि 12 बजे तक पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेंगे। पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे ने बताया कि कटरिया, रामनगर, पीएसी तिराहा कटेसर साहुपुरी की ओर से आने-जाने वाले समस्त भारी वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। आलमपुर अंडर पास से अलीनगर सकलडीहा की ओर से जाने वाले भारी वाहन का आना जाना पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। अलीनगर की ओर से गंजी प्रसाद चौराहा(चकिया तिराहा) की ओर आने वाले वाहन जो पड़ाव, वाराणसी की ओर जाने वाले वाहनों (केवल रेलवे स्टेशन पीडीडीयू नगर आने वाले को छोड़कर) को गोधना चौराहा से एनएच-19 की ओर डायवर्ट किया जाएगा। रामनगर से पड़ाव जाने वाले सभी प्रकार के भारी वाहनों को पीएसी तिराहे से कटरिया एनएच-19 की तरफ डायवर्ट किया जाएगा।

चंदौली से आने वाले वाहन जो वाराणसी की ओर आलमपुर अंडरपास ,आलमपुर तिराहा, चकिया तिराहा ,कस्बा मुगलसराय होते हुए जाने वाले वाहनों को आलमपुर अंडरपास से ही डायवर्ट कर दिया जाएगा। बिहार, चंदौली व बबुरी की ओर से आने वाले वाहन जिनको वाराणसी जाना है। गोधना चौराहा से डायवर्ट होकर हाईवे एचएच-19 से होते हुए अखरी बाईपास से वाराणसी जाएंगे। कस्बा मुगलसराय से पड़ाव होते हुए वाराणसी की ओर जाने वाले वाहन रामनगर की ओर से डायवर्ट होकर हाइवे से होते हुए अखरी बाईपास से वाराणसी जाएंगे। चंदौली से वाराणसी होते हुए जनपद जौनपुर, जनपद आजमगढ़ जाने वाले वाहनों को हाइवे की ओर डायवर्ट किया जाएगा जो हाइवे से राजातालाब से रिंग रोड होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे। कटरिया तिराहे से रामनगर पड़ाव की ओर जाने वाले समस्त बड़े वाहनों का प्रवेश निषेध रहेगा। हाइवे से लंका मैदान तिराहा होते हुए पड़ाव आने वाले बड़े वाहनों को लंका मैदान पर ही रोका जाएगा। कस्बा पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर की ओर से आने वाले वाहनों को साहूपुरी रोड पर डायवर्ट किया जाएगा।

तीन माह बाद भी अभी तक 38 मीटर रीडरों को नहीं मिला आईडी पासवर्ड

गाजीपुर। विद्युत वितरण खंड चतुर्थ के डिविजन अंतर्गत अधिकारियों की उदासीनता के चलते पिछले तीन महीनें बाद भी अभी तक कुल 56 मीटर रीडरों में से मात्र 18 को ही आईडी पासवर्ड मिला है। जबकि शेष 38 मीटर रीडरों को अभी तक आईडी पासवर्ड जारी नहीं किया गया है। इसके चलते मीटर रीडिंग का काम न होने से आनलाइन बीलिंग का काम पूरी तरह नहीं हो पा रहा है। इससे एक तरफ जहां उपभोक्ताओं को बिल न मिलने से उन पर बकाए का बोझ बढ़ता जा रहा है। उधर दूसरी ओर खुद विद्युत विभाग बकाए का राजस्व वसूली नहीं कर पा रहा है। मालूम हो कि जमानियां में मीटर रीडिंग के लिए न्यूक्त बिजली विभाग के मीटर रीडरों का पूर्व के एक निजी कंपनी से उनका अनुबंध तीन महीनें पहले समाप्त हो गया। इसके बाद विद्युत विभाग के द्वारा एक दूसरी निजी कम्पनी रीडिंग के लिए अनुबंध किया गया। इसके बाद उक्त कंपनी के द्वारा अभी तक मात्र 18 मीटर रीडरों को ही आईडी पासवर्ड जारी किया गया है।

एक नजर

निर्मल गंगा को सविनय अर्पण, चलो मिलकर करें वृक्षारोपण का राष्ट्रीय संगठन मंत्री ने दिया संदेश

चंदौली। बबुरी कस्बा स्थित यूनिवर्सल पब्लिक स्कूल के प्रांगण में गंगा समग्र काशी प्रांत चंदौली इकाई द्वारा वृक्षारोपण करके जागरूकता संगोष्ठी का

आयोजन किया गया। इसके मुख्यअतिथि राष्ट्रीय संगठन मंत्री गंगा समग्र रामाशीष रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला संघचालक राष्ट्रीय स्वयंसेवक गुलाब व संचालन आशीष मिश्रा ने किया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के फलदार, छायादार पौधों का रोपण किया गया। मुख्य अतिथि रामाशीष ने बताया कि नदी को समझने के लिए उसके महत्व को समझना जरुरी है। हिंदू संस्कृति एक प्रकार की संक्रांति है अत्यधिक वर्षा के लिए पौधरोपण करना जरुरी है जीवन मे पेड़ लगाना जरूरी है । अविरल गंगा निर्मल गंगा का संदेश दिया। सभी वृक्ष हमारे जीवन के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण हैं किन्तु हमें ऐसे वृक्ष लगाना है जिससे आक्सीजन,फल, फूल, छाया, खाद देने के साथ साथ बादलों को भी आकर्षित करते रहें, इसलिए इनका संरक्षण हम सब का दायित्व बनता है। इस मौके पर सूर्यमुनी तिवारी,पुरुषोत्तम, रविशंकर त्रिपाठी, शिवेंद्र सिंह, दिवाकर द्विवेदी, अमिताभ उपाध्याय, जयशंकर तिवारी, अनिल दुबे, शुभम, चंद्रप्रकाश, संजय, अरविंद मिश्रा, ह्रदयनारायण दूबे, अवनीश कुमार, बृजेश कुमार, शुभम सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

मनीष सिसोदिया की जमानत पर आप कार्यकताओं ने बांटी मिठाई

जौनपुर। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया को सर्वोच्च न्यायालय सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद पार्टी कार्यकताओं में जश्न का माहौल है। पार्टी के लोग एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर कर रहे हैं।जनपद के कार्यकताओं व पदाधिकारी एक दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी जाहिर किया हैं। आप के जिलाध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह मुन्ना की अध्यक्षता में पार्टी के समस्त कार्यकर्ता जनपद के अंबेडकर तिराहा पर स्थित भीम राव अम्बेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर किया है। वहीं शाहगंज विधानसभा में भी एक दूसरे को मिठाई खिलाकर सभी साथियों ने जश्न मनाया इस अवसर पर जिला महासचिव विनोद कुमार प्रजापति अमित विश्वकर्मा आदि लोग शामिल रहे। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह मुन्ना ने कहा कि दिल्ली के लोकप्रिय शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया को माननीय सर्वोच्च न्यायालय सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने पर हम सभी बहुत खुश हैं और आज बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी के द्वारा बनाए गए संविधान की जीत हुई है और हमें विश्वास है हम सभी के लोकप्रिय दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी जल्द बाहर होंगे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला कोषाध्यक्ष डॉ. दिवाकर मौर्य,निबर्तमान जिला मीडिया प्रभारी अतुल तिवारी,जिला उपाध्यक्ष रिजवान अहमद, यूथ विंग प्रदेश उपाध्यक्ष आशुतोष मौर्या, जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह, जिला कार्यकारिणी सदस्य सशीधर चौहान, जिला कार्यकारी सदस्य श्याम लाल पटेल, यूथ विंग जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार, किसान प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अमर बहादुर, आदित्य कुमार, शशि सोनी, नगर अध्यक्ष विशाल यादव, उ रर के जिला अध्यक्षअरविन्द यादव, नगर अध्यक्ष इस्लाम खान आदि शामिल थे।

खबरें फटाफट

समाजवादी मजदूर सभा के कार्यकताओं ने किया धरना-प्रदर्शन

गाजीपुर। समाजवादी मजदूर सभा के कार्यकताओं ने जिलाध्यक्ष संजय कन्नौजिया के नेतृत्व में मजदूरों की समस्याओं को लेकर सरजू पांडेय पार्क में धरना-प्रदर्शन किया। काम के समय 12 के बजाय आठ घंटा करने, कारखाना अधिनियम 2024 वापस लेने। उत्तर प्रदेश बोनस अधिनियम संशोधन अधिनियम 2024 वापस लेने की मांग करते हुए महामहिम राज्यपाल के नाम सें 11सूत्रीय ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा। इस धरना में मुख्य रूप से जमुना यादव, आजाद राय, जयराम यादव, विनोद यादव, रामबदन यादव, मिथिलेश मौर्या, राहुल कन्नौजिया, रामाशीष यादव, इन्दल, सदानंद कन्नौजिया, अनिल कन्नौजिया आदि शामिल थे। धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव साहब यादव ने किया।

वाहनों का करा लें फिटनेश वरना होगी करवाई

मऊ । सम्भागीय परिवहन अधिकारी, आजमगढ़ के कार्यालय आदेश पत्र संख्या-289/ सा०प्र०-विविध/2024, दिनांक 06 अगस्त, 2024 के माध्यम से अवगत कराया गया है कि मुख्य सचिव के निर्देश के क्रम में यात्री बसों तथा विद्यालयीय वाहनों को फिटनेस से आच्छादित कराने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसकी समीक्षा मुख्य सचिव महोदय द्वारा दिनांक 11. 08.2024 को की जानी है। परिवहन कार्यालय मऊ में कैम्प का आयोजन किया गया है, जिसमें अपनी-अपनी वाहनों को लेकर कार्यालय पर उपस्थित होवें, जिससे वाहनों का जॉच करके वाहन को फिटनेस आच्छादित किया जा सके।

आज से माता महाकाली का धार का कार्यक्रम

गाजीपुर। यूसुफपुर स्थित माता महाकाली मंदिर परिसर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी माता महाकाली का धार 11 अगस्त से 19 अगस्त तक दिया जाएगा। इस दौरान 19 अगस्त को माता महाकाली का भव्य श्रृंगार व मेले का आयोजन किया गया है। इस आशय की जानकारी माता महाकाली मंदिर के पुजारी सत्य प्रकाश उर्फ मुकेश ने दी।

जिलाधिकारी ने की फाइलेरिया से बचाव की दवा खाकर अभियान की शुरुआत

2027 तक चंदौली को फाइलेरिया मुक्त बनाने का प्रयास आरंभः डीएम

♦ स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर फाइलेरिया से बचाव की दवा खिलाएंगे अपने समक्ष

केटी न्यूज / चंदौली

जनपद में राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत ट्रिपल ड्रग थेरेपी आइडीए (आइवर्मेक्टिन, डीइसी व एल्बेंडाजोल) अभियान का शुभारंभ शनिवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से किया गया। जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे ने स्वयं फाइलेरिया से बचाव की दवा खाकर अभियान का शुभारंभ किया। लोगों को वर्ष 2027 तक फाइलेरिया मुक्त जनपद बनाने के लिए शपथ दिलाई। साथ ही जन जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जनपद के लगभग 15.67 लाख लोगों को फाइलेरिया से बचाव की दवा खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

डीएम ने कहा कि यह अभियान दो सितंबर तक चलेगा। स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर फाइलेरिया से बचाव की दवा अपने समक्ष खिलाएंगे। जनमानस से अपील की कि वह स्वास्थ्य टीम का सहयोग करें और उनके सामने ही दवा का सेवन करें। यह दवा पूरी तरह से सुरक्षित है। इस दवा के सेवन से ही फाइलेरिया जैसी गंभीर व संक्रमित बीमारी से पूरी तरह सुरक्षित रह सकते हैं। ज्यादा से ज्यादा लोग इस दवा का सेवन करें और दूसरों को भी दवा खाने के लिए प्रेरित करें। दवा एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और अति गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को नहीं खानी है। दवा खाली पेट भी नहीं खानी है। कहा कि फाइलेरिया, एक प्रकार की मच्छर जनित व संक्रामक बीमारी है, जो संक्रामक मच्छर के जरिये एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में संचरण हो सकती है। इसलिए जरूरी है कि अपने घर व आसपास सफाई का बेहद ध्यान रखें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. युगल किशोर राय ने कहा कि हाथीपांव (फाइलेरिया) हो जाने के बाद पूरे जीवन इस बीमारी के साथ ही जीना होता है। फाइलेरिया के लक्षण 5 से 15 साल में दिखाई देते हैं। इस बीमारी से हाथ- पैरों में सूजन, पुरुषों के अंडकोष में सूजन (हाइड्रोसिल) व महिलाओं के स्तन में भी सूजन आ जाती है। जिले की करीब 15.67 लाख आबादी को फाइलेरिया से बचाव की दवा स्वास्थ्य टीम के सामने खिलाई जाएगी। दवा खिलाने के लिए कुल 1299 टीमें (दो सदस्यीय) गठित की गई हैं। टीमों के पर्यवेक्षण के लिए 216 सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं। कहा कि फाइलेरिया, क्यूलेक्स मादा मच्छर के काटने से फैलता है। जब यह मादा मच्छर किसी फाइलेरिया ग्रस्त व्यक्ति को काटती है तो वह संक्रमित हो जाती है। फिर वही मादा मच्छर किसी भी स्वस्थ व्यक्ति को काटकर उसको संक्रमित कर देती है। बीडीओ रूबेन शर्मा, डीपीआरओ नीरज सिन्हा, एसीएमओ व कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा हीरालाल सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी पीके शुक्ला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

संघर्षों से भरा रहा फूलन देवी का जीवनः राकेश मौर्य

♦ फूलन देवी से अन्याय के खिलाफ सदैव लड़ने की प्रेरणा मिलती है : तूफानी सरोज

♦ फूलन देवी का पूरा जीवन संघर्षों से भरा : आशुतोष सिन्हा

केटी न्यूज / जौनपुर

समाजवादी पार्टी जौनपुर के तत्वाधान में पूर्व सांसद वीरांगना फूलन देवी की जयंती समारोह शनिवार को नगर के मंगलम लॉन मियांपुर में आयोजित हुई। सर्वप्रथम उपस्थित सभी सपा पदाधिकारियों ने पूर्व सांसद स्व. फूलन देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। तत्पश्चात अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि जालौन जिले के गोरहा गांव में पिता देवी दीन मल्लाह एवं माता मुला देवी के परिवार में फूलन देवी का जन्म 10 अगस्त 1963 को हुआ। उनका पूरा जीवन संघर्षो से भरा रहा। एक समय ऐसा भी आया जब उन्हें बीहड़ों में भी भटकना पड़ा, लेकिन समाज एवं सरकार से न्याय की उम्मीद खो चुकी फूलन देवी को खुद हथियार उठाना पड़ा। जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि उन्हें सम्मानजनक नई जिंदगी देने का काम समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने उच्च सदन में भेजकर किया। केराकत के विधायक और पूर्व सांसद तूफानी सरोज ने लोकसभा में फूलन देवी के साथ सांसद के रूप में उनके शानदार कार्यों का उल्लेख करते हुए फूलन देवी के साहस को सलाम करते हुए उन्हें संघर्षो की देवी बताया तथा कहा कि समाजवादी पार्टी महिलाओं का हमेशा सम्मान करती है। विधान परिषद सदस्य आशुतोष सिन्हा ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि श्रद्धेय नेताजी के विशाल हृदय और विचार को सलाम करता हूं।जो उन्होंने फूलन देवी जैसी बहादुर महिला को सम्मान दिलाया वहीं देश की आधी आबादी के सम्मान को भी बढ़ाने का काम किया उनका पूरा जीवन संघर्षो से भरा रहा। जयंती समारोह को संबोधित करते हुए छात्र, नौजवान, पीडीए जागरूकता अभियान के प्रभारी और सपुस के प्रदेश महासचिव शैलेश यादव ने कहा कि फूलन देवी जी ने अदम्य साहस और बहादुरी से जो पहचान बनाई उससे पीडीए समाज को प्रेरणा मिलती है। उन्होंने जागरूकता अभियान को सफल बनाने के लिए यूथ के सभी अध्यक्षों और उनकी कार्यकारिणी को जिम्मेदारी से लग जाने का निर्देश दिया। जयंती समारोह के उपरांत अभियान के प्रभारी शैलेश यादव और सह प्रभारी सुमित यादव राजा ने जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की गरिमामई उपस्थिति में बैठक कर चारो फ्रंटल संगठनों को तिथिवार कार्यक्रम को सफल बनाने और सदस्यता अभियान को शत प्रतिशत सफल बनाने का निर्देश दिया। बैठक के पूर्व प्रेस वार्ता आयोजित कर पत्र प्रतिनिधियों को प्रभारी शैलेश यादव, जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य, आशुतोष सिन्हा एमएलसी, विधायक तूफानी सरोज सहित सभी वरिष्ठ नेताओं ने विस्तार से अभियान के विषय में बताया। इस मौके पर जयंती समारोह को पूर्व एमएलसी लल्लन प्रसाद यादव,पूर्व विधायक/पूर्व जिलाध्यक्ष लालबहादुर यादव, पूर्व अध्यक्ष ज़िला पंचायत राजबहादुर यादव, पूर्व मंत्री संगीता यादव, हिसामुद्दीन शाह, रुखसार अहमद, राजदेव पाल, हीरालाल विश्वकर्मा ,राजेंद्र टाइगर आदि उपस्थित थे।

13 अगस्त को गोरिल बाबा मेला का होगा आयोजन

गाजीपुर। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी राजापुर गांव स्थित गोरिल बाबा धाम पर लगने वाले मेले का आयोजन 13 अगस्त मंगलवार को किया गया है। विदित हो कि गोरिल बाबा भूमिहार दोनवार वंश के 52 गांव के लोगों का परम पूज्य मंदिर है, जहां पर त्रिशूलधारी बाबा विराजमान है। इनके दर्शन मात्र से ही लोगों की मनचाही इच्छा पूरी होती है। प्रत्येक वर्ष लगने वाले इस मेले में वाराणसी, गाजीपुर, बलिया, मऊ, बिहार आदि अनेक जनपदों से लोग उपस्थित होकर दर्शन-पूजन करते हैं। गोरिल बाबा मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष नित्यानंद त्रिपाठी एवं ग्राम प्रधान राजापुर अश्वनी राय द्वारा मेले की तैयारी में जी जान से लग हैं।

मऊ जिलाधिकारी ने कंपोजिट विद्यालय का किया आकस्मिक निरीक्षण

बच्चों की कम उपस्थिति पर जताई नाराजगी, दिया दिशा निर्देश

केटी न्यूज / मऊ

जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र ने नगर क्षेत्र स्थित कंपोजिट विद्यालय ख्वाजा जहांपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बच्चों के नामांकन के सापेक्ष बहुत कम उपस्थिति पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने हेतु शिक्षणेत्तर गतिविधियों पर भी विशेष जोर देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने इस हेतु बच्चों के अभिभावकों से नियमित मिलने तथा उनकी उपस्थिति कम होने के कारणों का पता कर उसके निदान हेतु आवश्यक प्रयास करने को कहा। कक्षाओं के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एक शिक्षक के रूप में भी नजर आए।उन्होंने बच्चों से संवाद करते हुए उन्हें पढ़ाई के प्रति प्रेरित भी किया।

जिलाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक के साथ थाना चिरैयाकोट में की जनसुनवाई

मऊ । जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र ने पुलिस अधीक्षक इलामारन के साथ थाना समाधान दिवस पर थाना चिरैयाकोट में जनसुनवाई की। जनसुनवाई के दौरान भूमि संबंधी विवादों के तत्काल विस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम को तत्काल मौके पर जाकर शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने थाना दिवस पर आई समस्त शिकायतों का निस्तारण अगले थाना दिवस के पूर्व ही कर लेने को कहा, जिससे आमजन को ज्यादा भाग दौड़ ना करना पड़े। उन्होंने राजस्व विभाग से संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शिकायतों के निस्तारण के दौरान गुणवत्ता का विशेष ध्यान देने को कहा जिससे दोनों पक्ष संतुष्ट हो सके एवं मामलों का निस्तारण भी नियमानुसार किया जा सके। शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही एवं गलत कार्यों में संलिप्त पाए जाने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

सुभाषितम्

दीपक के प्रकाश की तरह अच्छे काम की ख्याति भी चारों और फैलती है।

विलियम शेक्सपियर

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को हटाने विपक्ष का महाभियोग

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ और विपक्षी सदस्यों के बीच सदन में तीखी-नोंक झोंक हुई। विपक्ष ने सत्ता पक्ष को 2 दिन पहले ही अनौपचारिक रूप से सत्तापक्ष को चेता दिया था,राज्यसभा के सभापति ने यदि सदन मे अपना व्यवहार नहीं बदला, तो वह सभापति के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाएंगे। इस चेतावनी के बाद उपराष्ट्रपति और सभापति जगदीप धनखड़ की नाराजी विपक्ष के साथ और बढ़ गई। गुरुवार को राज्यसभा में तनातनी के बीच जगदीप धनखड़ आसंदी छोड़कर चले गए थे। शुक्रवार को वरिष्ठ राज्यसभा की सदस्य जया अमिताभ बच्चन के साथ उनकी नोकझोंक हुई। सभापति ने जया जी को कहा, आपने एक्टर के रूप में बहुत इज्जत कमाई है। डायरेक्टर के निर्देशन पर एक्टर को कम करना होता है। मुझे किसी से पाठ नहीं पढ़ना है। आप कह रही हैं कि मेरी टोन ठीक नहीं है। आप कितनी भी बड़ी सेलिब्रिटी हों, आपको सदन में मेरे निदेर्शों का पालन करना ही होगा। मैं बर्दाश्त नहीं करूंगा। इसके बाद सदन का माहौल गर्म हो गया। सत्ता पक्ष के सदस्य हो-हल्ला करने लगे। इसी बीच जगदीप धनगढ़ के व्यवहार से विपक्ष भी एकजुट हो गया। मामला इतना गर्म हो गया, कि विपक्ष ने सदन से बहिष्कार कर दिया। विपक्ष इस बात से भी नाराज था। सभापति ने आसंदी से नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बारे में टिप्पणी करते हुए कहा था, वह देश में अराजकता फैला रहे हैं। इसी तरह से राजस्थान के घनश्याम तिवाडी ने मल्लिकार्जुन का नाम लेकर सीधे उन पर परिवारवाद का आरोप लगाया था। विपक्ष का कहना है, सत्ता पक्ष कुछ भी बोलता रहता है। आसंदी चुप रहती है। जब विपक्ष के सदस्य बोलने के लिए खड़े होते हैं। बीच-बीच में उन्हें टोका जाता है। उन्हें बोलने नहीं दिया जाता है। उनकी बातों को रिकॉर्ड से अलग कर दिया जाता है। बीच-बीच में माइक बंद कर दिए जाते हैं। सदस्य से ज्यादा सभापति बोलते हैं। वहीं जब सत्ता पक्ष के सदस्य बोलते हैं, जिन बातों के लिए विपक्ष को आसंदी से रोका जाता है। सत्ता पक्ष जब बोलता है, तो आसंदी चुप रहती है। कुल मिलाकर सभापति जगदीप धनखड़ के पक्षपात और उनके व्यवहार से विपक्षी सांसद नाराज है। शुक्रवार की घटना ने आग में घी डालने का काम किया। पूरे विपक्ष ने बहिष्कार कर पत्रकारों के सामने अपनी नाराजी प्रकट करते हुए कहा जिस तरह का व्यवहार सभापति विपक्ष के साथ कर रहे हैं। राज्यसभा के वरिष्ठ सदस्यों के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी आसंदी में बैठकर कर रहे हैं। यह विपक्ष को स्वीकार नहीं है। विपक्ष उनके खिलाफ संविधान के अनुच्छेद 67 के तहत महाभियोग प्रस्ताव पेश करने की तैयारी कर रहा है। इसी बीच सत्ता पक्ष के सदस्यों ने सदन में विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव रखा। इसके बाद विपक्ष और भी बिफर गया प्राप्त जानकारी के अनुसार विपक्ष ने 90 से ज्यादा राज्यसभा के विपक्षी सांसदों के हस्ताक्षर प्राप्त कर लिए हैं। जल्द ही विपक्ष महाभियोग प्रस्ताव पेश करने जा रहा है। राज्यसभा में जिस तरह से जगदीप धनखड़ विपक्ष के साथ व्यवहार करते हैं। उससे ऐसा लगता है, कि वह प्राइमरी स्कूल के मास्टर हैं। जैसे ही बच्चा कक्षा में बोलने के लिए खड़ा होता है। मास्टर जी बार-बार उसे रोककर समझाने लगते हैं। समय-समय पर अच्छी खासी डांट लगा देते हैं। यह सब विपक्षी सांसदों के साथ वह करते हैं। सत्ता पक्ष के लिए उनका व्यवहार बिल्कुल बदल जाता है। उनके इसी पक्षपात को लेकर विपक्ष नाराज था। पिछले कुछ समय से वह राज्यसभा के सदस्यों को जिस अंदाज और जिस ढंग से उन्हें बोलने से रोकते थे। बार-बार माइक बंद कर देने से राज्यसभा के सदस्य व्यक्तिगत तौर पर उनसे नाराज थे। राज्यसभा उच्च सदन है। अधिकांश सांसद पढ़े-लिखे और सेलिब्रिटी होते हैं। उनका कई वर्षों का राजनीतिक अनुभव होता है। जब से सभापति के पद पर जगदीप धनखड़ चुनकर आए हैं। उसके बाद से ही यह माहौल बना हुआ है। इसके पहले वेंकैया नायडू राज्यसभा के सभापति थे। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में कभी तालमेल नहीं गड़बड़ाया वेंकैया नायडू जहां विपक्ष की मांग सही होती थी। वह सरकार को चर्चा के लिए तैयार करते थे। उनका व्यवहार सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के साथ एक समान होता था। जिसके कारण अभी तक के इतिहास में राज्यसभा में सभापति कोई भी रहा हो। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में कभी टकराव की स्थिति नहीं बनी।

चिंतन-मनन

उपयोगी हल

एक बार की बात है एक राजा था। उसका एक बड़ा-सा राज्य था।एक दिन उसे देश घूमने का विचार आया और उसने देश भ्रमण की योजना बनाई और घूमने निकल पड़ा। जब वह यात्रा से लौट कर अपने महल आया। उसने अपने मंत्रियों से पैरों में दर्द होने की शिकायत की। राजा का कहना था कि मार्ग में जो कंकड़ पत्थर थे वे मेरे पैरों में चुभ गए और इसके लिए कुछ इंतजाम करना चाहिए। कुछ देर विचार करने के बाद उसने अपने सैनिकों व मंत्रियों को आदेश दिया कि देश की संपूर्ण सड़कें चमड़े से ढंक दी जाएं। राजा का ऐसा आदेश सुनकर सब सकते में आ गए। लेकिन किसी ने भी मना करने की हिम्मत नहीं दिखाई। यह तो निश्चित ही था कि इस काम के लिए बहुत सारे रुपए की जरूरत थी। लेकिन फिर भी किसी ने कुछ नहीं कहा। कुछ देर बाद राजा के एक बुद्धिमान मंत्री ने एक युक्ति निकाली। उसने राजा के पास जाकर डरते हुए कहा कि मैं आपको एक सुझाव देना चाहता हूँ। अगर आप इतने रुपयों को अनावश्यक रूप से बर्बाद न करना चाहें तो एक अच्छी तरकीब मेरे पास है। जिससे आपका काम भी हो जाएगा और अनावश्यक रुपयों की बबार्दी भी बच जाएगी। राजा आश्चर्यचकित था क्योंकि पहली बार किसी ने उसकी आज्ञा न मानने की बात कही थी। उसने कहा बताओ क्या सुझाव है। मंत्री ने कहा कि पूरे देश की सड़कों को चमड़े से ढंकने के बजाय आप चमड़े के एक टुकड़े का उपयोग कर अपने पैरों को ही क्यों नहीं ढंक लेते। राजा ने अचरज की दृष्टि से मंत्री को देखा और उसके सुझाव को मानते हुए अपने लिए जूता बनवाने का आदेश दे दिया।

बुद्धदेब भट्टाचाय:मार्क्सवादी कम, बंगाली भद्र मानुष ज्यादा

-ललित गर्ग

आर्थिक उदारवाद लागू करने और पूंजीवाद के साथ तालमेल बिठाने वाले बंगाली गोबाचीव, पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री और कद्दावर मार्क्सवादी नेता बुद्धदेब भट्टाचार्य का 80 साल की उम्र में आठ अगस्त को बालीगंज स्थित उनके पाम एवेन्यू आवास पर निधन हो गया। उनका निधन राजनीति के साथ साहित्य एवं संस्कृति की अपूरणीय क्षति है। बंगाल के बौद्धिक चिंतकों, लेखकों, कवियों, नाट्यकर्मियों और सिने जगत के लोगों के बीच बुद्धदेब बेहद लोकप्रिय थे। उनकी पार्टी के कुछ कॉमरेड उन्हें मार्क्सवादी कम, बंगाली भद्र मानुष ज्यादा मानते थे। वे गहन मानवीय चेतना के चितेरे एवं सतरंगी रेखाओं की सादी तस्वीर थे। एक व्यावहारिक कम्युनिस्ट के रूप में उन्होंने उदारवाद और पूंजीवाद के बीच संतुलन बनाने का साहसिक कार्य करते हुए लोक-कल्याण की भावना को आकार दिया, जो उनके बड़े मानुष का बड़प्पन ही था। पश्चिम बंगाल में वंचित वर्गों के सामाजिक एवं आर्थिक पिछड़ेपन को दूर करने के उल्लेखनीय प्रयास उनके द्वारा किये गये। उनकी लोकप्रियता उनके दल से परे भी पसरी हुई थी, इसीलिए उनके निधन की सूचना से समूचे देश के राजनीतिक माहौल में शोक व्याप्त हो गया, जबकि वे पिछले 13 वर्ष से सक्रिय राजनीति से दूर थे। पर लोग इस आधुनिक कॉमरेड को भूले नहीं थे और न भूल पाएंगे। वे भारत के धर्मनिरपेक्ष और गणतांत्रिक संवैधानिक व्यवस्था की सुरक्षा के प्रति गहरे रूप से प्रतिबद्ध थे।

एक कम्युनिस्ट मुख्यमंत्री के औद्योगिकीकरण और पूंजी को न्योतने के प्रयास आश्चर्यचकित कर देते थे। बुद्धदेब भट्टाचार्य की विरल विशेषता थी कि वे प्रारंभ में पूंजीपतियों के विरोधी थे, तो 1991 के बाद हुए सोवियत संघ के विघटन के बाद बाजारवाद एवं पूंजीवाद के समर्थक हो गये। पश्चिम बंगाल में ज्योति बसु लगातार 24 वर्ष मुख्यमंत्री रहे थे। तभी बुद्धदेब भट्टाचार्य को उप-मुख्यमंत्री बनाकर सीपीएम उनकी ताजपोशी की तैयारी पहले से कर रही थी। तब स्वयं बुद्धदेब भी असमंजस में थे कि ज्योति बसु जैसे वटवृक्ष का उत्तराधिकार वह संभाल पाएंगे या नहीं? लेकिन जब मौका आया तो उन्होंने इस बड़ी जिम्मेदारी को बेखूबी निभाया। प्रदेश से बेरोजगारी खत्म करने के लिए पश्चिम बंगाल में उद्योगों को बढ़ावा देने की ठानी। उन्होंने गरीबों के कल्याण के लिये, रोजगार वृद्धि एवं बंगाल के आर्थिक विकास के लिये औद्योगिक-क्रांति को बल दिया। बतौर मुख्यमंत्री, उन्होंने अपना पूरा ध्यान बेरोजगारी की समस्या दूर करने पर लगाया, जिसकी वजह से बड़ी तादाद में युवा पलायन के लिए मजबूर हो रहे थे। उन्होंने बंगाल में उद्योग और निवेश को लाने के लिए नारा दिया था, ड्ढ्रड्डू इट नाउ, इसे अभी करो।

बुद्धदेब भट्टाचार्य ने राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को बढ़ाया तथा सच्चर कमिटी और रंगनाथ मिश्र आयोग की रिपोर्टों के आने के बाद इसमें अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय के एक अहम हिस्से को शामिल करने के प्रावधान किये। उन्होंने राज्य की सुस्त नौकरशाही को दुरुस्त करने की कोशिश की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सही कहा कि वह एक राजनीतिक दिग्गज थे, जिन्होंने प्रतिबद्धता के साथ राज्य की सेवा की। बुद्धदेव ने मुख्यमंत्री बनने के बाद बंगाल के माहौल को बदलना शुरू किया। उनकी अपनी लोकप्रियता भी बढ़ी, उनके नेतृत्व में वामपंथियों ने साल 2001 और 2006 में विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल की। हर नेता का एक समय आता है, जब चीजें हाथ से निकलने लगती हैं। सिंगुर व नंदीग्राम आंदोलन के समय बुद्धदेब के साथ ही वामपंथी शासन की भी उल्टी गिनती तेज हो गई थी। उनके नेतृत्व की वाम मोर्चे की आखिरी सरकार द्वारा किये गये सही और गलत कामों को लेकर अलग-अलग मत आज तक बरकरार हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल की अर्थव्यवस्था के आधुनिकीकरण तथा युवाओं के लिए राज्य के भीतर रोजगार के अच्छे अवसर उपलब्ध कराने का उनका अधूरा सपना अभी भी बेहद प्रासंगिक बना हुआ है। लम्बी राजनीतिक पारी खेलते हुए बुद्धदेब भट्टाचार्य ने राजनीति जीवन में जिन गुणों का प्रदर्शन किया, वैसे गुण अब सत्ताधारियों में मुश्किल से मिलते हैं। सार्वजनिक जीवन में वे शुचिता एवं सादगी का पर्याय बनकर स्थापित हुए। सत्ता में रहते हुए और जीवन के अंतिम पलों तक एक सामान्य दो कमरे के अपार्टमेंट में उनका निवास रहा। बुद्धदेब सरकारी खर्चे के तामझाम से कोसों दूर रहे। अधिकांश मौकों पर वे धोती कुर्ता में ही नजर आते थे। वेतन का अधिकांश हिस्सा वे पार्टी कोष में जमा करा देते थे और पत्नी के वेतन से परिवार का खर्च चलाया करते थे। उनके जीवन की दास्तान को पढ़ते हुए जीवन के बारे में एक नई सोच पैदा होती है। जीवन सभी जीते हैं पर सार्थक जीवन जीने की कला बहुत कम व्यक्ति जान पाते हैं। बुद्धदेबजी के जीवन कथानक की प्रस्तुति को देखते हुए सुखद आश्चर्य होता है एवं प्रेरणा मिलती है कि किस तरह से दूषित राजनीतिक परिवेश एवं आधुनिक युग के संकुचित दृष्टिकोण वाले समाज में जमीन से जुड़कर आदर्श जीवन जिया जा सकता है, आदर्श स्थापित किया जा सकता है। और उन आदर्शों के माध्यम से देश की राजनीति, सामाजिक, राष्ट्रीय और वैयक्तिक जीवन की अनेक सार्थक दिशाएँ उद्घाटित की जा सकती हैं। अपने लंबे सार्वजनिक एवं राजनीतिक जीवन में वे हमेशा ईमानदारी और विनम्रता की प्रतिमूर्ति बने रहे। साल 1993 में उन्होंने कुछ गलतियों के विरोध में वाम मोर्चा सरकार से इस्तीफा दे दिया था। ज्योति बसु के मनाने पर कुछ महीने बाद वे फिर से मंत्री बने। उस दौरान उन्होंने एक बंगाली नाटक लिखा, जिसमें उन मूल्यों के पतन पर विचार किया गया है, जो वाम आंदोलन ने कभी अपनाया था। अपनी पीढ़ी के नेताओं में वे सबसे अधिक साहित्य, कला एवं संस्कृति के परिवेश से जुड़े हुए थे। सोवियत संघ के पतन के अनुभवों कारण ही वे अनेक मार्क्सवादी-लेनिनवादी धारणाओं पर सवाल उठाते थे। जितने सफल जननायक थे उतने ही प्रखर लेखक थे। उन्हें निर्भीक विचारों, स्वतंत्र लेखनी और बेबाक राजनैतिक टिप्पणियों के लिये जाना जाता रहा है। वे गरीबों, अभावग्रस्तों, पीड़ितों और मजलूमों की आवाज बनते रहे। भट्टाचार्य का जन्म 1 मार्च 1944 को उत्तरी कोलकाता में एक विद्वान पृष्ठभूमि वाले परिवार में हुआ था। वह प्रसिद्ध बंगाली कवि सुकांत भट्टाचार्य के दूर के रिश्तेदार थे, जिन्होंने आधुनिक बंगाली कविता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

जया को रोऊँ की रोऊँ जगदीप को ?

- राकेश अचल

राज्यसभा के सभापति श्रीमान जगदीप घनकड़ ने घाट -घाट का पानी पिया है लेकिन वे उम्र और अनुभव में जया बच्चन से उन्नीस ही बैठते है। जगदीप जी, जया से तीन साल छोटे है। वे केंद्र में एक बार मंत्री रहे हैं लेकिन जया बच्चन राज्य सभा में पांचवीं बार आयीं हैं । धनकड़ साहब 1978 से सार्वजनिक जीएवं में हैं और जया बच्चन 1968 से।

`राज्यसभा में पांचवीं बार पहुंची सातवें दशक की गुड्डी यानि आज की जया बच्चन और राज्यसभा के सभापति जगदीप घनकड़ के बीच हुए वाक्युद्ध के बाद लगता है के राजनीति में कड़वाहट का नया अध्याय शुरू होगा। इस नए अध्याय में जया बच्चन का तो कुछ नहीं बिगड़ेगा लेकिन जगदीप धनकड़ हमेशा के लिए एक नाकाम सभापति के रूप में दर्ज हो जायेंगे ,भले ही विपक्ष द्वारा लाया जाने वाला अविश्वास प्रस्ताव सदन में पारित हो या न हो। संसद के उच्च सदन के सभापति लोकसभा के अध्यक्ष श्रीमान ओम बिरला की ही तरह कठपुतली साबित हुए हैं। दोनों अपने आपको भाजपा का ार्यकता होने की ग्रंथि से मुक्त नहीं हो पाए। काश यदि ऐसा हो जाता दो सदन को और देश को ऐसे बुरे दिन नहीं देखना पड़ते। समस्या ये है की हम धनकड़ का समर्थन करें या जाया बच्चन का ? जया बच्चन अपनी जगह सही हैं और धनकड़ को तो सही होना ही है क्योंकि वे सभापति हैं। लेकिन दुनिया भर के देहभाषा विशेषज्ञ बता सकते हैं कि राज्य सभा में इस कड़वाहट के लिए जिम्मेदार कौन है ?

राज्यसभा के सभापति श्रीमान जगदीप घनकड़ ने घाट -घाट का पानी पिया है लेकिन वे उम्र और अनुभव में जया बच्चन से उन्नीस ही बैठते है। जगदीप जी, जया से तीन साल छोटे है। वे केंद्र में एक बार मंत्री रहे हैं लेकिन जया बच्चन राज्य सभा में पांचवीं बार आयीं हैं । धनकड़ साहब 1978 से सार्वजनिक जीएवं में हैं और जया बच्चन 1968 से। मैंने उनकी पहली फिल्म महानगर भी देखी है और आखरी फिल्मी ड्रामा रॉकी और रानी की प्रेम कहानी भी देखी है । जब मै युवा था तब मेरी निकटता एक पत्रकार के रूप में जया बच्चन के पिताश्री स्वर्गीय तरुण भादुड़ी से भी थी। वे बताया करते थे कि जया बचपन से तुनकमिजाज रही है ,लेकिन लड़ती हमेशा मुद्दों को लेकर है।

धनकड़ साहब को मै एक केंद्रीय मंत्री के रूप में याद नहीं कर पा रहा हूँ । वे 1990 -91 में तत्कालीन प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की अल्पजीवी सरकार के संसदीय कार्यमंत्री थे। धनकड़ की असल पहचान पश्चिम बंगाल के राज्यपाल बनने के बाद हुई ।राज्यपाल के रूप में जगदीप साहब ने जिस तरह से भाजपा कार्यकर्ता के रूप में बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी से टक्कर ली उसने उन्हें सुर्खियों में ला दिया। बंगाल में उनकी कोशिशों के बावजूद ममता सत्ताच्युत नहीं हो पायीं ,लेकिन धनकड़ साहब की ईनाम स्वरूप देश का उपराष्ट्रपति बना दिया गया। इस नाते वे राज्यसभा के सभापति बन गए ,लेकिन वे ये याद नहीं रख पाए कि एक राज्यपाल की भूमिका और एक सभापपति की भूमिका में जमीन -आसमान का भेद है। माननीय धनकड़ साहब को मै लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला जी के मुकाबले ज्यादा योग्य मानता हूँ। ये मेरी निजी राय है । वे वाकपटु हैं ,विनोदी हैं, सहनशील हैं लेकिन बिरला और धनकड़ में जो समानता है वो ये है कि दोनों अपने आपको मोशा की जोड़ी का वफादार साबित करने की होड़ में स्तरहीन साबित हो गए हैं। शुक्रवार को राज्यसभा में धनकड़ और जया बच्चन की तकरार जिसने भी देखी उसे ये समझने में कोई दिक्क्त नहीं हुई होगी कि धनकड़ साहब आपे से बाहर थे। जया बच्चन ने जो मुद्दा उठाया था उसे सहजता से सुलटाया जा सकता था । उसके लिए किसी कानून की नहीं बल्कि हिकमत अमली की जरूरत थी । लेकिन धनकड़ साहब लगातार इस बात पर अड़े रहे कि जया बच्चन का जो नाम रिकार्ड में दर्ज है वे उसी का उल्लेख कर रहे हैं। सवाल ये है की क्या वे ऐसा सबके साथ करते हैं ? क्या कभी उन्होंने नरेंद्र मोदी जी को रिकार्ड में दर्ज नरेंद्र दामोदर दास मोदी या गृहमंत्री अमित शाह को उनके पूरे नाम से सम्बोधित किया ? शायद नहीं किया और कर भी नहीं सकते क्योंकि वे सरकार के एजेंट के रूप में काम करते दिखाई देते है। देश ने उन्हें सभापपति कि पद पर बैठकर आरएसएस का समर्थन करते हुए देखा है। धनकड़ साहब जितने अविश्वसनीय बंगाल कि राज्यपाल कि रूप में थे ,उतने ही अविश्वसनीय राज्य सभा कि सभापति के रूप में भी हैं।

हमारे यहां कहते हैं कि - अभी भी बेटी बाप की है अर्थात यदि धनकड़ साहब अपने व्यवहार के लिए खेद प्रकट कर दें तो मुमकिन है कि विपक्ष उन्हें माफ कर दे ,लेकिन यदि वे इतना भी नहीं करते तो तय है कि विपक्ष उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ला सकता है। सत्ता पक्ष धनकड़ को बचाने कि लिए विपक्ष कि खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है। लेकिन ये समस्या का समाधान नहीं है ,बल्कि इससे कटुता और बढ़ेगी और भविष्य में सदन को चलना मुश्किल हो जाएगा। धनकड़ के व्यवहार को लेकर जया बच्चन इस बार अकेली नहीं हैं। समूचा विपक्ष उनके समर्थन में सदन का बहिष्कार कर चुका है। जया बच्चन ने भी साफ कह दिया है कि इस मुद्दे पर वे निजी रूप से कोई फैसला नहीं लेंगी ,जो करना है विपक्ष को करना है । विपक्ष के नेता जो कहेंगे सो होगा। यानि पेंच उलझ गया है। आज और कल का दिन इस मुद्दे का सम्यक हल निकालने के लिए सत्तापक्ष और खुद धनकड़ साहब के पास है । धनकड़ साहब को समझ लेना चाहिए कि अकड़ से काम नहीं चलेगा । उन्हें इस मामले में अपना आदर्श पूर्व सभापति स्वर्गीय डॉ शंकर दयाल शर्मा के व्यवहार को बना लेना चाहिए। अन्यथा किरकिरी धनकड़ साहब की ही होने वाली है। जया बच्चन का कुछ नहीं बिगड़ने वाला। इस मामले में भाजपा के नेतृत्व से कोई अपेक्षा करने का कोई अर्थ नहीं है। देखिये राजयसभा में कटुता की बेल मुरझाती है या और फैलती है।? मेरी मुश्किल है कि मै न जया बच्चन को सराहना चाहता हूँ और न धनकड़ साहब को । जया जी को भी समझना चाहिए की वे 1971 वाली जया नहीं हैं।

भूजल का प्रबंधन

- मुकेश तिवारी

भूजल का गिरता स्तर और इसकी वजह से निकट भविष्य में गहराने वाले संकट के मसले पर पिछले कुछ वर्षों से निरंतर चर्चा होती रही है। इस चिंता के मद्देनजर न सिर्फ हिंदुस्तान। बल्कि वैश्विक पैमाने पर सम्मेलनों और सेमिनारों में आने वाले दिनों में पानी कि किल्लत को लेकर चेतावनी दी जाती रही है। लेकिन चिंता जताना और संकट का निदान करना अलग-अलग बातें हैं। यह सही है कि केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से जल संकट को लेकर तमाम कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं तो इनका मकसद चुनौतियों को पार पाना ही है। लेकिन यह भी कड़वा सच है कि स्थानीय हालात और जरूरत के आधार पर यदि कोई पहल कदमी होती है। तभी इस संकट से निजात पाने की उम्मीद की जा सकती है।

इस लिहाज से देखें तो 25अकटूबर 2019को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की 95वी जयंती के मौके पर अटल भूजल योजना की शुरूआत इस दिशा में एक अहम कदम है। इस योजना को वर्ल्ड बैंक मंजूरी दे चुका है। दिलचस्प बात है कि यदि उक्त योजना वृहद रूप में 2025तक भी पूर्ण रूप से धरातल पर उतरती है तो इससे फिलहाल सात राज्यों मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, राजस्थान, महाराष्ट्र के 8350 गांवों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

दरअसल भूजल के तेजी से गिरते स्तर को लेकर चिंता लंबे समय से जताई जाती रही है।लेकिन इस गहराती समस्या का निदान कैसे हो। इसकी दिशा अभी पूर्ण तौर पर स्पष्ट नहीं हैं।न सिर्फ वर्षा से जल के संरक्षण के पहलू पर कोई बड़ी कार्य योजना धरातल पर उतर सकी है।न अन्य स्त्रोतों की वास्तविक स्थिति का आकलन करके उसके समाधान को लेकर ठोस पहल हुई है। हालांकि लखनऊ में अटल भूजल योजना की शुरूआत से तकरीबन छह माह पहले प्रधानमंत्री ने पानी की एक एक बूंद के संरक्षण को लेकर जागरूकता अभियान प्रारंभ करने पर जोर दिया था। यह अपने आप में यह बताने के लिए काफी है कि भूजल के स्तर और समग्र पैमाने पर जल की उपलब्धता को लेकर सरकार फिक्रमंद अवश्य है। लेकिन इस संकट से निदान हेतु एक समग्र योजना के साथ जमीनी अमल अभी बाकी है। समस्या यह है कि बड़े पैमाने पर पानी का उपयोग और उसकी बबार्दी करने वालों पर किसी ने भी अभी तक लगाम नहीं लगाई है। यह गांवों और शहरों में बर्षा जल के संरक्षण को लेकर सजगता नहीं होने और इससे उत्पन्न होने वाली समस्या से इतर एक पहलू है। जिसमें भारी मात्रा में पानी की बबार्दी होती है। सवाल है कि जल संरक्षण को लेकर जताईं जाने वाली चिंता के मद्देनजर क्या इस समस्या के बुनियादी पहलूओ पर भी गौर किया जाएगा। हमारे मुल्क में ऐसे तमाम इलाके हैं। जहां भूजल का स्तर चिंता जनक स्तर तक नीचे चला गया है। इसका असर फसलों के उत्पादन के चक्र पर पड़ा है। जिसमें सिंचाई के लिए ज्यादा पानी की जरूरत वाली फसलें बुरी तरह प्रभावित हो रही है। हाल के दिनों में यह राय सामने आई है कि सिंचाई के लिए भूजल के बढ़ते संकट के मद्देनजर कम पानी की जरूरत वाली वैकल्पिक फसलें उगाने और सूक्ष्म सिंचाई की और कदम बढ़ाने की जरूरत है। हालांकि यह किसी से ढक छिपा नहीं है कि हमारे मुल्क में पानी के संरक्षण के कई पारंपरिक तौर तरीके चलन में रहे हैं। लेकिन यह समझना मुश्किल है कि आखिर किन कारणों से हम उन परंपराओं से दूर होते गए।

आज का राशिफल

मेष आज दिन शुभ है और कारोबार में जोखिम लेने से आपको बड़ी सफलता मिल सकती है।

तुला आज दिन शुभ है। नौकरी में बेहतर प्रस्ताव मिलेंगे और कारोबार में आपको अच्छा मुनाफा होगा।

वृषभ दिन करियर के मामले में सफलता से भरा होगा और कारोबार में मुनाफा होने से मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक आपको सभी कार्य में सकारात्मक मिलने से मन में काफी प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन आज दिन लाभ से भरा होगा। आपके लिए ऑफिस का माहौल भी खुशनुमा रहेगा।

धनु आपका दिन सफलता में बीतेगा। कोई मांगलिक कार्य आयोजित होने के शुभ योग बन रहे हैं।

कर्क आज थोड़ा सावधान रहने की जरूरत है, वरना आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

मकर आज दिन लाभ से भरा होगा। मित्रों के साथ किसी कारण से तनाव हो सकता है।

सिंह आज दिन लाभ और सफलता से भरा होगा। आपका दिन काफी मेहनत से भरा होगा।

कुंभ आज लाभ होगा और आपका दिन मानसिक परेशानी और थकान वाला हो सकता है।

कन्या आज दिन सफलता से भरा होगा। आपको कहीं से रुके धन की प्राप्ति होने से खुशी होगी।

मीन आज करियर को लेकर काफी भागदौड़ करनी पड़ेगी। आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा।

विशेष

बिहार की राजनीति को बिलोर रहे हैं प्रशांत किशोर

प्रशांत किशोर को जब से राजनीतिक दलों ने धता बताया है। उसके बाद से उन्होंने अपनी सक्रियता बिहार में बढ़ा दी है। जन सुराज पार्टी की प्रशांत किशोर ने स्थापना की है। 1 महीने के अंतराल में उन्होंने बिहार में दो सभाएं की हैं। उनकी सभा में भारी भीड़ जुट रही है। वह अपनी सभा में जय बिहार का नारा लगा रहे हैं। बड़े बदलाव का वादा कर रहे हैं। राजनीतिक दलों के नेताओं को लग रहा है। दिल्ली की आम आदमी पार्टी की तरह कहीं प्रशांत किशोर काबिज ना हो जाएं। इसको लेकर राजनीतिक दलों की चिंता बढ़ गई है। प्रशांत किशोर ने जिस तरह की अपनी छवि बिहार में बनाई है। उसको लेकर पिछड़ों और स्वर्ण राजनीति में फेरबदल के आसार बनने लगे हैं।

मध्य एवं उच्च मध्यम वर्ग भी भाजपा से नाराज

केंद्रीय बजट में जिस तरह से मध्यम वर्ग और उच्च मध्यम वर्ग के लिए कोई राहत नहीं है। उल्टे कैपिटल गेन और आयकर मे छूट खत्म कर सरकार ने मध्यम ओर उच्च मध्यम वर्ग के ऊपर एक ठीकरा फोड़ दिया है। केंद्रीय बजट प्रस्तुत होने के बाद से मध्यम एवं उच्च मध्यम वर्ग नाराज है। यह वर्ग बचत करता है। सरकार ने बचत पर छूट समाप्त कर दी है। उल्टे उस पर टैक्स बढ़ा दिया है। जिसके कारण मध्यम वर्ग की भाजपा से अब दूरियां बनने लगी हैं। आने वाले समय में भाजपा के लिए मुसीबतें और बढ़ने वाली हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1553 लेडी जेन ग्रे और अन्यों के खिलाफ इंग्लैंड में राजद्रोह का मुकदमा शुरू हुआ। 1780 पंजाब के महाराजा रणजीत सिंह का जन्म। 1850 सस्काटिश लेखक राबर्ट लुआ स्टीवेंसन का जन्म। 1913 यूनान और तुर्की के बीच शांति संधि हुई। 1948 आस्ट्रिया गणराज्य बना। 1942 ब्रिटिश फौजों ने तोबरक पर पुनः कब्जा किया। 1945 सुकर्णो इंडोनेशिया के राष्ट्रपति बने । 1950 तिब्बत ने चीनी आक्रमण के खिलाफ राष्ट्र संघ में अपील की। 1961 कांगो सरकार ने कटांगा प्रांत में कानून और व्यवस्था बनाए रखने की अपील राष्ट्र संघ से की। 1968 पाकिस्तान में जुल्फीकार अली भुट्टो गिरफ्तार किए गए । 1975 विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एशिया के चेचक से मुक्त होने की घोषणा की। 1977 सोमालिया ने सोवियत सलाहकारों को अपने यहाँ से निकाल दिया।

दैनिक पंचांग

11 अगस्त 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.03 बजे से
चंद्र	तुला में	कन्या	08.14 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	10.25 बजे से
बुध	सिंह में	वृश्चिक	12.40 ब.से
गुरु	वृष में	धनु	14.56 बजे से
शुक्र	सिंह में	मकर	17.01 बजे से
शनि	कुंभ में	कुंभ	18.48 बजे से
राहु	मीन में	मीन	20.20 बजे से
केतु	कन्या में	मेष	21.51 बजे से
		वृष	23.31 बजे से
		मिथुन	01.29 बजे से
		कर्क	03.43 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2024 वर्ष का 224 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ला
तिथि षष्ठी 05.46 बजे को समाप्त।
नक्षत्र चित्रा 05.49 बजे को समाप्त।
योग शुभ 15.49 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 05.46 बजे तदनन्तर गर 18.54 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 6.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 15° 11'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872068
जूलियन दिन 2460533.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना सफर **तारीख** 06
विशेष तुलसीदास जयंती, विश्व जनसंख्या दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक		शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक	
चर	07.23 से	08.51 बजे तक		अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक	
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक		चर	08.41 से	10.14 बजे तक	
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक		रोग	10.14 से	11.46 बजे तक	
काल	11.46 से	01.14 बजे तक		काल	11.46 से	01.19 बजे तक	
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक		लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक	
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक		उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक	
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक		शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

कैसे बनते हैं सरकारी विभाग में स्टेनोग्राफर, क्या करना होता है काम

सरकारी विभागों में स्टेनोग्राफर का पद काफी महत्वपूर्ण है. एक स्टेनोग्राफर राइटिंग/ टाइपिंग/ ट्रांसक्राइबिंग और ऑफिस डॉक्यूमेंट्स के रख-रखाव जैसे काम करता है. ट्रांसक्राइबिंग का मतलब स्पष्ट करना जरूरी है. इसका मतलब है कि किसी व्यक्ति के द्वारा बोली जा रही बातों को शॉर्टहैंड में लिखना.

ट्रांसक्राइब का काम आमतौर पर अधिकारियों द्वारा ली जा रही किसी मीटिंग में होता है. इसलिए एक स्टेनोग्राफर बनने के लिए सबसे पहले शॉर्टहैंड राइटिंग स्किल का होना जरूरी है. इसे स्टेनोग्राफी कहते हैं. स्टेनोग्राफर की जरूरत अंग्रेजी और हिंदी के अलावा अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में भी होती है. स्टेनोग्राफर की भर्ती विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में समय-समय पर निकलती रहती है. सरकारी विभागों के साथ प्राइवेट सेक्टर में भी स्टेनोग्राफर की अच्छी खासी डिमांड है.

स्टेनोग्राफर के लिए शैक्षणिक योग्यता

स्टेनोग्राफर बनने के लिए 12वीं पास होने मे साथ स्टेनोग्राफी में डिप्लोमा/सर्टिफिकेट होना जरूरी है. स्टेनोग्राफी स्किल टेस्ट में हिंदी के लिए कम ये कम 25 शब्द प्रति मिनट की टाइपिंग स्पीड और शॉर्टहैंड की स्पीड 80 शब्द प्रति मिनट होना चाहिए. जबकि अंग्रेजी भाषा में स्टेनोग्राफी करने के लिए 30 शब्द प्रति मिनट टाइपिंग स्पीड और शॉर्टहैंड स्पीड कम से कम 100 शब्द प्रति मिनट होनी चाहिए. हालांकि कुछ विभागों में योग्यता भिन्न-भिन्न हो सकती है. इसलिए नोटिफिकेशन जरूर देखना होगा.

स्टेनोग्राफर बनने की उम्र सीमा

स्टेनोग्राफर बनने के लिए उम्र सीमा 18 से 25 साल है. स्टेनोग्राफर भर्ती में आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को नियमानुसार छूट मिलेगी.

स्टेनोग्राफर बनने की सैलरी

सरकारी विभागों में स्टेनोग्राफर को पे-बैंड 1 अर्थात रु.5200-20200 और रु.2600 ग्रेड पे के अनुसार सैलरी मिलती है. इसके अनुसार शुरुआती सैलरी लगभग रु.30,000 मिलती है. ग्रेड पे अलग-अलग विभागों में अलग-अलग हो सकता है.

वित्त मंत्रालय में कैसे मिलती है नौकरी?

जानें पेपर पैटर्न से लेकर सेलेक्शन प्रोसेस से जुड़ी डिटेल्स

वित्त मंत्रालय में नौकरी करने की चाह रखने वाले कैंडिडेट्स के लिए कुछ मानदंड तय किए गए हैं। चलिए जानते हैं पेपर पैटर्न से लेकर सेलेक्शन प्रोसेस से जुड़ी हर एक जानकारी।

मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट पेश हो चुका है। इस बजट को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में पेश किया था। यूनियन बजट पर बच्चे, युवा, बड़े और बूढ़े सभी की नजरें टिकी हुई थी। सरकारी नौकरी की चाह रखने वाले कई युवा फाइनेंस मिनिस्ट्री में नौकरी करने के बारे में सोचते हैं। अगर आप भी वित्त मंत्रालय में नौकरी करने का सपना देख रहे हैं, तो इस लेख में आज हम आपको वित्त मंत्रालय में नौकरी कैसे मिलती है, योग्यता, चयन प्रक्रिया आयु सीमा और सैलरी के बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं।

वित्त मंत्रालय में निकलने वाली भर्तियों का कैसे पता लगाएं?

सरकारी नौकरी के सभी सेक्टर में निकलने वाली भर्ती के बारे में हमें उनकी ऑफिशियल साइट के साथ सरकारी नौकरी नाम के पेज पर सभी अपडेट मिल जाती है। बता दें कि अगर आप इस पर वित्त मंत्रालय की भर्तियों के बारे में नहीं पता कर पा रहे हैं, तो बता दें कि आप वित्त मंत्रालय की आधिकारिक साइट पर देख सकते हैं।

वित्त मंत्रालय में नौकरी पाने की उम्र

वित्त मंत्रालय में नौकरी करने का सपना देखने वाले छात्रों के लिए तय मानदंड के अनुसार, उम्मीदवारों की उम्र 64 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। अगर आपकी उम्र इससे ज्यादा है तो आप आवेदन के योग्य नहीं हैं।

वित्त मंत्रालय कर्मचारी की सैलरी क्या होती है?

वित्त मंत्रालय में नियुक्ति होने वाले कर्मचारी की सैलरी की बात करें, तो उम्मीदवारों का सेलेक्शन होने के बाद उन्हें आधिकारिक नोटिफिकेशन में दिए गए नियमों के अनुसार सैलरी दी जाती है। यह सैलरी पद और योग्यता के आधार पर निर्भर करती है।

वित्त मंत्रालय में आवेदन की प्रक्रिया क्या है?

वित्त मंत्रालय में नौकरी के लिए आवेदन प्रक्रिया दो तरीकों से होती है। पहला ईमेल के जरिए कैंडिडेट्स अपने आवेदन पत्र को ईमेल से registrar-atfp@gov.in पर भेज सकते हैं। इसके अलावा दूसरा तरीका डाक के जरिए होता है।

फाइनेंस सेक्टर में बनाना चाहते हैं करियर, जानें कोर्स और एडमिशन से जुड़ी डिटेल्स

वित्तीय मामलों का समाधान आंकड़ों से जुड़ा हुआ होता है। ऐसे में फाइनेंशियल एडवाइजर बनने के लिए फाइनेंस भाषा की सही पकड़ होनी जरूरी है। चलिए जानते है कि फाइनेंस सेक्टर में करियर कैसे बना सकते हैं। देश की वित्त मंत्री ने बजट पेश किया। बजट तैयार करने के लिए पहले से पूरी फाइनेंशियल टीम बैठकर बातचीत और सभी तथ्यों को देखते हुए बजट तय करती हैं। ऐसे में बहुत से स्टूडेंट अपना करियर फाइनेंस सेक्टर में बनाना चाहते हैं। कस्टमर को उपयोगी वित्तीय सलाह देने के लिए इन दिनों फाइनेंशियल एडवाइजर की काफी मांग हो रही है। ऐसे में प्रोफेशनल्स फाइनेंसर की हर कपंनी में जरूरत होती है। फाइनेंस मामलों में ज्यादातर आंकडों का खेल और फाइनेंस की भाषा को समझना जरूरी होता है। अगर आपके अंदर यह क्वालिटी है तो आप फाइनेंस सेक्टर में अपना करियर बना सकती हैं। चलिए जानते हैं इस सेक्टर में काम करने के लिए कोर्स और कौन से कॉलेज बेस्ट हैं।

फाइनेंस सेक्टर में करियर बनाने के लिए शैक्षिक योग्यता

फाइनेंस सेक्टर में करियर बनाने के लिए उम्मीदवार को कैट एग्जाम क्लियर करना होता है। इसके बाद भारत के किसी भी अच्छे बिजनेस या मैनेजमेंट संस्थान में एडमिशन ले सकते हैं। इसके साथ ही फाइनेंस सेक्टर में उच्च शिक्षा के लिए आप किसी भी स्ट्रीम में बैचलर डिग्री का होना जरूरी है। पहले कामर्स के स्टूडेंट्स इस फील्ड में अपना करियर बना सकते थे। लेकिन

बढ़ते क्षेत्र को देखते हुए बीएससी, बीए, बीबीए और बीई से पढ़े हुए छात्र भी एडमिशन ले सकते हैं। इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आप एमबीए इन फाइनेंस, एमएस इन फाइनेंस, मास्टर डिग्री इन फाइनेंशियल इंजीनियरिंग, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन बैंकिंग एंड फाइनेंस, एडवांस डिप्लोमा इन बैंकिंग एंड फाइनेंस जैसे कोर्स भी कर सकते हैं।

फाइनेंस के इन सेक्टर में नौकरी का अवसर

फाइनेंस एडवाइजर,अकाउंटेंट, आडिटर, इकोनामिस्ट, इंश्योरेंस सेल्स एजेंट, इंश्योरेंस अंडरराइटर, लोन आफिसर, पर्सनल फाइनेंशियल एडवाइजर, टैक्स इंस्पेक्टर, रेवेन्यू एजेंट आदि रोल में काम कर सकते हैं। अगर आपने केवल फाइनेंस में ग्रेजुएशन किया है तो आप किसी बिजनेस न्यजू पेपर, पत्रिका आदि में फाइनेंस रिपोर्टर और वित्तीय विश्लेषक के रूप में भी काम कर सकते हैं। बता दें कि बैंक, इंश्योरेंस और ट्रेडिंग कंपनियां अपने वित्तीय उत्पादों मसलन, कर्ज, इंश्योरेंस, शेयर, ब्रांड्स और म्युचुअल फंड को बेचने के लिए फाइनेंशियल एडवाइजर्स का चयन करती हैं। इसके अलावा आज के समय विदेशों में भी फाइनेंशियल एडवाइजर की मांग काफी तेजी से हो रही है।

स्वीडन में पढ़ाई के लिए आकर्षित हो रहे हैं भारतीय छात्र

पढ़ाई खत्म होने के बाद छात्र नौकरी ढूंढने के लिए अगले छह महीनों तक स्वीडन में रुक सकते हैं। अगर उन्हें नौकरी मिल जाती है तो आमतौर पर कंपनियां उन्हें स्थायी कर्मचारी बनाने के लिए इमिग्रेशन में मदद करती है...

बिजनेस स्वीडन के सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर हिंदुजा के लिए स्वीडन में पढ़ाई क्रिएटिविटी और गंभीर सोच है। यहां भारतीय छात्र कई विषयों में उच्च शिक्षा ग्रहण करने आते हैं जिसमें इंडस्ट्रियल डिजाइन, कंप्यूटर साइंस, एयरोनॉटिक्स, ऑटोमेटिव इंजिनियरिंग, रोबोटिक्स, एनवायरमेंट साइंस आदि शामिल है।स्थिरता यहां शिक्षा का हिस्सा है और स्वीडन के आउटडोर एक्सरसाइज, आउटडोर एजुकेशन और प्रकृति के संरक्षण से जुड़ा हुआ है। यहां सभी को समान माना जाता है और चीजों को पूरा करने में सभी का समान योगदान माना जाता है। स्वीडन में पढ़ाई के लिए आने वाले छात्रों को यहां के पढ़ाई के माहौल के बारें में जानकारी हासिल करने आना चाहिए जिसके बारे में किताबों से पता नहीं चलता।

पढ़ाई का खर्च

स्वीडन में पढ़ाई को लेकर औसत खर्च की बात करें तो यह 50,000-1,20,000 सालाना स्वीडिश क्रोन पड़ता है। एक स्विडिश क्रोन भारत के करीब 7 रुपए के बराबर होता है। पढ़ाई का खर्च आपकी यूनिवर्सिटी और कोर्स पर भी निर्भर करता है। यहां पढ़ाई के दौरान काम करने की कोई लिमिट नहीं है। आप पढ़ाई के दौरान जब तक चाहे काम कर सकते हैं 2016-17 में करीब 1500 भारतीय छात्रों ने यहां से पढ़ाई पूरी की थी।

वीजा के नियम

पढ़ाई खत्म होने के बाद छात्र नौकरी ढूंढने के लिए अगले छह महीनों तक स्वीडन में रुक सकते हैं। अगर उन्हें नौकरी मिल जाती है तो आमतौर पर कंपनियां उन्हें स्थायी कर्मचारी बनाने के लिए इमिग्रेशन में मदद करती है।

संस्कृति

स्वीडन में घुलना मिलना काफी आसान होता है। लगभग सभी मास्टर्स प्रोग्राम इंगलिश में कराए जाते हैं और कई यूनिवर्सिटिज में इंडियन क्लब और सोसायटी भी होती हैं। भोजन की यहां दिक्कत नहीं होती क्योंकि यहां अधिकतर शाकाहारी भोजन पसंद किया जाता है। स्वीडन में ठंड होती है लेकिन उन्नत किस्म का इंफ्रास्ट्रक्चर इस परेशानी को कम कर देता है। 'स्वीडन में कहा जाता है कि खराब मौसम जैसा कुछ नहीं होता बल्कि खराब कपड़े पहनना परेशानी का कारण होता है।

सोशल साइंस में रखते हैं दिलचस्पी तो इस फील्ड में नौकरियों की अपार संभावनाएं

अगर आप भी सोशल साइंस में दिलचस्पी रखते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि सोशल साइंस की पढ़ाई के बाद किन क्षेत्रों में अपना कॅरियर बना सकते हैं।

आज के समय में लोग अपने कॅरियर को लेकर काफी परेशान रहते हैं। अगर आप भी सोशल साइंस में दिलचस्पी रखते हैं, तो आप इस फील्ड में काफी शानदार कॅरियर बना सकते हैं। बता दें कि सोशल साइंस के फील्ड को काफी बड़ा माना जाता है। इस फील्ड में पढ़ाई के बाद नौकरियों की अपार संभावनाएं आपके सामने होती हैं। ऐसे में अगर आप भी सोशल साइंस में दिलचस्पी रखते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि सोशल साइंस की पढ़ाई के बाद किन क्षेत्रों में अपना कॅरियर बना सकते हैं।

सिविल सेवा - सोशल साइंस ग्रेजुएट स्टूडेंट्स के लिए सिविल सेवा सबसे कॉमन कॅरियर ऑप्शन है। किसी भी सब्जेक्ट में ग्रेजुएशन करने के बाद आप सिविल सेवा की परीक्षा में भाग ले सकते हैं।

इकोनॉमिस्ट - आमतौर पर उत्पादों और सेवाओं की डिमांड और सप्लाई के आंकड़ों की जांच इकोनॉमिस्ट करता है। इकोनॉमिस्ट इकोनॉमिक डेवलपमेंट, टैक्स रेट और बिजनेस साइकल जैसे क्षेत्रों में मात्रात्मक और गुणात्मक रिसर्च करते हैं। अगर आप अर्थशास्त्र में अच्छी खासी रुचि रखते हैं, तो आप सोशल साइंस से ग्रेजुएशन कर सकते हैं।

पॉलिटिकल साइंटिस्ट - पॉलिटिकल साइंटिस्ट पॉलिसी, पॉलिटिकल ट्रेंड और आइडिया पॉलिसी को समझने के लिए गुणात्मक और मात्रात्मक रिसर्च की सहायता लेता है। ज्यादातर पॉलिटिकल साइंटिस्ट थिंक टैंक, शैक्षणिक संस्थानों, राजनीतिक वैज्ञानिक सरकारी विभागों के साथ-साथ गैर-लाभकारी संगठनों के भीतर काम करते हैं।

ऑर्गनाइजेशनल साइकोलॉजिस्ट - सोशल साइंस ग्रेजुएट के लिए ऑर्गनाइजेशनल साइकोलॉजिस्ट एक उभरता हुआ कॅरियर ऑप्शन है। यह ऑर्गनाइजेशन वर्कप्लेस में ह्यूमन बिहेवियर को स्टडी करने का काम करते हैं। इस फील्ड के एक्सपर्ट मैनेजमेंट के साथ सहयोग कर कंपनी में स्टाफ की हायरिंग और ट्रेनिंग का काम भी करते हैं।

रिसर्चर - ग्रेजुएशन करने के बाद स्टूडेंट पोस्ट ग्रेजुएशन और रिसर्च कोर्स के लिए आप एकेडमिक पढ़ाई को जारी रख सकते हैं। इसके अलावा ग्रेजुएट एक सर्वे रिसर्चर के तौर पर भी अपने कॅरियर की शुरूआत कर सकते हैं।

अर्बन एंड रीजनल प्लानर - सोशल साइंस ग्रेजुएट करने वाले छात्र अर्बन एंड रीजनल प्लानर के तौर पर भी अपना कॅरियर बना सकते हैं। बता दें कि शहरों में स्मार्ट सिटी मिशन के तहत देश के शहरीकरण ने इन प्लानर की मांग में तेजी से वृद्धि हुई है। अर्बन एंड रीजनल प्लानर यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रस्ताव और योजनाएं सभी जोनिंग, पर्यावरणीय नियमों और बिल्डिंग कोड को पूरा करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमेज़न इंडिया ने 72 घंटे के अंदर राहत सामग्री पहुंचाने के लिए चार केंद्र स्थापित किए

मुंबई एजेंसी। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन इंडिया ने आपदा प्रबंधन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए देश के विभिन्न हिस्सों में चार अस्थायी केंद्र स्थापित किए हैं। इन केंद्रों का उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं के दौरान 72 घंटे से कम समय में राहत सामग्री पहुंचाना है। ये केंद्र ठाणे (महाराष्ट्र), फरीदाबाद (हरियाणा), हैदराबाद (तेलंगाना) और पश्चिम बंगाल के पुरबा बर्धमान में स्थित हैं। अमेजन इंडिया के अनुसार, इन केंद्रों के स्थान देश के चार प्रमुख क्षेत्रों - पश्चिम, उत्तर, दक्षिण और पूर्व में चुने गए हैं, ताकि किसी भी आपदा के समय तेजी से राहत पहुंचाई जा सके। कंपनी ने बताया कि यह पहल इस साल देश के विभिन्न हिस्सों में आई बाढ़ के मद्देनज़र की गई है। अमेजन इंडिया ने अपने विशेषज्ञों की एक टीम की मदद से इन केंद्रों को विकसित किया है। कंपनी का कहना है कि इस कदम से बाढ़, चक्रवात और शीत लहर जैसी प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित समुदायों की मदद की जा सकेगी। अमेजन कम्युनिटी इम्पैक्ट प्रमुख, अनीता कुमार ने कहा, हमारे आपदा राहत प्रयास हमारे व्यापक लॉजिस्टिक नेटवर्क, वेयरहाउसिंग विशेषज्ञता और गैर-लाभकारी साझेदारों के सहयोग से संचालित होते हैं। अमेजन ने 34 जिलों में 10,000 से अधिक परिवारों को 10,890 शेल्टर किट वितरित कर राहत पहुंचाई है।

चीन में यात्री वाहनों की बिक्री जुलाई में पांच प्रतिशत घटी, निर्यात 20 प्रतिशत बढ़ा

बैंकॉक एजेंसी। चीन में वाहन बिक्री जुलाई में सालाना आधार पर पांच प्रतिशत गिर गई है। चीन के यात्री वाहन संघ ने शुक्रवार को एक रिपोर्ट में कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माताओं के वैश्विक विस्तार के कारण देश का वाहन निर्यात जुलाई में 20 प्रतिशत बढ़ गया है। चीन में पिछले महीने लगभग 20 लाख यात्री कारों की बिक्री हुई। इसमें से चीन के अंदर 16 लाख वाहनों की बिक्री हुई, जो सालाना आधार पर 10 प्रतिशत की गिरावट है। कुल यात्री वाहन निर्यात जुलाई में 20 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि के साथ 3,99,000 इकाई रहा। जुलाई में कुल वाहन बिक्री में से आधे से ज्यादा वाहन नवीकरणीय ऊर्जा से चलने वाले या इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड (पेट्रोल के साथ-साथ इलेक्ट्रिक) हैं। मांग को बढ़ावा देने के लिए सरकार लोगों को अपनी पुरानी गैस और डीजल से चलने वाली कारों को छोड़कर इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के लिए प्रोत्साहन दे रही है। हालांकि, कुल मिलाकर कारों की बिक्री में कमी आई है, लेकिन जुलाई में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री पिछले साल की तुलना में करीब 30 प्रतिशत बढ़कर करीब 9,91,000 हो गई। इनमें से 887,000 इलेक्ट्रिक वाहन चीन में बेचे गए और 103,000 का निर्यात किया गया। इस वर्ष विदेशी वाहन विनिर्माताओं की बिक्री रुक गई है या गिर गई है।

पुराने कपड़ों से गुड़िया बनाकर बेचता है यह कपल, 75 लाख रुपये सालाना कमाई

इन्होंने अपने स्टार्टअप में काफी आदिवासी महिलाओं को रोजगार दिया है

अपने स्टार्टअप के कारण वह काफी कपड़ा लैंडफिल में जाने से बचा चुके हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। जिन पुराने कपड़ों को हम बेकार समझकर फेंक देते हैं, ऐसे ही पुराने कपड़ों से एक कपल कमाई कर रहा है। इस कपल का नाम सुनीता रामेगौड़ा और सुहास रामेगौड़ा है। यह कपल पुराने कपड़ों से गुड़िया तैयार करता है और उन्हें बेचता है। इस कपल के स्टार्टअप का नाम दी गुड गिफ्ट है। अपने स्टार्टअप के बारे में सुनीता और सुहास का कहना है कि उन्होंने बचपन में अपने घर में दादी से देखा कि वह पुरानों कपड़ों से गुड़िया बनाती थीं। इस, इसी से उन्हें इसका स्टार्टअप शुरू करने का आइडिया आया। सुहास के मुताबिक इस गुड़िया को इस तरह से बनाया गया है कि इनके कपड़े तक बदल सकते हैं। इन गुड़ियाओं के चेहरे के भाव इस तरह बनाए जाते हैं कि ये बच्चों के साथ-साथ बड़ों को भी अच्छे लगें।

आदिवासी महिलाओं को दिया रोजगार

सुनीता और सुहास का कहना है कि उन्होंने पुराने कपड़ों से गुड़िया बनाने के कारण काफी कपड़े को लैंडफिल में जाने से रोका है। वह बताते हैं कि एक अनुमान के मुताबिक करीब 8000 किलोग्राम कपड़ा लैंडफिल साइट में जाने से बच गया और उन्होंने उसे अपने स्टार्टअप में इस्तेमाल कर लिया। इन्होंने अपने स्टार्टअप में आदिवासी महिलाओं को रोजगार दिया है और उन्हें सशक्त बनाया है। वह बताते हैं कि उनके स्टार्टअप से तमिलनाडु के नीलगिरी की आदिवासी समुदायों की 200 से ज्यादा महिलाएं जुड़ी हैं।

स्टार्टअप शुरू करने के एक साल के भीतर कपल ने 2022 में अपने बिजनेस का विस्तार किया। उन्होंने चेन्नई, बेंगलुरु, गोवा, ऊटी आदि में 60 ऑफलाइन स्टोर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। वे अब हर महीने कपड़े की 3000 से ज्यादा गुड़िया बेचते हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में उनका रेवेन्यू 75 लाख रुपये रहा। सुनीता बताती हैं कि उनके साथ काम करने वाली आदिवासी महिलाएं आज महीने के 8 से 10 हजार रुपये कमा रही हैं।

15 साल नौकरी के बाद लिया फैसला

शादी के बाद सुनीता और सुहास बेंगलुरु में बस गए। यहां उन्होंने कम से कम 15 साल कॉर्पोरेट सेक्टर में जॉब की। वे बताते हैं कि वह जॉब से संतुष्ट नहीं थे। वे ऐसा काम करना चाहते थे, जिसमें उन्हें खुशी मिले। सुहास बताते हैं कि वह शहरी भागदौड़ से थक गए थे। वे पता लगाना चाहते थे कि उन्हें किस चीज में खुशी मिल सकती है। ऐसे में उन्होंने एक गांव जाने का फैसला लिया। 2017 में इन्होंने नीलगिरी पहाड़ों में रहने का फैसला लिया। इन्होंने खुद ही मिट्टी का घर बनाया। सब्जियां उगाना शुरूकिया। पहाड़ी नदियों से पानी इकट्ठा किया और बिजली के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग किया।

ऐसे आया बिजनेस का आइडिया

सुहास बताते हैं कि यहां रहने के बाद इन्होंने देखा कि यहां रहने वाले आदिवासी लोगों के लिए आजीविका एक रोजमर्रा की चुनौती थी। चाय की कटाई के अलावा, ग्रामीण महिलाओं के लिए कोई अन्य नियमित काम नहीं था। हर सुबह वे अपने बच्चों को छोड़कर दूसरे गांवों में काम करने जाया करती थीं। ऐसे में इस कपल ने साल 2019 में इंडियन यार्ड्स फाउंडेशन की स्थापना की। यह शिल्प निर्माण से जुड़ा सामाजिक उद्यम था। इसे शुरू करने का उद्देश्य नीलगिरी में आदिवासी समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को सुधारना था। शुरू में इन्होंने गांव की महिलाओं को कढ़ाई आदि की चीजें सिखाईं। कुछ समय ऐसा ही गुजरा। सब कुछ सही था, लेकिन समय आगे बढ़ने का था। इस जरूरत के चलते 2023 की शुरुआत में द गुड गिफ्ट का गठन हुआ। सुनीता कहती है कि हमने प्रोडक्ट को मार्केट तक पहुंचाने के लिए एक वेबसाइट बनाई। वेबसाइट पर कई तरह के प्रोडक्ट डाले। कई प्रोडक्ट के साथ एक्सपेरिमेंट किए। अंत में फैब्रिक डॉल और खिलौनों पर ध्यान केंद्रित किया।

मच्छर के डंक से परेशान हैं हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियां

हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम में मौसमी बीमारियों की एक तिहाई हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। मच्छरों का डंक हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों पर भारी पड़ रहा है। बीमा कंपनियों को मिले हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम्स में से लगभग एक तिहाई की वजह मौसमी संक्रामक बीमारियां है। इनमें मच्छर की वजह से फैलने वाली डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियां शामिल हैं। जुलाई और अगस्त के महीनों में मच्छर के काटने से होने वाली बीमारियों को दावों में तेजी आती है। साथ ही गंदे पानी से होने वाली पेट की बीमारियों के लिए भी हेल्थ इंश्योरेंस के दावे बढ़ जाते हैं। इसी तरह सर्दियों में ब्रोंकाइटिस या इन्फ्लूएंजा का प्रकोप बढ़ जाता है। इसमें से कई बीमारियों के सीधा संबंध गंदगी से है। यानी साफ-सफाई से इस तरह की बीमारियों और उनसे जुड़े हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम्स को टाला जा सकता है। हालांकि आंकड़े बताते हैं कि इन बीमारियों से समाज का हरेक वर्ग प्रभावित होता है।

पॉलिसीबाजार की एक हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम स्टडी के मुताबिक मौसमी बीमारियों के कुल दावों में डेंगू और मलेरिया जैसी मच्छर से होने वाली बीमारियों का हिस्सा 15 प्रतिशत है। इनके इलाज में आमतौर पर 50,000 रुपये से 1,50,000 रुपये तक खर्च है। जुलाई और अगस्त में इन बीमारियों से जुड़े हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम बढ़ जाते हैं। इसकी वजह यह है कि बारिश का मौसम मच्छरों के पनपने के लिए आदर्श होता है। एक और बीमारी जो मॉनसून के दौरान चरम पर होती है। वह है गैस्ट्रोएंटेराइटिस यानी पेट की बीमारी। इसके इलाज का खर्च मलेरिया जितना ही है। सीजनल क्लेम्स में इस बीमारी का हिस्सा 18 प्रतिशत है। मौसमी बीमारियों के दावों में एलर्जी की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत है। सर्दियों में इन्फ्लूएंजा और ब्रोंकाइटिस के कारण दावों की संख्या 20 प्रतिशत और 12 प्रतिशत तक पहुंच जाती हैं। हालांकि इनके इलाज में 25,000 रुपये से 1 लाख रुपये तक खर्च होते हैं। पॉलिसीबाजार के हेल्थ इंश्योरेंस हेड सिद्धार्थ सिंघल ने कहा कि यदि आप विकसित देशों को देखें, तो वहां मौसमी बीमारियों की हिस्सेदारी विकासशील देशों की तुलना में बहुत कम है।

रिलायंस केपिटल के मामले में हिंदुजा समूह की कंपनी को 48 घंटों में 2,750 करोड़ रुपए जमा करने का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण ने हिंदुजा समूह की कंपनी इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स को आदेश दिया है कि वह 48 घंटों के भीतर ऋणदाताओं के खातों में 2,750 करोड़ रुपए जमा करे। यह फैसला हिंदुजा समूह के लिए एक बड़ा झटका है। आइआइएचएल दिवालिया वित्तीय सेवा कंपनी रिलायंस कैपिटल के लिए 9,561 करोड़ रुपए की सबसे बड़ी बोली लगाने वाली कंपनी थी। एनसीएलटी के 23 जुलाई के आदेश के अनुसार, आइआइएचएल को 31 जुलाई, 2024 तक अपनी बोली के 2,750 करोड़ रुपए का भुगतान करना था लेकिन आइआइएचएल ने यह राशि जमा नहीं की और एस्क्रो खाते की कुछ शर्तों को पूरा करने की मांग की।

एनसीएलटी ने अपने नए आदेश में स्पष्ट किया है कि एस्क्रो खातों में रखे गए पैसे पर मिलने वाला ब्याज ऋणदाताओं को मिलेगा। ट्रिब्यूनल ने आइआइएचएल को निर्देश दिया है कि वह ऋणदाताओं की निगरानी समिति को 7,300 करोड़ रुपए का कर्ज जुटाने के लिए टर्म शीट दे। एनसीएलटी आइआइएचएल और आरकेप के प्रशासक दोनों की याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। प्रशासक का कहना है कि हिंदुजा समूह ने सबसे बड़ी बोली लगाने के बावजूद आरकेप को खरीदने के लिए धनराशि जमा नहीं की है, जो अदालत की अवमानना है। हिंदुजा समूह और ऋणदाताओं के बीच कानूनी लड़ाई के कारण आरकेप के अधिग्रहण में देरी हो रही है। दिसंबर 2021 में आरकेप को 25,000 करोड़ रुपए का कर्ज चुकाने में विफल रहने के बाद दिवालिया अदालत भेज दिया गया था। हिंदुजा समूह की कंपनी आइआइएचएल ने एक बयान में कहा कि एनसीएलटी के आदेश में कंपनी को ऋणदाताओं की समिति द्वारा नामित एस्क्रो खाते में पैसे जमा करने की बात थी, न कि सीओसी द्वारा संचालित या नियंत्रित खाते में। आइआइएचएल का कहना है कि इसके बावजूद, सीओसी ने प्रशासक के माध्यम से विस्ट्रा के बैंक खाते का विवरण भेजा, जो सीओसी द्वारा संचालित और नियंत्रित है। आइआइएचएल ने कहा कि सीओसी ने अभी तक कोई भी एस्क्रो व्यवस्था की शर्तें और विवरण नहीं दिए हैं, जिससे आइआइएचएल के पास अपने खाते में पैसे जमा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा।

विदेशी मुद्रा भंडार रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंचा, 7.5 अरब डॉलर बढ़कर 674.91 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। देश का विदेशी मुद्रा भंडार दो अगस्त को समाप्त सप्ताह में 7.533 अरब डॉलर बढ़कर 674.919 अरब डॉलर की नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 3.471 अरब डॉलर घटकर 667.386 अरब डॉलर रह गया था। इससे पहले विदेशी मुद्रा भंडार 18 जुलाई को 670.857 अरब डॉलर पर पहुंचा था। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा यानी विदेशी मुद्रा आस्तियां समीक्षाधीन हफ्ते में 5.162 अरब डॉलर बढ़कर 592.039 अरब डॉलर हो गईं।

विदेशी मुद्रा अस्तियों में डॉलर की तुलना में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पौंड और येन जैसी दूसरी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या कमी के प्रभाव का आकलन किया जाता है। आलोच्य सप्ताह के दौरान देश का स्वर्ण आरक्षित भंडार 2.404 अरब डॉलर बढ़कर 60.099 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 4.1 करोड़ डॉलर घटकर 18.161 अरब डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन सप्ताह में आईएमएफ में भारत का आरक्षित भंडार 80 लाख डॉलर बढ़कर 4.62 अरब डॉलर हो गया।

अडानी के बाद किस पर गिरने वाली है बिजली... बड़ा खुलासा करने की तैयारी में हिंडनबर्ग रिसर्च

नई दिल्ली, एजेंसी। हिंडनबर्ग रिसर्च याद है? अमेरिका की इस शॉर्ट सेलिंग कंपनी ने पिछले साल गौतम अडानी पर ऐसा बम फोड़ा था कि अडानी ग्रुप आज तक उससे उबर नहीं पाया है। हिंडनबर्ग रिसर्च भारत में एक और बड़ा धमाका करने की तैयारी में है। कंपनी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत में जल्दी ही कुछ बड़ा होने वाला है। हिंडनबर्ग रिसर्च ने पिछले साल 24 जनवरी को अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज की शेयर बिक्री से ठीक पहले एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें अडानी ग्रुप पर शेयरों की कीमत में हेरफेर समेत कई तरह के आरोप लगाए गए थे। अडानी ग्रुप ने इन आरोपों का खंडन किया था लेकिन इस रिपोर्ट के कारण ग्रुप के मार्केट कैप में 150 अरब तक गिर गया था।

हिंडेनबर्ग रिसर्च ने अब तक कई कंपनियों में घालमेल का पर्दाफाश करने का दावा किया है। इस कंपनी की स्थापना 2017 में नाथन एंडरसन ने की थी। दरअसल यह एक फोरेंसिक फाइनेंशियल रिसर्च फर्म है जो इक्विटी, क्रेडिट और डेरिवेटिव्स को एनालाइज करती है। इस कंपनी का नाम छह मई, 1937 में हुए हाई प्रोफाइल हिंडनबर्ग एयरशिप हादसे के नाम पर रखा गया है। यह दुर्घटना अमेरिका में न्यू जर्सी के मैनचेस्टर टाउनशिप में हुई थी। हिंडनबर्ग रिसर्च किसी भी कंपनी में हो रही गड़बड़ी का पता लगाती है और फिर उसके बारे में रिपोर्ट पब्लिश करती है। कंपनी का दावा है कि उसकी नजर मैन-मेड डिजास्टर्स पर रहती है। इनमें अकाउंटिंग में गड़बड़ी, मिसमैनेजमेंट और छिपाकर किए गए लेनदेन शामिल हैं। कंपनी फिर प्रॉफिट कमाने के लिए टारगेट कंपनी के खिलाफ बेट लगाती है।

कई कंपनियों का भंडाफोड़

एंडरसन ने यूनिवर्सिटी ऑफ कनेक्टीकट से इंटरनेशनल बिजनस में डिग्री लेने के बाद एक डेटा कंपनी फैक्टसेट रिसर्च सिस्टम्स इंक में काम किया। वहां उनका काम इनवेस्टमेंट मैनेजमेंट कंपनियों से जुड़ा हुआ था। साल 2020 में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, मुझे महसूस हुआ कि कामचलाऊ एनालिसिस हो रहा है। एंडरसन इजरायल में एंबुलेंस ड्राइवर का काम भी कर चुके हैं। उनका कहना है कि उन्हें भारी दबाव में काम करने में मजा आता है। वह हैरी मार्कपोलोस को अपना रोल मॉडल मानते हैं। मार्कपोलोस एक एनालिस्ट हैं जिन्होंने बर्नी मेडॉफ की फ्रॉड स्कीम का पर्दाफाश किया था। हिंडनबर्ग का दावा है कि 2017 से अब तक कम से कम 36 कंपनियों में गड़बड़ी का भंडाफोड़ कर चुकी है।

अडानी पर बेट से कितने कमाए

हिंडनबर्ग रिसर्च का कहना है कि अडानी सिक्योरिटीज की शॉर्टिंग से उसे अपने क्लाइंट के जरिए 4.1 मिलियन डॉलर का रेवेन्यू मिला। लेकिन यह रकम रिसर्च में लगी उसकी राशि के बराबर भी नहीं है। कंपनी ने कहा कि हमने इनवेस्टर रिलेशनशिप के जरिए अडानी शॉर्ट्स से 4.1 मिलियन डॉलर का रेवेन्यू अर्जित किया साथ ही कंपनी ने अडानी के अमेरिकी बांड को शॉर्ट करके भी 31,000 डॉलर कमाए। कंपनी का कहना है कि यह बहुत छोटी पोजीशन थी। लीगल और रिसर्च खर्चों को छोड़कर हम अडानी शॉर्ट पर भी ब्रेक-ईवन से आगे निकल सकते हैं। हिंडनबर्ग ने इस मामले में कोटक बैंक को भी लपेटा था। उसने कहा था कि बैंक ने एक विदेश फंड स्ट्रक्चर बनाया जिसे उसके इनवेस्टर पार्टनर ने अडानी ग्रुप के खिलाफ बेट के लिए इस्तेमाल किया।

सरकारी बैंकों के फिक्स्ड डिपॉजिट पर 7.40 फीसदी तक ब्याज; आरबीआई ने जमा दिक्कतों से निपटने की सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक के लंबे समय से रेपो दर को स्थिर रखने के बावजूद सरकारी बैंकों ने हाल के समय में फिक्स्ड डिपॉजिट पर कई बार ब्याज बढ़ा दिया है। अब अधिकतम दर बढ़कर 7.40 फीसदी तक पहुंच गई है। प्रमुख बैंकों में बैंक ऑफ बड़ौदा 399 दिन के जमा पर 7.25 फीसदी ब्याज दे रहा है। बैंक ऑफ इंडिया 666 दिन के जमा पर 7.30 फीसदी, बैंक ऑफ महाराष्ट्र 777 दिन के जमा पर 7.25 फीसदी और केनरा बैंक 444 दिन के जमा पर 7.25 फीसदी ब्याज दे रहा है। सेंट्रल बैंक 444 दिन के जमा पर 7.30 फीसदी, इंडियन बैंक 444 दिन और पंजाब नेशनल बैंक 444 दिन के जमा पर 7.25 -7.25 फीसदी ब्याज दे रहे हैं। यूनियन बैंक 333 दिन के जमा पर सर्वाधिक 7.40 फीसदी ब्याज दे रहा है। पिछले दो महीने में ज्यादातार सरकारी बैंकों ने एफडी और कर्ज दोनों को महंगा कर दिया है।? दरअसल, बैंकों की कर्ज की दर में जमा से ज्यादा वृद्धि हो रही है। इसलिए

बैंकों के पास फंड की कमी हो रही है। हाल में कर्ज की वृद्धि दर 16 फीसदी और जमा की वृद्धि दर 10 फीसदी रही है।?बृहस्पतिवार को आरबीआई ने भी बैंकों को जमा की दिक्कत से निपटने के लिए सलाह दी।

केनरा बैंक का कर्ज हुआ 0.05 फीसदी महंगा

केनरा बैंक ने सभी अवधि के कर्ज को 0.05 फीसदी महंगा कर दिया है। इससे होम लोन, कंज्यूमर लोन सहित सभी तरह के कर्ज पर ज्यादा ब्याज देना होगा। एक साल के कर्ज की दर अब 9 फीसदी होगी। तीन साल की 9.40 फीसदी और दो साल की दर 9.30 फीसदी होगी। एक माह, तीन माह व छह महीने की दर 8.35 से 8.80 फीसदी के बीच होगी। नई दरें 12 अगस्त से लागू होंगी।

15000 करोड़ रुपये का मिला बड़ा काम, नवरत्न कंपनी के शेयरों में आया

नई दिल्ली, एजेंसी। नवरत्न कंपनी एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। एनबीसीसी के शेयर शुक्रवार को 11 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 188.50 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में यह तेज उछाल एक बड़ा ऑर्डर मिलने की वजह से आया है। एनबीसीसी को 15000 करोड़ रुपये का बड़ा ऑर्डर मिला है। कंपनी को यह ऑर्डर श्रीनगर डिवेलपमेंट अथॉरिटी की तरफ से मिला है। एनबीसीसी के शेयर गुरुवार को 168.90 रुपये पर बंद हुए थे। एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड, श्रीनगर के बेमिना में रख-ए-गुंड अक्शा में 406 एकड़ में फैली सैटेलाइट टाउनशिप डिवेलप करेगी। यह ऑर्डर साइज एनबीसीसी के 33000 करोड़ रुपये के मार्केट कैप का करीब आधा है। यह प्रोजेक्ट चरणबद्ध तरीके में 5 साल में पूरा होगा और इसमें रेजिडेंशियल प्लॉट्स, विला, अपार्टमेंट्स, कमर्शियल ऑफिसेज, इनडोर स्पोर्ट्स सेंटर और सभी मॉडर्न सहूलियतों के साथ 5 स्टार रिजॉर्ट्स होंगे।

सोना 1100 रुपये उछला, चांदी में 1400 रुपये की बढ़त

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक बाजारों से संकेत सकारात्मक संकेत मिलने और घरेलू मांग में तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमत 1,100 रुपये की तेजी के साथ 72,450 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। इससे पिछले सत्र में सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमत भी शुक्रवार को 1,400 रुपये की तेजी के साथ 82,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। यह पिछले कारोबारी सत्र में 81,100 रुपये प्रति किलोग्राम थी। इस बीच, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,100 रुपये की तेजी के साथ 72,100 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जो

पिछले कारोबारी सत्र में 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। बाजार सूत्रों ने सोने की कीमतों में तेजी आने का कारण स्थानीय आभूषण कारोबारियों की ताजा मांग और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूती के रुख को बताया है। वैश्विक बाजार की बात करें तो कॉमेक्स पर सोना पिछले सत्र के मुकाबले 5.60 डॉलर प्रति औंस की तेजी के साथ 2,468.90 डॉलर प्रति औंस पर चल रहा है। विशेषज्ञों ने कहा कि मजबूत अमेरिकी डॉलर और ट्रेजरी प्रतिफल बढ़ने के बावजूद धातु की कीमतों में तेजी आई। कोटक सिक्योरिटीज के एवीपी-कमोडिटी रिसर्च कायनात चेनवाला ने कहा, चीन के केंद्रीय बैंक द्वारा लगातार तीसरे महीने सोने की खरीद से दूर रहने के बावजूद सोने की तेजी आई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स चांदी मामूली गिरावट के साथ 27.60 डॉलर प्रति औंस रह गई। एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक विश्लेषक) जतीन त्रिवेदी ने कहा, सोने के व्यापारियों को अगले सप्ताह उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आगामी आंकड़ों पर करीबी नजर रखनी चाहिए क्योंकि इससे ब्याज दरों में कटौती की पुष्टि होने की संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

दूसरे राज्यों से आनेवाली गाड़ियां झारखंड में नहीं लेती है ईंधन, इसलिए वैट कम करे सरकार

धनबाद, एजेंसी। झारखंड पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन के आह्वान पर राज्यभर के 1600 पेट्रोल पंप मालिकों का जुटान 16 अगस्त को रांची में होगा. सात सूत्री मांगों को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलेंगे. इस बाबत शुक्रवार को कोलफील्ड पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन ने ग्रीन व्यू पेट्रोलपंप में पोस्टर का अनावरण किया. मौके पर झारखंड पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन के महासचिव शरत दुदानी ने कहा कि वैट सहित अन्य मांगों को लेकर 16 अगस्त को मुख्यमंत्री से मुलाकात की जायेगी. मांगों पर विचार नहीं किया गया, तो चरणबद्ध आंदोलन किया जायेगा. पेट्रोलियम पर झारखंड में 22 प्रतिशत वैट है, जबकि पड़ोसी राज्यों में इससे कम है. इस कारण बाहर की गाड़ियां यहां ईंधन नहीं लेती हैं. इसके अलावा सिंगल प्वाइंट पर पेट्रोलियम पर टैक्स है. फिर भी हमलोगों को रिटर्न भरना पड़ता है. बिहार की तरह यहां भी रिटर्न भरने का प्रावधान खत्म किया जाये और वैट 22 से घटाकर 18 प्रतिशत किया जाये. पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल केंद्र के लिए एनुअल मेंटेनेंस चार्ज के प्रावधान को खत्म किया जाये. सरकारी कार्यालय पर पेट्रोलपंपों का करोड़ों रुपया बकाया है, इसको क्लियर करने, पेट्रोल पंपों का मार्जिन मनी पांच प्रतिशत करने, पेट्रोलियम प्रोडक्ट समय पर उपलब्ध कराने, जबरन लुब्रिकेंट की बिलिंग नहीं करने आदि मांगों को रखा जायेगा. प्रदर्शन के दौरान माधव सिंह, संजीव राणा, गोपाल साव, रितेश सिंह, प्राण सिंह, राकेश कुमार, प्रकाश साव, अमित मंडल आदि उपस्थित थे.

एसएसपी ने धनबाद थाना का किया औचक निरीक्षण

धनबाद, एजेंसी। धनबाद एसएसपी एचपी जनार्दनन ने शुक्रवार को धनबाद थाना का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने थाना परिसर की व्यवस्था का जायजा लिया. वहीं पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक कर थाना में दर्ज मुकदमों की समीक्षा करते हुए लंबित मुकदमों के जल्द निष्पादन का निर्देश दिया. एसएसपी ने पूरे थाना परिसर का भ्रमण कर साफ-सफाई कराने का आदेश दिया.एसएसपी श्री जनार्दनन ने यहां थाना प्रभारी आरएन ठाकुर और थाना के सभी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर केस की जानकारी ली. पता चला कि लगभग आठ सौ केस पेंडिंग हैं और हर माह 70-80 केस दर्ज होते हैं. उन्होंने सभी केस को सभी पदाधिकारियों में बांटने और गंभीर मामलों को अच्छे पदाधिकारी को देने की बात कही. कहा कि इससे केस का अनुसंधान अच्छा होगा और केस डिस्पोजल में तेजी आयेगी. उन्होंने पिछले छह माह में कार्यों की जानकारी ली और अगले छह माह की कार्ययोजना का टार्गेट दिया. वहीं आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर विशेष कार्ययोजना के तहत सभी पेशेवर अपराधियों की सूची बनाकर विशेष निगरानी रखने, फरार अपराधियों की गिरफ्तारी, गश्त बढ़ाने, मतदान केंद्रों का सत्यापन करने का निर्देश दिया. निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने थाना परिसर में रखे कबाड़ को हटाने, जब्त वाहनों की नीलामी करने, सफाई कराने व मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा. उन्होंने बेहतर कार्य के लिए एसआई तुलाराम मुंडा को सम्मानित भी किया. इसके बाद एसएसपी महिला थाना पहुंचे और वहां व्यवस्था का जायजा लिया. यहां भवन के रख-रखाव व सफाई को लेकर आवश्यक निर्देश दिये.

महारत्न कंपनी की तर्ज पर कोयला अधिकारियों के वेतन बढ़ाने की मांग

धनबाद, एजेंसी। कोयला अधिकारियों की वेतन विसंगति व वेतन उन्नयन (पे-अपग्रेडेशन) तथा कोलफील्ड्स अलाउंस की बहाली जैसे लंबे समय से लंबित प्रमुख मुद्दों के समाधान की मांगों को लेकर बीसीसीएल समेत अन्य कोल कंपनियों के एमओएआइ का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी व कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे से दिल्ली स्थित उनके कार्यालय में मिला. कोयला अधिकारियों के लंबित पांच सूत्री मांग पत्र सौंपकर प्रतिनिधिमंडल ने महारत्न कंपनी के दर्जे पर वेतन देने की मांग की. साथ ही कोल इंडिया बोर्ड द्वारा भेजे गये अधिकारियों पे अग्रेडेशन (वेतन उन्नयन) की स्वीकृति देने की आग्रह किया. सीएमओएआइ ने कोलफील्ड अलाउंस व चार्ज अलाउंस का भुगतान शुरू करने, अधिकारियों की फिक्स पेंशन को केंद्र की दूसरे विभागों की पेंशन के समान करते हुए डीए से भी जोड़ने, गंभीर बीमारियों के मामले में अधिकारियों को छह माह तक ही विशेष अवकाश की सीमा को समाप्त करने, कर्मचारियों के बच्चों के समान ही अधिकारियों के बच्चों को भी सरकारी संस्थानों से तकनीकी एवं पेशेवर डिग्री कोर्स करने पर उनकी ट्यूशन फीस का भुगतान कंपनी द्वारा करने की मांग की है.

तीन दिनों की बारिश में सुधरे हालात आधे से अधिक खेतों में हुई धानरोपनी

रांची, एजेंसी। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग ने चालू खरीफ मौसम में जितना धान लगाने का लक्ष्य रखा था, उसके आधे से अधिक में धान लग चुका है. शुरुआत में मॉनसून के कमजोर होने के कारण धान लगाने की रफ्तार बहुत धीमी थी. वहीं, एक से तीन अगस्त तक करीब-करीब पूरे राज्य में जबरदस्त बारिश हुई. इस कारण खेतों में पानी जमा हो गया था. इसके बाद किसानों ने धानरोपनी का काम तेज कर दिया. अब तक राज्य में करीब 9.25 लाख हेक्टेयर में धान की रोपाई की जा चुकी है.

राज्य सरकार ने इस साल 18 लाख हेक्टेयर में धान लगाने का लक्ष्य रखा है. 31 जुलाई तक राज्य में लक्ष्य का सिर्फ आठ-नौ फीसदी खेतों में ही रोपा हो पाया था. विभागीय अधिकारियों ने कहा कि मॉनसून के देर से आने के कारण यहां के किसान अब अगस्त के अंत तक रोपा करेंगे. इस कारण अभी की स्थिति में और सुधार की गुंजाइश है. अभी अच्छी बारिश भी हो रही है.

बीते साल राज्य में सूखे की स्थिति थी. बारिश देर से हुई थी. इस कारण अगस्त के पहले सप्ताह तक राज्य में करीब पांच लाख हेक्टेयर में ही धान लग पाया था. इस बार स्थिति बीते साल से अच्छी है. धान को छोड़ दें, तो अन्य फसलों में राज्य बीते साल से पीछे है. बीते साल करीब 30 हजार हेक्टेयर में मोटा अनाज लगाया गया था. इस साल करीब 23 हजार हेक्टेयर में ही लग पाया है. बीते साल इस समय तक करीब 25 हजार हेक्टेयर में दलहन लगाया गया था. इस साल करीब 24 हजार हेक्टेयर में लग पाया है. यही स्थिति तेलहन की भी है. इसमें भी झारखंड बीते साल से पीछे चल रहा है.

झारखंड में पिछले दो साल से धान का उत्पादन घट रहा है. पिछले दो साल से राज्य में सूखा पड़ रहा है. 2021-22 में करीब 54 लाख टन धान का उत्पादन हुआ था. इसके बाद 2022-23 में 19 लाख और 2023-24 में करीब 29 लाख टन धान का उत्पादन हुआ है. 2022-23 में 7.37 लाख हेक्टेयर में ही धान लग पाया था. वहीं, 2023-24 में करीब 12 लाख हेक्टेयर में धान लग पाया था. इस कारण उत्पादन पर असर पड़ा था.

झारखंड में मॉनसून की गतिविधि शुक्रवार को सामान्य रही. राज्य के कोल्हान वाले हिस्से में कई स्थानों पर अच्छी बारिश हुई. पिछले 24 घंटे में जमशेदपुर में करीब 52 मिमी के आसपास बारिश हुई. मौसम विज्ञान केंद्र का पूर्वानुमान है कि अगले तीन दिनों तक राजधानी को छोड़ राज्य के अलग-अलग हिस्सों में तेज बारिश हो सकती है. इसको लेकर मौसम केंद्र ने अलर्ट भी किया है. मौसम विज्ञान केंद्र का पूर्वानुमान है कि 11 अगस्त को संताल परगना में कई स्थानों पर अच्छी बारिश हो सकती है. 13 अगस्त को पलामू और उत्तरी छोटानागपुर वाले इलाके में कई स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है. राजधानी और अन्य हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है.

हेमंत सोरेन ने जन्मदिन पर दिखाया अपने हाथ पर लगे कैदी का निशान, लिया ये संकल्प

रांची, एजेंसी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आज अपना 49वां जन्मदिन मना रहे हैं. इस मौके पर झामुमो कार्यकर्ता सीएम आवास में 49 पौंड का केक काटेंगे. कार्यक्रम का आयोजन 1.30 बजे होगा. लेकिन इससे पहले सीएम हेमंत ने अपने जेल के दिनों को याद कर हाथ पर लगे कैदी के निशान को दिखाया है. साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल फेसबुक पर आदिवासी, मूलवासी, पिछड़ों और दलितों के पक्ष में अपनी आवाज बुलंद करने का संकल्प लिया.

हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर अपने हाथ पर लगे निशान को दिखाते हुए लिखा कि जन्मदिन के मौके पर बीते एक साल की स्मृति मेरे मन में अंकित है. ये वो कैदी का निशान है जो मुझे जेल से रिहा होते समय लगाया गया था. उन्होंने आगे लिखा कि ये निशान केवल मेरा नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की वर्तमान चुनौतियों का प्रतीक है. जब एक चुने हुए मुख्यमंत्री को बिना किसी सबूत, शिकायत और अपराध में 250 दिनों तक जेल में डाल सकते हैं तो फिर ये आम आदिवासियों/दलितों/शोषितों के साथ क्या करेंगे. यह मुझे कहने की जरूरत नहीं है.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी आगे की पोस्ट पर लिखा कि आज मैं कृतसंकल्पित हूं कि हर शोषित, वंचित, दलित, पिछड़ा, आदिवासी, मूलवासी के पक्ष में लड़ूंगा. मैं हर उस व्यक्ति/समुदाय के लिए आवाज उठाऊंगा जिसे दबाया और न्याय से वंचित रखा गया है. जिसे उसके रंग, समुदाय, ख़ान पान, पहनावे के आधार पर सताया जा रहा है. हमें एकजुट होकर एक ऐसे समाज का निर्माण करना होगा जहां कानून सभी के लिए समान हो, जहां सत्ता का दुरुपयोग न हो. उन्होंने लिखा कि हां, यह रास्ता आसान नहीं होगा. हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा. लेकिन मुझे विश्वास है कि हम मिलकर इन चुनौतियों को पार कर सकते हैं. क्योंकि हमारे देश की एकता, विविधता में ही हमारी शक्ति है.

मॉडरेटर मंडलियों की देखरेख करनेवाला रक्षक होता है : बिशप जोहन डांग

रांची, एजेंसी। जीइएल चर्च के नये मॉडरेटर बिशप मार्शल केरकेट्टा और डिप्टी मॉडरेटर बिशप मुरेल बिलुंग का पदस्थापन शुक्रवार को क्राइस्ट चर्च में हुआ. मुख्य अनुष्ठाता सेवानिवृत मॉडरेटर बिशप जोहन डांग थे. सेवानिवृत मॉडरेटर जोहन डांग ने कहा कि यह ऐतिहासिक और गौरव का दिन है. कलीसिया के नये मॉडरेटर का चयन हुआ है और आज उनका पदस्थापन हो रहा है. उन्होंने बाइबल के पाठ वचन को उद्धृत करते हुए कहा कि यह समय हम सभी को सजग रहने का है.

उन्होंने बताया कि एक मॉडरेटर को कैसा होना चाहिए. कहा कि बिशप या मॉडरेटर एक उपदेशक, मंडलियों की देखरेख करनेवाला चरवाहा और रक्षक होता है. उससे एक आदर्श जीवन जीने की उम्मीद की जाती है. यह आदर्श जीवन तभी होता है, जब हम परमेश्वर के वचन में आगे बढ़ते जाते हैं. जोहन डांग ने कहा कि जब हम परमेश्वर के वचन में आगे बढ़ते हैं, तभी प्रेम और विश्वास में आदर्श बने रह सकते हैं. एक चरवाहा को मंडली के सभी लोगों के लिए उपदेशक बनना पड़ता है, ताकि वह बच्चे, जवान बुजुर्ग सभी को उपदेश दे सके. उनको सलाह दे सके और काउंसेलिंग कर सके. इसके बाद नये मॉडरेटर के चुने जाने का घोषणापत्र पढ़ा गया. सभी बिशपों व सेवानिवृत मॉडरेटर ने नये मॉडरेटर के सिर पर हाथ रखकर आशीष दी और फिर धर्मविधि पूरी की गयी. इस अवसर पर बिशप सीमांत तिर्की, पूर्व बिशप जोनसन लकड़ा, महासचिव ईश्वर दत्त कंडुलना सहित अन्य पुरोहित व आम विश्वासी उपस्थित थे.

युवाओं ने दिखायी आदिवासी संस्कृति व परंपरा की झलक, निकाली गयी शोभायात्रा

धनबाद, एजेंसी। विश्व की स्वदेशी आबादी के अधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने के लिए मनाये जाने वाले विश्व आदिवासी दिवस पर धनबाद में कई कार्यक्रम हुए. इसमें युवाओं ने आदिवासी संस्कृति व परंपरा की झलक दिखायी. धनबाद के न्यू टाउन हॉल में शुक्रवार को बाबा तिलक मांझी स्मारक समिति की ओर से आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा मौजूद थे. उन्होंने कार्यक्रम के उद्घाटन के पश्चात कहा कि आदिवासी जल जंगल जमीन को संरक्षित रखते हैं. विशिष्ट अतिथि के रूप में मनोज टुडू मौजूद थे.

कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष राय मुनि देवी ने की. जिले भर से आये आदिवासी युवाओं ने आदिवासी परंपरा एवं संस्कृति पर आधारित रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया. युवतियों ने झारखंडी गीत प्रस्तुत किये. मंच संचालन मन्तू मुर्मू ने किया. कार्यक्रम को सफल बनाने में परेश मुर्मू, प्रमोद, डॉ बीपी सोरेन, लौर सिंह मुंडा, संजय, मन्तू, सुमश मुर्मू, रंजीत सोरेन, राजू मुर्मू, लक्ष्मण सोरेन आदि ने योगदान दिया.

सोनोत संथाल समाज केंद्रीय समिति धनबाद की और से ÷विश्व आदिवासी दिवस ÷ जिला परिषद मैदान में धूम-धाम से मनाया गया. जिले के विभिन्न क्षेत्रों से अपने पारंपरिक वाद्य यंत्र मांदर- नगाड़े के साथ आये लोगों ने सांस्कृतिक दल के साथ हटिया मोड़ होते हुए रणधीर वर्मा चौक पहुंचे. यहां पर आदिवासी गीत-नृत्य का प्रदर्शन किया. ढोल, नगाड़ा, मांदर की थाप से पूरा इलाका गूंज उठा. मौके पर सोनोत संथाल समाज केंद्रीय सचिव अनिल कुमार टुडू ने कहा = यूएनओ द्वारा घोषित कई दिवस को साधारण तरीके से मनाया जाता है, लेकिन विश्व आदिवासी दिवस को एक त्योहार के रूप में मनाया जाता है. केंद्रीय संयोजक रमेश टुडू ने कहा कि आज का दिन हम आदिवासियों के लिए गर्व का दिन है. हमें अपने अधिकार, हक को लेने के लिए जागरूक होकर आगे आने की जरूरत है. मौके पर अनिल कुमार टुडू, रमेश टुडू, कालीचरण हेंब्रम, लखीन्द्र हांसदा, महालाल सोरेन, राजेन्द्र किस्कू, गुरुचरण बास्के, प्रशांत हेंब्रम, अंजय हांसदा, गोपीन टुडू, हाराधन मरांडी, सहदेव टुडू, संदीप हांसदा,हेमंत कुमार सोरेन, लपसा किस्कू, नरेश हेंब्रम, दिलीप हेंब्रम,जीवन टुडू, छुटूलाल टुडू, ओपीन मुर्मू, टारजन हेंब्रम, मनोज बास्की, ध्रुव मरांडी आदि मौजूद थे.

जिला चेंबर चुनाव : अध्यक्ष व महासचिव पद पर सीधा तो कोषाध्यक्ष पर त्रिकोणीय मुकाबला

धनबाद, एजेंसी। धनबाद जिला चेंबर का चुनावी पारा चढ़ने लगा है. नामांकन के अंतिम दिन शुक्रवार को मोटर डीलर एसोसिएशन के सचिव प्रेम गंगेसरिया की दावेदारी से चुनाव का समीकरण बदल गया है. अब अध्यक्ष पद पर चेतन गोयनका व राजीव शर्मा के बीच सीधा मुकाबला होगा. महासचिव पद पर अजय नारायण लाल व राजेश गुप्ता आमने-सामने होंगे. कोषाध्यक्ष पद पर श्याम गुप्ता, संजीव चौरसिया व प्रेम गंगेसरिया की दावेदारी से इस पद पर त्रिकोणीय मुकाबला होगा. चुनाव पदाधिकारी प्रदीप सिंह, राजेश दुदानी व ललित जगनानी ने बताया कि फॉर्म जमा करने का अंतिम तिथि 11 अगस्त है. 12 अगस्त को फॉर्म की जांच, 13 अगस्त को नाम वापसी व 17 अगस्त को वोटर लिस्ट जारी किया जायेगा. इधर, लंबे समय के बाद चुनाव होने के कारण यह चुनाव काफी रोचक हो गया है. सभी उम्मीदवार चुनाव प्रचार में जुट गये हैं. कोई डोर टू डोर तो कोई टेलीफोनिक कैंपेनिंग कर रहे हैं. वहीं पार्टियों का दौर भी शुरू होगा. जिला चेंबर चुनाव में कई नामचीन भी दिलचस्पी ले रहे हैं.

जमशेदपुर की सुनीता हेम्ब्रम की बांधनी पेंटिंग और सिलाई के कद्रदानों में टाटा स्टील भी शामिल

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर के बिरसानगर की रहने वाली आदिवासी युवती सुनीता हेम्ब्रम ने आदिवासी कला को एक नई पहचान दी है. उनकी मेहनत का ही नतीजा है कि उनकी बांधनी पेंटिंग और सिलाई के कद्रदानों में टाटा स्टील जैसी कंपनी भी शामिल है.

सुनीता ने अपने अंदर के हुनर को पहचाना. इसके बाद उस हुनर को और बेहतर किया. फिर अपनी बांधनी पेंटिंग और सिलाई के जरिये खुद संबल बनीं और अपने साथ 6 महिलाओं को भी स्वरोजगार का साधन उपलब्ध कराया.

सुनीता हेम्ब्रम एक आम आदिवासी युवती हैं, जिनके सपने छोटे हैं. चूंकि उन्होंने ज्यादा पढ़ाई नहीं की है, इसलिए वह घर पर ही रहती हैं और घर के कामों से अपने परिवार का भरण-पोषण करती हैं. उनको कढ़ाई और रंग-रोगन का बहुत शौक है.

उन्होंने अपने बड़े भाई के मोबाइल से यू-ट्यूब से कुछ हुनर सीखे और बांधनी आर्ट और पेंटिंग करना शुरू की. उन्होंने इसको अपने लिए शुरू किया. सबसे पहले उन्होंने अपना सफेद स्टोल पेंट किया, फिर उनके भाई ने अपनी सफेद टी-शर्ट दी और इस तरह उनका सफर बढ़ने लगा.

उनके आस-पास के लोगों और उनको जानने वालों से ऑर्डर मिलने लगा. वह बिरसानगर के सामुदायिक केंद्र में महिलाओं के एक समूह से जुड़ी और फिर उनके साथ मिलकर सिलाई और पेंटिंग के अलग-अलग तरीके सीखने लगीं. अब उनके साथ 6 महिलाओं का एक समूह है, जो कढ़ाई और बांधनी पेंटिंग (कपड़ों को रंगने का एक तरीका) करता है.

अप्रैल 2023 में वह टाटा स्टील फाउंडेशन के जोहार हाट गयी थीं और तब से हाट में एक स्टॉल लगाना चाहती थीं. इसलिए उन्होंने लोगों के लिए ऐसे उत्पाद बनाना शुरू किया, जिन्हें वे रोजाना इस्तेमाल कर सकें. बेडशीट, कुशन कवर, पिलो कवर, स्टोल और बहुत कुछ बनाना शुरू किया और फिर दिसंबर के महीने में जोहार हाट में भाग लेने का मौका मिला.

वहां उन्होंने कारीगरों और आगंतुकों से सीखा कि सिर्फ उत्पाद बनाना ही काफी नहीं है, उन्हें बाजार में बेचना होगा और अधिक ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए उनका प्रचार भी करना होगा.

फिर उन्होंने स्थानीय दुकानों से संपर्क करना शुरू किया और कपड़ा दुकानों में अपने हाथ से बने सामान को बढ़ावा देने के लिए सहमत हो गयीं. वर्तमान में वह जुगसलाई, बारीडीह और साकची की तीन दुकानों को अपने उत्पाद की सप्लाई कर रही हैं. साथ ही उन्हें टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन टीएसएएफ से भी ऑर्डर मिला है.

13 लाख का इनामी माओवादी जोनल कमांडर सीताराम रजवार गिरफ्तार

मेदिनीनगर, एजेंसी। पलामू पुलिस ने 13 लाख के इनामी माओवादी जोनल कमांडर सीताराम रजवार उर्फ रमन रजवार को गिरफ्तार कर लिया है. उसकी गिरफ्तारी गुरुवार देर रात हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के झरगड़ा गांव स्थित झपियां पहाड़ के जंगल से की गयी है. सीताराम पर झारखंड और बिहार के विभिन्न थानों में कुल 51 केस दर्ज हैं. पलामू में उसके खिलाफ 28, बिहार के औरंगाबाद में 18 और गया में पांच केस दर्ज हैं. झारखंड सरकार ने उस पर 10 लाख रुपये, जबकि बिहार सरकार ने तीन लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था. उक्त जानकारी एसपी रीष्मा रमेशन शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में दी.

एसपी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि माओवादी नितेश यादव अपने दस्ते के सीताराम रजवार, संजय यादव और अन्य सदस्यों के साथ झपिया पहाड़ के जंगल में रुका हुआ है. इसके बाद एसडीपीओ हुसैनाबाद मुकेश कुमार महतो के नेतृत्व में छापेमारी के लिए एक टीम गठित की गयी. छापेमारी करने पहुंची पुलिस टीम को देख कर जंगल से चार-पांच व्यक्ति पहाड़ और जंगल की ओर भागने लगे. उनमें से एक व्यक्ति को पुलिस ने पकड़ लिया. बाद में उसकी पहचान माओवादी जोनल कमांडर सीताराम रजवार के रूप में की गयी. एसपी ने बताया कि सीताराम रजवार हमेशा अपने पास एके-56 राइफल रखता था. हालांकि, गिरफ्तारी के समय उसके पास वह हथियार नहीं था. संभावना जतायी जा रही है कि उसके साथी हथियार लेकर फरार हो गये. छापामारी टीम में एसडीपीओ मुकेश कुमार महतो के साथ हुसैनाबाद थाना प्रभारी संजय कुमार यादव, लठैयां पिकेट प्रभारी धर्मवीर कुमार यादव, सहायक अवर निरीक्षक बुद्धदेव उरांव, हवलदार दिनेश राम, उपेंद्र पासवान, आरक्षी रंजन टूटी और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे.

पीडीएस दुकानों में 18 माह से केरोसिन का उठाव नहीं

धनबाद, एजेंसी। धनबाद जिला के जन वितरण प्रणाली दुकानों (पीडीएस) में डेढ़ वर्ष से भी अधिक समय से केरोसिन का उठाव एवं वितरण बंद है. मांग नहीं रहने से अब डीलर केरोसिन के लिए ड्रॉफ्ट नहीं लगा रहे हैं. मिली जानकारी के अनुसार जब से केरोसिन की कीमत बाजार दर पर तय हुई है, पीडीएस में केरोसिन की बिक्री कम होने लगी है. अभी पीडीएस दुकानों में केरोसिन 70 से 80 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है. शहर के साथ गांवों का भी विद्युतीकरण लगभग हो चुका है. ऐसे में ग्रामीण भी लालटेन की जगह बिजली के बल्ब जला रहे हैं. इंवर्टर या बैट्री वाली इमरजेंसी लाइट का उपयोग कर रहे हैं. ऐसे में केरोसिन की मांग व खपत कम होने से पीडीएस डीलरों को केरोसिन के उठाव से घाटा होने लगा है. ऐसे में डीलरों ने इसके लिए ड्राफ्ट लगाना बंद कर दिया है. विभागीय सूत्रों के अनुसार डेढ़ वर्ष से यहां किसी भी डीलर द्वारा ड्रॉफ्ट नहीं लगाने से धनबाद में पीडीएस के जरिये केरोसिन का उठाव एवं वितरण बंद है. धनबाद जिला का कोटा हर माह लैप्स हो रहा है.इधर पिछले कुछ दिनों से धनबाद में सफेद राशन कार्ड बनाने के लिए भीड़ बढ़ने लगी है. मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत आवेदकों के लिए राशन कार्ड जरूरी है. धनबाद में लाल, पीला, हरा राशन कार्ड बनना बंद है. इन कार्डों का कोटा फुल है. वहीं 25 हजार से अधिक आवेदन पेंडिंग हैं. ऐसे में अनेक लोग सफेद राशन कार्ड बनवा रहे हैं.

खेल में सबसे कम उम्र के भारतीय व्यक्तिगत पदक विजेता बने अमन सहरावत

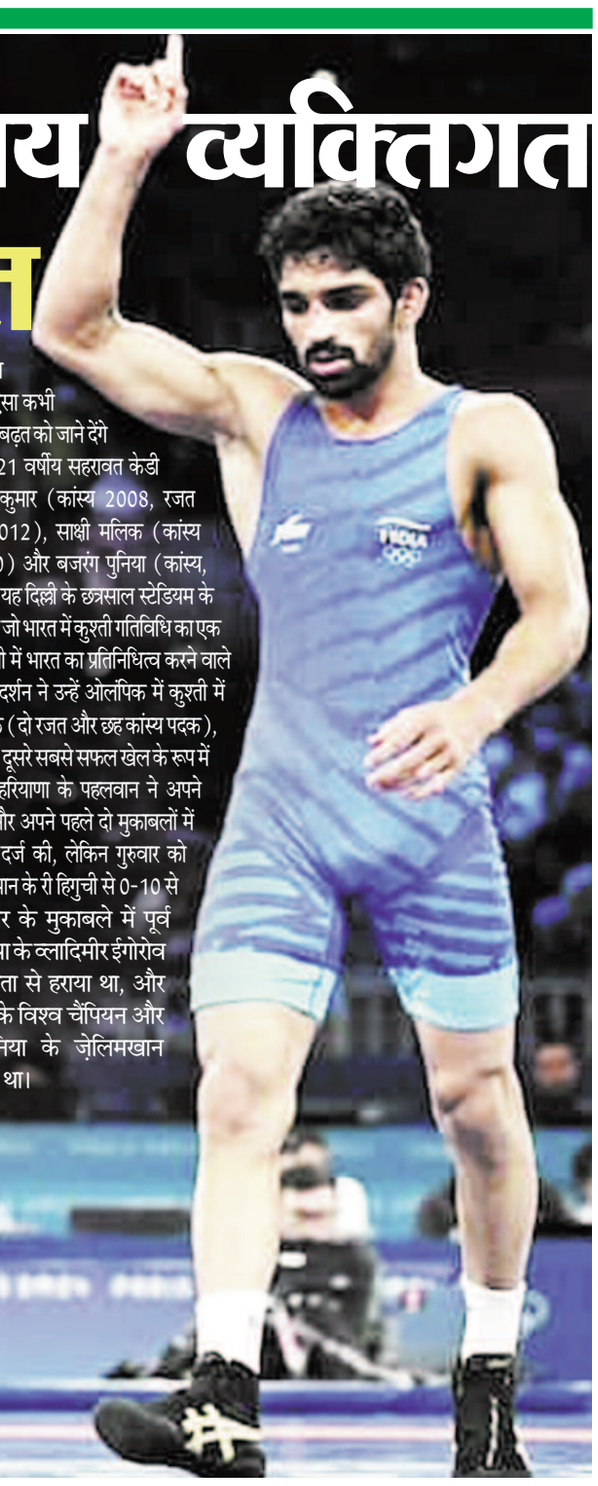

पेरिस, एजेंसी। आक्रामक और हमलावर प्रदर्शन के साथ, अमन सहरावत ने पुरुषों के 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में कांस्य पदक जीतकर विनेश फोगाट की अयोग्यता पर भारतीय दल की निराशा को दूर किया जो पदक से चूक गईं। सहरावत ने प्यूर्टो रिको के डेरियन क्रूज़ पर 13-5 से जोरदार जीत दर्ज की। इस प्रक्रिया में, सहरावत 21 साल 0 महीने और 24 दिन की उम्र में भारत के सबसे कम उम्र के व्यक्तिगत ओलंपिक पदक विजेता बन गए। उन्होंने पीवी सिंधु के रिकॉर्ड को बेहतर बनाया, जो रियो ओलंपिक 2016 में रजत पदक जीतने पर 21 साल 1 महीने और 14 दिन की थीं।

उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि ने उन्हें उनके उल्लेखनीय पैरों के लिए पूरे देश से सबसे अधिक प्रशंसा अर्जित करते देखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस में भारत के लिए छठा पदक जीतने वाले युवा पहलवान की प्रशंसा करने में देश का नेतृत्व किया।

समग्र रूप से कुश्ती जगत इस जीत का जश्न मना रहा है क्योंकि वह देश की पदक तालिका में शामिल होने की आखिरी उम्मीदों में से एक थे। वह केवल 11 वर्ष के थे जब उनके माता-पिता की मृत्यु हो गई। लड़के में बहुत हिम्मत और बहुत ताकत थी, चाचा ने उन्हें छत्रसाल स्टेडियम छोड़ा। फिर तो अखाड़ा अमन का घर बन गया। उसके चाचा, चाची और उसके गांव बिहरोड को सलाम, जिन्होंने इस लड़के की देखभाल की। उन्होंने अखाड़े में अपने कमरे की दीवार पर लिखा था, अगर यह इतना आसान होता, तो हर कोई इसे करता। आज अमन ने वो मुश्किल मुकाम हासिल कर लिया है जिसकी वजह से उनकी तस्वीरें भारत के हर कुश्ती हॉल में लगेंगी। जब ऐसा लग रहा था कि 2008 के बाद पहली बार भारतीय पहलवान ओलंपिक से खाली हाथ लौटेंगे, तब सहरावत ने शुक्रवार को कांस्य पदक जीतकर दल का हौसला बढ़ाया। यह पेरिस ओलंपिक में भारत का छठा पदक है, जिसमें देश ने अब तक एक रजत और पांच कांस्य पदक हासिल किए हैं। दल में एकमात्र पुरुष पहलवान सहरावत ने मुकाबले का पहला अंक गंवा दिया, लेकिन जोरदार वापसी की और एक समय 2-3 से पिछड़ने के बावजूद पहले राउंड के अंत में 6-3 की बढ़त ले ली।

पीएम मोदी ने दी बधाई

हमारे पहलवानों को अधिक गौरव धन्यवाद! पेरिस ओलंपिक में पुरुषों के फ्रीस्टाइल 57 किलोग्राम भार वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के लिए अमन सहरावत को बधाई. उनका समर्पण और दृढ़ता स्पष्ट रूप से झलकती है. पूरा देश इस उल्लेखनीय उपलब्धि का जश्न मनाता है.

दूसरे राउंड में, सहरावत आत्मविश्वास से भरे हुए थे और ऐसा कभी नहीं लगा कि वह अपनी आरामदायक बढ़त को जाने देंगे और 13-5 से मुकाबला जीत गए।21 वर्षीय सहरावत केडी जाधव (कांस्य 1952), सुशील कुमार (कांस्य 2008, रजत 2012), योगेश्वर दत्त (कांस्य 2012), साक्षी मलिक (कांस्य 2016), रवि दहिया (रजत 2020) और बजरंग पुनिया (कांस्य, 2020) की श्रेणी में शामिल हो गए। यह दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम के पहलवानों द्वारा जीता गया छठा पदक है जो भारत में कुश्ती गतिविधि का एक प्रमुख केंद्र है। सहरावत इस वर्ष कुश्ती में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एकमात्र पुरुष पहलवान थे। उनके प्रदर्शन ने उन्हें ओलंपिक में कुश्ती में भारत के लिए आठवां ओलंपिक पदक (दो रजत और छह कांस्य पदक), हॉकी के बाद ओलंपिक में देश के लिए दूसरे सबसे सफल खेल के रूप में अपनी दावेदारी बढ़ाते हुए देखा है।हरियाणा के पहलवान ने अपने अभियान की जोरदार शुरुआत की और अपने पहले दो मुकाबलों में लगातार दो तकनीकी श्रेष्ठता जीत दर्ज की, लेकिन गुरुवार को सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त जापान के री हिगुची से 0-10 से हार गए। उन्होंने अपने 16वें दौर के मुकाबले में पूर्व यूरोपीय चैंपियन नॉर्थ मैसेडोनिया के व्लादिमीर इगोरोव को 10-0 की तकनीकी श्रेष्ठता से हराया था, और फिर क्वार्टर फाइनल में 2022 के विश्व चैंपियन और चौथी वरीयता प्राप्त अल्बानिया के ज़ेलिमखान अबकारोव को 12-0 से हराया था।

पेरिस ओलंपिक में ट्रैक साइक्लिंग महिला स्प्रिंट में बना नया विश्व रिकॉर्ड

पेरिस, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में ट्रैक साइकिलिंग में महिलाओं के स्प्रिंट इवेंट में जर्मनी की ली फ्रेडरिक ने शुक्रवार को नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। फ्रेडरिक ने क्वालीफिकेशन राउंड में 200 मीटर की दूरी सिर्फ 10.029 सेकंड में पूरी की। इससे पहले न्यूजीलैंड की एलेस एंड्रयूज ने पांच मिनट पहले ही 10.117 सेकंड का विश्व रिकॉर्ड बनाया था, लेकिन फ्रेडरिक ने इसे तोड़ दिया। ब्रिटेन की विश्व चैंपियन एम्मा फिनुकेन भी एंड्रयूज से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 10.067 सेकंड में दूरी तय की और क्वालीफिकेशन में दूसरा सबसे तेज समय दर्ज किया। इसके अलावा, चीन की बाओ शानजू 10.744 सेकंड के समय के साथ हेड-टू-हेड रेस के पहले राउंड के लिए क्वालीफाई किया।पेरिस ओलंपिक में रिकॉर्ड बनाने का सिलसिला लगातार जारी है। इससे पहले 9 अगस्त को ही पाकिस्तान के अरशद नदीम ने भी भाला फेंक प्रतियोगिता में सबसे लंबी थ्रो फेंकने का ओलंपिक रिकॉर्ड बनाया था। अरशद नदीम ने पेरिस ओलंपिक पुरुष भाला फेंक प्रतियोगिता में 92.97 मीटर के ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। नदीम ने अपने अंतिम प्रयास में 91.79 मीटर के एक और शानदार थ्रो के साथ इस इवेंट का समापन किया। इससे पहले यह ओलंपिक रिकॉर्ड डेनमार्क के एंड्रियास थोर्किल्डसेन के नाम था, जिन्होंने 2008 बीजिंग में 90.57 मीटर का थ्रो किया था। पुरुष भाला फेंक प्रतियोगिता में ओवरऑल विश्व रिकॉर्ड जान जेलेजनी के नाम है, जिन्होंने 98.48 मीटर के थ्रो के साथ कमाल किया था।

राजस्थान के कोच बन सकते हैं राहुल द्रविड़, श्रीलंकाई दिग्गज को कर सकते हैं रिप्लेस

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया को टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जिताने के बाद राहुल द्रविड़ हेड कोच की जिम्मेदारी से मुक्त हो चुके हैं। द्रविड़ की जगह गौतम गंभीर टीम इंडिया के नए कोच की भूमिका संभाल रहे हैं। ऐसे में राहुल द्रविड़ के ढ्ढक्कमें वापसी के संकेत मिल रहे हैं। दरअसल, इंग्लैंड के व्हाईट बॉल टीम के कोच के लिए राजस्थान रॉयल्स के मौजूदा कोच कुमार संगकारा का नाम खबरों में चल रहा है। अगर संगकारा इंग्लैंड टीम से जुड़ते हैं तो द्रविड़ राजस्थान टीम के कोच के लिए प्रबल दावेदार हो सकते हैं। द्रविड़ इससे पहले भी राजस्थान रॉयल्स के कोच रह चुके हैं।संगकारा से हाल ही में इंग्लैंड मीडिया ने इंग्लैंड टीम से जुड़ने को लेकर सवाल किया था और उन्होंने इस बात को पूरी तरह से खारिज भी नहीं किया, हालांकि उन्होंने कहा कि वह रॉयल्स के साथ सहज हैं। उन्होंने कहा, ठीक है, मुझे पता है कि मेरा नाम चल रहा है, लेकिन मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं है। मुझे लगता है कि इंग्लैंड के कोच के लिए किसी के लिए भी एक रोमांचक संभावना है, लेकिन वहां बहुत सारे अच्छे उम्मीदवार हैं। मैं इस समय बहुत खुश हूं।

जेंडर विवाद के बीच ईमान खलीफा ने जीता गोल्ड

- बायोलॉजिकल मेल होने लगा था आरोप

नईदिल्ली, एजेंसी। अल्जीरिया की महिला बॉक्सर ईमान खलीफा ने पेरिस ओलंपिक 2024 में गोल्ड मेडल जीत लिया है. बीते शुक्रवार को ईमान खलीफा ने वुमेंस 66 किलोग्राम भार वर्ग में गोल्ड अपने नाम किया. अल्जीरिया की महिला बॉक्सर जेंडर विवाद को लेकर खूब चर्चाओं में रहीं. ईमान खलीफा पर यहां तक बायोलॉजिकल मेल होने का भी आरोप लगाया गया. ईमान ने चीन की यांग लियू के खिलाफ फाइनल मुकाबले में गोल्ड मेडल जीता.

हालांकि अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी का मानना था कि वह उनके मानकों पर खरी उतरती हैं, जिसके चलते उन्हें प्रतियोगिता में हिस्सा लेने दिया गया. ईमान ने अंतत-गोल्ड मेडल जीता. लेकिन गौर करने वाली बात यह है कि ईमान के खिलाफ अलग-अलग मैचों में हिस्सा लेने वाली अलग-अलग देशों की महिला बॉक्सर ने आवाज़ उठाई थी. ईमान खलीफा ने 16वें राउंड का मैच इटली की बॉक्सर एंजेला कैरिनी के खिलाफ खेला था. ईमान खलीफा के सामने इटली बॉक्सर ने कुछ सेकेंड में ही मुकाबला छोड़ दिया था और वह रिंग से बाहर चली गई थीं. इसक बाद ईमान खलीफा ने फाइनल तक अपने सभी मैच एक तरफा जीते. क्वार्टर फाइनल में ईमान खलीफा का भिड़ंत हंगरी की ल्यूका अन्ना हामारी से हुई थी. इस मैच में ईमान खलीफा ने 5-0 से जीत हासिल कर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी. फिर सेमीफाइनल में अल्जीरिया की बॉक्सर ने थाईलैंड की जंजेम सुवानाफेंग को 5-0 से दी शिकस्त दी थी.

फाइनल में भी एकतरफा हासिल की जीत

सेमीफाइनल में शानदार जीत दर्ज करने वाली ईमान खलीफा ने फाइनल में भी एकतरफा जीत हासिल की. गोल्ड मेडल के लिए खेले गए फाइनल में ईमान ने चीन की यांग लियू को 5-0 से हराया. इस तरह उन्होंने विवादों के बीच पेरिस ओलंपिक में गोल्ड जीता.

2023 विश्व चैंपियनशिप से कर दिया गया था बाहर

गौरतलब है कि ईमान खलीफा को 2023 में हुई वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप से बाहर कर दिया गया था. ईमान चैंपियनशिप में जेंडर एलिजिबिलिटी मानदंडो को पूरा करने में नाकाम साबित हुई थीं, जिसके चलते उन्हें बाहर होना पड़ा था.

कांस्य पदक जीतकर स्वदेश लौटी भारतीय हॉकी टीम

ढोल-नगाड़ों से दिल्ली एयरपोर्ट पर हुआ स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर भारतीय पुरुष हॉकी टीम शनिवार को स्वदेश लौट आई। दिल्ली एयरपोर्ट पर भारतीय खिलाड़ियों का ढोल-नगाड़ों से भव्य स्वागत हुआ। भारतीय खिलाड़ियों के इंतजार में फैंस सुबह से ही एयरपोर्ट के बाहर जमा हो गए थे।

भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ियों ने वापसी के बाद दिल्ली एयरपोर्ट के बाहर जमकर जश्न मनाया। ढोल-नगाड़ों की थापों पर सब जमकर थिरके और पदक जीतने की खुशी मनाई। इस दौरान हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने पीआर श्रीजेश के समापन समारोह में ध्वजवाहक चुने जाने पर बात की।

उन्होंने कहा, ÷वह (पीआर श्रीजेश) इसके हकदार थे (ओलंपिक के समापन समारोह में ध्वजवाहक बनने के लिए)। अगर भारत सरकार और भारतीय ओलंपिक समिति ने उन्हें यह अवसर दिया है, तो हॉकी इंडिया उनका शुक्रिया अदा करता है... यह एक शानदार जीत थी, लगातार दो पदक जीतना एक बड़ी उपलब्धि है। लेकिन, हमारा लक्ष्य फाइनल खेलना था, लेकिन रेफरी की गलती से अमित रोहिदास को बाहर बैठाने की वजह से हमें हार का सामना करना पड़ा और इसलिए हम कांस्य पदक के साथ यहां हैं, अन्यथा पदक का रंग बदल दिया जाता। भारतीय हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में 41 साल का पदक का सूखा समाप्त किया था और मनप्रीत सिंह की अगुआई में कांस्य पदक जीता था। पेरिस में भारत ने अपने पदक को बरकरार रखा। भारत ने कांस्य पदक के मुकाबले स्पेन को 2-1 से हरा दिया। इससे पह सेमीफाइनल में भारत को जर्मनी के हाथों 2 से हार का सामना करना पड़ा था। भारत 1980 में मॉस्को ओलंपिक के बाद से खेलों में अब तक स्वर्ण नहीं जीता ओलंपिक में जिस खेल में भारत को सब ज्यादा सफलता मिली है वो हॉकी ही भारत अब तक हॉकी में कुल 13 पदक ज चुका है जिसमें आठ स्वर्ण, एक रजत अ चार कांस्य पदक शामिल हैं।

नदीम को अपने लोगों ने ही परेशान कर दिया, पाकिस्तानी एम्बेसी में गजब हो गया!

पेरिस, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतकर अरशद नदीम इस वक्त पाकिस्तान के हीरो बन चुके हैं. हर कोई उनसे मिलना चाह रहा है. उनके साथ सेल्फी लेना चा रहा है, उनका इंटरव्यू करना चाह रहा है. रातों रात वो एक बड़े स्टार हो गए हैं. इसके बावजूद पेरिस में वो बेबस नजर आए. उनके अपने लोगों ने ही इतना परेशान कर दिया कि वो कुछ नहीं कर पाए और घंटों इंतजार करना पड़ा. पेरिस में मौजूद पाकिस्तानी एम्बेसी में उनके साथ जो कुछ भी हुआ वो हैरान कर देने वाला है. अपने स्टार एथलीट के साथ ऐसा सलूक शायद सिर्फ पाकिस्तान ही कर सकता है. आप सोच रहे होंगे कि आखिर ऐसा क्या हो गया. तो आइये आपको बताते हैं कि पूरा मामला क्या है.

पेरिस में मजबूर नजर आए अरशद

पाकिस्तान को ओलंपिक में मेडल जीते हुए 32 साल हो गए थे. वहीं गोल्ड मेडल को 40 साल बीत चुके थे. इससे पहले 1992 के बार्सिलोना ओलंपिक में पाकिस्तान ने ब्रॉन्ज और 1984 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में गोल्ड जीता था. इस सूखे को अब अरशद नदीम ने खत्म किया है. उन्होंने ना सिर्फ गोल्ड मेडल जीता बल्कि जैवलिन थ्रो के फाइनल में 92.97 मीटर के साथ ओलंपिक रिकॉर्ड भी बनाया. इसके बाद से ही पूरे पाकिस्तान में उनके नाम की गूंज है. हालांकि, इसके बावजूद उन्हें पेरिस में परेशान होना पड़ा है. पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अरशद नदीम को पेरिस में मौजूद पाकिस्तानी एम्बेसी में घंटों तक बैठाकर रखा गया. वो पूरी तरह से थक चुके थे और उन्हें जरा भी रुकने का मन नहीं था. फिर भी पाकिस्तान की एम्बेसी ने उन्हें वहां से निकालने के बजाय सेल्फी और तस्वीरों के लिए घंटों इंतजार करवाया.

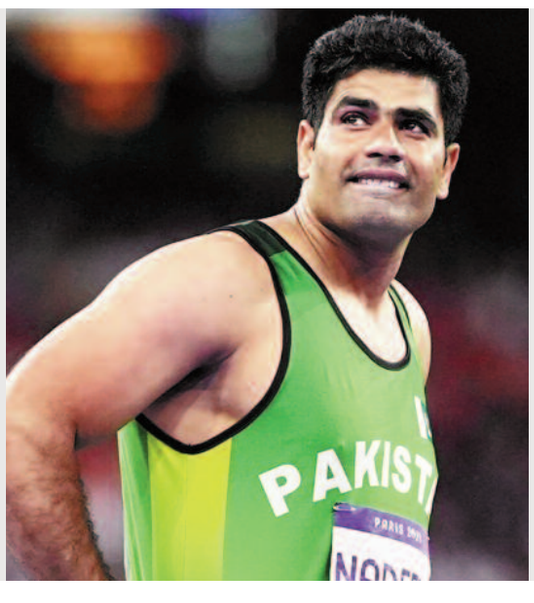

अरशद के गांव में सड़क तक नहीं

अरशद नदीम पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मियां चुन्नू में रहते हैं. उनके गांव में ना तो पक्की सड़क है और ना ही कोई सुविधाएं हैं. वहीं उनके पिता मिस्त्री हैं और लोगों के घरों की मरम्मत करते हैं. इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान की सरकार अपने स्टार खिलाड़ी को किस तरह की सुविधा दे रही थी. इतना ही नहीं ओलंपिक से पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उन्हें तैयारी के लिए केवल 10 लाख रुपए की मदद की थी. और, मेडल जीतने के साथ इस तस्वीर को शेयर भी कर दिया, जिसके बाद वो जमकर ट्रोल हुए.

मिस्र पहलवान अलसायेद यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार

पेरिस, एजेंसी। कार्यालय ने पहलवान का नाम नहीं बताया लेकिन कहा कि वह मिस्र में पैदा हुआ था और ओलंपिक में भाग लेने के लिए पेरिस में था। मिस्र कुश्ती महासंघ ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। पेरिस ओलंपिक में भाग लेने आए मिस्र के एक पहलवान को यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया। फ्रांस के अभियोजकों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पेरिस अभियोजक के कार्यालय के एक बयान के अनुसार एक 26 वर्षीय एथलीट को पेरिस कैफे के बाहर एक महिला के साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ करने के कारण शुक्रवार सुबह हिरासत में लिया गया था। कार्यालय ने पहलवान का नाम नहीं बताया था, लेकिन यह कहा गया कि वह मिस्र में पैदा हुआ था और ओलंपिक में भाग लेने के लिए पेरिस में था। मिस्र कुश्ती महासंघ ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। मीडिया रिपोर्ट्स में यह बात सामने आई कि उस पहलवान का नाम अलसायेद है और मिस्र ओलंपिक समिति ने भी इसकी पुष्टि की।

शाहरुख-सुहाना के साथ स्क्रीन साझा करेंगे अभय वर्मा

मुंजा अभिनेता अभय वर्मा सुजॉय घोष द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर किंग के कलाकारों में शामिल हो गए हैं। यह फिल्म शाहरुख खान और उनकी बेटी सुहाना खान के बीच एक बड़े सहयोग का प्रतीक है, जिसमें पिता-बेटी की जोड़ी पहली बार स्क्रीन पर एक साथ काम कर रही है।

शाहरुख खान, अपने प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के माध्यम से, सिद्धार्थ आनंद और ममता आनंद की मार्फ्लिक्स के साथ फिल्म का सह-निर्माण कर रहे हैं। फिल्म ने पहले ही अपने प्रभावशाली कलाकारों के साथ चर्चा पैदा कर दी है, जिसमें अब नायक के रूप में अभिषेक बच्चन भी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मुंजा में अपनी भूमिका के लिए जाने जाने वाले अभय वर्मा को किंग में एक महत्वपूर्ण भूमिका के लिए चुना गया है। अभय वर्मा को मुंजा में उनके प्रदर्शन के लिए बहुत सराहना मिली है और यह बात उनके सामने आने वाले प्रस्तावों में भी झलक रही है। उन्हें शाहरुख खान और सुहाना खान के साथ किंग में अहम भूमिका मिलने की खबर है। रिपोर्ट की मानें तो वह इस टेंटपोल फीचर फिल्म में काम करने के लिए काफी उत्साहित हैं।

फिल्म की कास्टिंग तेजी से आगे बढ़ रही है। स्क्रिप्ट पहले ही फाइनल हो चुकी है और भारत और विदेश दोनों में शूटिंग के स्थानें चुन ली गई हैं। प्रोडक्शन टीम का लक्ष्य जल्द ही पूरी टीम को अंतिम रूप देना है। किंग की टीम नवंबर 2024 में फिल्म की शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार है। दर्शकों को इसकी रिलीज को लेकर काफी उम्मीदें हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, किंग में सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित कुछ बेहतरीन एक्शन सीक्वेंस होंगे, जिन्होंने 2023 की ब्लॉकबस्टर पठान का निर्देशन किया था। अनिरुद्ध रविचंदर कथित तौर पर थीम म्यूजिक की रचना करने के लिए फिल्म की टीम में शामिल हो गए हैं। फिल्म में अभिषेक बच्चन को खलनायक की भूमिका के लिए चुना गया है।

खाकी - द बंगाल चैप्टर में नजर आएंगी चित्रांगदा सिंह, जल्द साइन करने वाली हैं एक फिल्म

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह को हाल ही में, रिलीज हुए गाने हौली हौली में अक्षय कुमार के साथ देखा गया, जिसके बाद लोगों को उनकी पुरानी फिल्म देसी बॉयज याद आ गई थी। खैर, अब दर्शकों को उनकी पुरानी फिल्म की यादों में डूबने की जरुरत नहीं है, क्योंकि चित्रांगदा सिंह जल्द ही वेब सीरीज खाकी- द बंगाल चैप्टर में नजर आने वाली हैं। खाकी - द बंगाल चैप्टर का निर्माण नीरज पांडे करेंगे, जिनकी नई फिल्म औरों में कहां दम था इन दिनों सिनेमाघरों में चल रही है और इसे दर्शकों की कमी से जूझना पड़ रहा है। खाकी- द बंगाल चैप्टर, खाकी- द बिहार चैप्टर सीरीज का अगला भाग है। पहला सीजन साल 2022 में रिलीज हुआ था। इसमें निकिता दत्ता, अविनाश तिवारी, आशुतोष राणा, ऐश्वर्या सुष्मिता समेत कई कलाकारों ने काम किया था। चित्रांगदा सिंह ने खाकी - द बंगाल चैप्टर पर हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते हुए कहा कि वो इस वेब सीरीज के लिए काफी उत्साहित हैं। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि फिलहाल इसकी शूटिंग चल रही है। चित्रांगदा ने बताया कि वो जल्द ही एक फिल्म में काम करते हुए नजर आएंगी, जिसे वो साइन करने वाली हैं। इसके अलावा एक और प्रोजेक्ट को लेकर बातचीत चल रही है। चित्रांगदा सिंह पिछली बार गैसलाइट फिल्म में दिखाई दी थीं। इसमें विक्रांत मैसी और सारा अली खान ने भी काम किया था। यह फिल्म 2023 में रिलीज हुई थी। उन्होंने अपने अभी तक के करियर में काफी कम फिल्मों में काम किया है। इनमें बॉब बिस्वास, आई मी और मैं, ये साली जिंदगी, हजारों ख्वाहिशें ऐसी, इंकार, साहेब, बीबी और गैंगस्टर 3 और बाजार समेत कुछ और फिल्में शामिल हैं।

आखिरी सच की निर्माता के साथ फिर काम करेंगी तमन्ना भाटिया

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया इन दिनों फिल्म स्त्री 2 को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं। फिल्म से जारी हुआ नया गाना आज की रात में अपने डांस मूव्स के लिए उन्हें काफी तारीफें मिल रही हैं। इस बीच अभिनेत्री की अगली परियोजना पर नई जानकारी सामने आई है, जो प्रशंसकों को उत्साहित कर देगी। सोशल मीडिया पर चर्चा है कि अभिनेत्री जल्द ही नई सीरीज में नजर आने वाली हैं। हालांकि, इस बारे में आधिकारिक घोषणा का अभी इंतजार है। दरअसल, हाल ही में निर्माता प्रीति सिमोस ने एक और दिलचस्प वास्तविक जीवन के मामले पर आधारित एक आगामी वेब सीरीज के लिए करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस धर्माटिक एंटरटेनमेंट के साथ हाथ मिलाया था और उन्होंने नई सीरीज की घोषणा की थी। हालांकि, इस सीरीज से जुड़ी अन्य बातें अभी गुप्त रखी गई हैं। वहीं अब चर्चा है कि सीरीज में मुख्य नायिका का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री का चयन कर लिया गया है, वह कोई और नही, बल्कि तमन्ना भाटिया हैं। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि तमन्ना शो के लिए निर्माताओं की पहली पसंद थीं। इससे पहले उन्होंने सीरीज आखिरी सच में साथ काम किया था, जो काफी सफल परियोजना थी, इसलिए उन्होंने अपनी इस जोड़ी को फिर से बनाने के बारे में सोचा है। सीरीज को लेकर अन्य कलाकारों की कास्टिंग अभी चल रही है। अगर यह रिपोर्ट सच साबित हुई तो यह प्रीति सिमोस और तमन्ना भाटिया का दूसरा सहयोग होगा। इससे पहले उन्होंने आखिरी सच में साथ काम किया था, जो कुख्यात बुराड़ी मौतों पर आधारित थी।

नसीरुद्दीन शाह के साथ नजर आएंगी कल्कि केकला

अभिनेत्री कल्कि केकलां ने बहुत चुनिंदा फिल्मों में काम किया है। लेकिन, अपने अभिनय की उन्होंने अलग छाप छोड़ी है। अब वे दिग्गज कलाकार नसीरुद्दीन शाह के साथ काम करने जा रही हैं। इससे वे बेहद खुश हैं। हालांकि, कल्कि किसी फिल्म में नसीरुद्दीन शाह के साथ काम नहीं कर रही हैं, बल्कि उनके साथ स्टेज प्रस्तुति देंगी। यह स्टेज शो शेक्सपियर के एक नाटक पर होगा, जिसका नाम किंग लियर है।

स्टेज शो में निभाएंगी यह भूमिका

न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक कल्कि केकलां की पीआर टीम ने यह जानकारी साझा की है। इसके अनुसार स्टेज शो में अभिनेत्री किंग लियर की बेटी कॉर्डेलिया की भूमिका निभाएंगी। वहीं, नसीरुद्दीन शाह किंग लियर की भूमिका में नजर आएंगे। नसीरुद्दीन शाह के साथ काम करने को लेकर कल्कि बेहद खुश हैं। यह नाटक इस साल नवंबर में मुम्बई के पृथ्वी थिएटर महोत्सव में प्रदर्शित किया जाएगा, जो थिएटर प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण आयोजन होगा। अपने इस स्टेज शो को लेकर उत्साहित कल्कि ने कहा, दिग्गज नसीर सर के साथ मंच साझा करने को लेकर रोमांचित हूं, जो मेरे लिए अभी भी थिएटर के बादशाह हैं! शानदार रेहान इंजीनियर द्वारा निर्देशित और प्रतिभाशाली इरा दुबे द्वारा निर्मित, इस नाटक में अविश्वसनीय कलाकार- डेन्जिल स्मिथ, जिम सर्भ, नील भूपालम, इरा दुबे, शीना खालिद आदि हैं। कल्कि ने वर्ष 2009 में फिल्म देव डी से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया था, जिनसे 2011 में कल्कि ने शादी रचाई। हालांकि, 2015 में दोनों अलग हो चुके हैं। देव डी के अलावा कल्कि जिंदगी ना मिलेगी दोबारा, ये जवानी है दीवानी, गली बॉय जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। मेड इन हैवन और सेक्रेड गेम्स जैसे प्रोजेक्ट के लिए भी कल्कि की काफी तारीफ हो चुकी है।

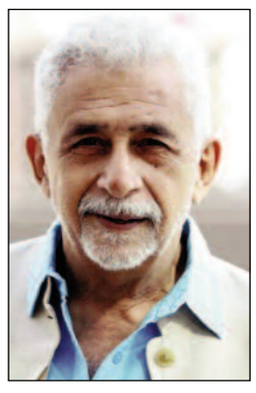

मल्टीस्टारर फिल्मों में काम करने से हुआ नुकसान

हाल ही में एक्टर जायद खान ने अपने करियर डाउनफॉल के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि मल्टी-स्टारर फिल्मों ने उनके करियर को नुकसान पहुंचाया। जायद ने कहा, मैंने अपनी स्टारडम को हल्के में लिया और उन लोगों की नहीं सुनी जिन्होंने मुझे सिंगल-हीरो फिल्मों में काम करने की सलाह दी थी। जब आप मार्केट में होते हैं, तो आपको साबित करना होता है कि आप एक फिल्म को अपने कंधों पर उठा सकते हैं। एक्टर ने आगे कहा, जब कई अभिनेता एक साथ होते हैं, तो बजट को सही ठहराने के लिए फिल्में बनती हैं। शायद मैंने जल्दी ही बड़े बजट फिल्मों में कदम रख दिया। मुझे पहले अपना ब्रांड बनाना चाहिए था। मुझे इस बात का अफसोस है। कुछ फिल्में हिट नहीं हुईं। कौन ब्लू जैसी फिल्म साइन नहीं करेगा? बता दें, जायद खान ने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत फिल्म चुरा लिया है तुमने से की थी। फिल्म में उनके साथ ईशा देओल थीं। लेकिन असली पहचान उन्हें फराह खान की फिल्म मैं हूं ना से मिली, जिसमें शाहरुख खान मुख्य भूमिका में थे। मैं हूं ना की सफलता के बाद, जायद ने ब्लू, फाइट क्लब, दस जैसे कई मल्टी-स्टारर फिल्मों में काम किया। लेकिन ये फिल्में उनके करियर को नहीं बढ़ा सकीं।

तुषार कपूर को नहीं मिला नेपोटिज्म का फायदा

दिग्गज अभिनेता जितेंद्र के बेटे और एकता कपूर के भाई होने के बाद भी तुषार कपूर को कई बार रिजेक्शन का सामना करना पड़ा है। नेपोटिज्म का फायदा तुषार कपूर को नहीं मिला। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान तुषार ने बताया कि लोग फिल्मी परिवार के फायदे के बारे में बताते हैं, लेकिन नुकसान को लेकर नहीं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग नीचे खींचना चाहते हैं। हर बार किसी नए स्टूडेंट्स की तरह बार-बार परीक्षाएं देनी पड़ीं। एक इंटरव्यू के दौरान तुषार कपूर ने करियर को लेकर बात की। उन्होंने कहा- मैं फिल्मी परिवार से हूं, मेरे पास सब कुछ है। लेकिन, मैं उन एक्टर्स में से एक हूं, जिसे सबसे ज्यादा बार रिजेक्ट किया गया। हर बार खुद को साबित करने के लिए मुझे जूझना पड़ा है। कुछ लोग नीचे खींचना चाहते हैं। हर बार किसी नए स्टूडेंट्स की तरह मुझे बार-बार परीक्षाएं देनी पड़ीं। मैं इससे लड़ने के लिए तैयार रहता हूं, क्योंकि ये मुझे हमेशा चौकन्ना रखता है। थैंकफुली मेरे पास एक ऐसी ऑडियंस है जो मुझे जज नहीं करती है।

गुलशन देवैया ने भाई भतीजावाद पर की बात

गुलशन देवैया कई चर्चित फिल्मों में काम किया है। इनमें गोलियों की रासलीला- राम-लीला, हंटर और बैट कॉप सीरीज शामिल हैं। इंडस्ट्री में डेब्यू के बाद गुलशन ने लंबा रास्ता पार किया है। वे एक आउटसाइडर हैं। हाल ही में उन्होंने अपना बाहरी होने और मुंबई को अपना घर बनाने का अनुभव साझा किया है। उन्होंने कहा कि इनसाइड और आउटसाइड की इस बहस में शाहरुख खान सबसे अच्छा उदाहरण हैं, जो इस बहस से आगे निकल गए। नेपोटिज्म विशेषाधिकार है गुलशन ने कहा, भाई-भतीजावाद एक विशेषाधिकार है। हर किसी को विशेषाधिकार है। मेरा विशेषाधिकार क्या था? मैंने एक निजी स्कूल में पढ़ाई की। मेरे माता-पिता का घर मेरे पैसों से नहीं चल रहा है। मैं इकलौती संतान हूं। मेरी मां बीमार हैं। इसलिए मेरे माता-पिता ने कभी नहीं कहा, मत जाओ। हमारा क्या होगा? रुको। हमारा ख्याल कौन रखेगा? उन्होंने कभी ऐसा नहीं कहा। अभिनेता ने आगे कहा, यह मेरा सौभाग्य है। कुछ लोगों को इस बात का विशेषाधिकार है कि उन्हें इस इंडस्ट्री के काम करने के तरीके की जानकारी है। इसके बिजनेस के तरीके क्या हैं? सिनेमाघरों में रिलीज का बिजनेस मॉडल क्या है? उन्हें इसकी समझ है। आप किसी को कितने भी अवसर दें, अगर दर्शक आपको पसंद नहीं करते हैं, अगर आपकी फिल्में नहीं चल रही हैं। ऐसे कई लोग हैं जो प्रिवलेज्ड बैकग्राउंड से आते हैं, जो अभिनेता या निर्देशक के रूप में सफल नहीं हैं। ऐसे कई लोग हैं। और बहुत से लोग हैं जो बाहर से आए हैं और सफल हैं। शाहरुख खान सबसे बड़े उदाहरणों में से एक हैं। वह बहुत बड़ा नाम है। दुनिया के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं। गुलशन ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने सफर के बारे में बात करते हुए आगे कहा, मैं वही किरदार करता हूं जो मुझे दिलचस्प लगता है, मैं यह नहीं सोचता कि वह हीरो का किरदार है या विलेन का। मेरी सबसे लोकप्रिय फिल्म हंटर है। फिल्म हंटर के दौरान मेरे साथ काम करने वाले कई लोग मेरे दोस्त हैं। हम साल में एक बार मिलते हैं। अगले साल फिल्म हंटर को 10 साल पूरे हो जाएंगे। इस मौके पर हम पुणे जाना चाहते हैं, जहां फिल्म की शूटिंग हुई थी। ब्रांड वैल्यू के मामले में फिल्म ने मुझे बहुत कुछ दिया है। लोग अक्सर मुझसे हंटर के सीक्वल के बारे में पूछते हैं। फिलहाल गुलशन को फिल्म उलझ के लिए तारीफ मिल रही है। जान्हवी कपूर अभिनीत इस फिल्म में गुलशन एक अंडरकवर एजेंट के रूप में नजर आए हैं।

बॉलीवुड में टाइपकास्टिंग पर बोले अरशद वारसी

अरशद वारसी ने बॉलीवुड में टाइपकास्टिंग पर बात की है। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री की वर्किंग पर सवाल उठाते हुए कहा कि यहां एक्टर्स को बहुत ही जल्दी एक इमेज में बांध दिया जाता है जिससे पार पाना किसी भी एक्टर के लिए काफी मुश्किल हो जाता है। यूट्यूब शो अनफिल्टर्ड बाय समधीश को दिए इंटरव्यू में अरशद ने कहा, इंडस्ट्री बहुत ही फनी तरीके से काम करती है। अगर मैंने पहली फिल्म में सीरियस रोल कर लिया तो मुझे जीवनभर सीरियस रोल ही दिए जाएंगे। किसी को पता नहीं चलेगा कि मैं कॉमेडी भी कर सकता हूं। अरशद ने बॉलीवुड टाइपकास्टिंग में टाइगर श्रॉफ का उदाहरण देते हुए कहा, आप बेचारे टाइगर को देखिए। वो हर मूवी में जंपिंग करते और फाइटिंग करते दिख जाते हैं। वो और क्या और कैसे करेंगे? उन्हें न मेकर्स उनकी पसंद के कपड़े पहनने देते हैं और न ही फिल्मों में कुछ और करने देते हैं। हर एक्टर अलग-अलग किरदार और जॉनर की फिल्में करना चाहता है लेकिन इंडस्ट्री उसे एक बक्से में बंद कर देती है।